■ ये हेट स्पीच नहीं है
■ मतदाता सूची पुनरीक्षण ... 04

■ फिजी में गहराया एचआईवी संकट...
■ सूडान में ढही सोने की खदान 11 की मौत... 09

■ जीएसटी ने पूरे किए 8 साल, कलेक्शन ...
■ यूपीआई से तत्काल टिकट बुकिंग तक... 11

■ अब कोई नहीं बन सकेगा..
■ फाफ डु प्लेसिस... 10

सार संक्षेप

भगदड़ पर मांझी इस्तीफा दें, घटना की हो न्यायिक जांच : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पुरी में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा भगदड़ में श्रद्धालुओं के हताहत होने को अत्यंत गंभीर घटना बताते हुए मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी से इस्तीफा देने की मांग करते हुए कहा है कि घटना की न्यायिक जांच होनी चाहिए। कांग्रेस सांसद सप्तगिरि उलाका तथा पार्टी नेता अरविंदा दास ने सोमवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में इसे राज्य की भाजपा सरकार के कुप्रबंधन का परिणाम बताया।

मणिपुर में चार कुकी उग्रवादियों की गोली मार कर हत्या

इम्फाल। मणिपुर में चुराचांदपुर जिले के के. मोंगजांग गांव में सोमवार सुबह घात लगाकर किए गए हमले में कुकी संगठन से संबंधित चार उग्रवादियों की मौत हो गयी। इनमें एक महिला भी शामिल है। पुलिस को संदेह है कि यह हमला कुछ अन्य कुकी उग्रवादी समूहों ने किया था। इस घटना को उस समय अंजाम दिया गया जब वे एक वाहन में कहीं जा रहे थे। इन सभी के शव चुराचांदपुर जिला मुख्यालय लाए गए हैं।

जम्मू-कश्मीर में नए राजनीतिक गठबंधन की घोषणा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस (जेकेपीसी) प्रमुख सज्जाद लोन, हकीम यासीन की अध्यक्षता वाले पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट (पीडीएफ) और पिछले साल विधानसभा चुनाव लड़ने वाले जमात इस्लामी के एक धड़े 'जस्टिस डिपार्टमेंट फ्रंट (जेडीएफ) ने सोमवार को एक नए गठबंधन 'पीपुल्स अलायंस फॉर चेंज' (पीएसी) की घोषणा की। श्री लोन ने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में नए गठबंधन 'पीएसी' की घोषणा की। इस दौरान तीनों दलों के शीर्ष नेता मौजूद थे।

बिरादरी कोबात

चूहा-सुनती हो-बिहार के एक गांव में ब्राम्हणों से पूजा कराने पर रोक लगा दी गई है।
चुहिया- हां प्रिये- इन दिनों आस्था और विश्वास के विषय भी राजनीतिक मुद्दे बनते जा रहे हैं।

तेलंगाना केमिकल प्लांट में बड़ा हादसा

विस्फोट में 12 मजदूरों की मौत

- सौ मीटर दूर तक उड़कर गिरे मजदूरों के अंग
- 34 से ज्यादा मजदूर घायल, कुछ की हालत नाजुक
- लगभग 100 लोग काम कर रहे थे, दवा पाउडर बनाने वाली फैक्ट्री में
- मामले की जांच शुरू

संगारेड्डी एजेंसियां। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले के पाशा मेलाराम औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार सुबह एक भयंकर हादसा हुआ। यहां स्थित सीगाची केमिकल्स फैक्ट्री में जोरदार विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई। फैक्ट्री के रिएक्टर में धमाका हुआ, देखते ही देखते आग की लपटों ने पूरी फैक्ट्री को घेर लिया। हादसे में 12 मजदूरों की मौत बताई जा रही है, वहीं 34 मजदूर घायल हो गए हैं, जिनमें से कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है।

विस्फोट इतना जोरदार था कि उसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी और फैक्ट्री के आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई। मजदूर डर के मारे इधर-उधर भागने लगे। चश्मदीदों के अनुसार, धमाके के कारण कई मजदूर 100 मीटर तक दूर जा गिरे। यह हादसा आज सुबह करीब 9 बजे हुआ। रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है। बताया जा रहा है कि पूरी शिफ्ट में 150 लोग थे। जिस ब्लॉक में हादसा हुआ, वहां लगभग 100 लोग थे।

घायलों को टनचेरु के अस्पताल में प्राथमिक इलाज के लिए ले जाया गया, वहीं गंभीर घायलों को हैदराबाद रेफर किया गया है। हादसे के बाद फैक्ट्री की इमारत ढह गई। मलबे में मजदूरों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, इस हादसे में 5 पांच मजदूरों की जिंदा जलकर मौत हुई, प्रशासन ने तुरंत कार्रवाई करते हुए फैक्ट्री और आसपास के क्षेत्र को खाली करवाना शुरू कर दिया था।

फैक्ट्री में 100 से अधिक मजदूर करते हैं काम-स्थानीय लोगों ने बताया कि यह कंपनी दवाओं के निर्माण में इस्तेमाल होने वाले पाउडर तैयार करती है। यहां विभिन्न राज्यों से आए 100 से अधिक मजदूर काम करते हैं। हादसे की खबर मिलते ही मजदूरों के परिजन फैक्ट्री के बाहर जमा हो गए हैं। हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

प्रधानमंत्री ने जताया दुख, किया मदद का ऐलान

पीएम मोदी ने एक्स पोस्ट के जरिए ब्लास्ट की घटना पर दुख जताया। पीएम नेशनल रिलीफ फंड से मृतकों के परिजन को 2 लाख और घायलों को 50 हजार की मदद की घोषणा की। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने इस त्रासदी पर गहरा दुख व्यक्त किया और अधिकारियों को सभी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा देने लिए अधिकारियों को निर्देश दिया है।

प्रधानमंत्री ने 'जल गंगा संवर्धन अभियान' समारोह को वर्चुवली संबोधित किया

डॉ. यादव ने अभियान को जन-भागीदारी से बनाया जन-आंदोलन : मोदी

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनकी टीम के जल संवर्धन और संचयन के कार्यों से जल गंगा संवर्धन अभियान को जन-आंदोलन बनते देखना सुखद अनुभूति है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश के लाखों लोगों के परिश्रम, समर्पण और आस्था से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर प्रेषित अपने संदेश में प्रदेशवासियों, विशेषतः जलदूतों, स्व-सहायता समूह की महिलाओं और किसानों को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पानी की एक-एक बूँद बचाने के लिये 90 दिन तक चले जल गंगा संवर्धन अभियान में जन-भागीदारी से हुए कार्यों को ऐतिहासिक बताते हुए प्रदेशवासियों को उनके योगदान के लिये धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश के लाखों लोगों के परिश्रम, समर्पण और आस्था से संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन अवसर पर जारी अपने संदेश में यह बात कही।

उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव सहित प्रदेशवासियों को इस सफलता के लिये बधाई भी दी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में गुड़ीपड़वा से

प्रधानमंत्री के नेतृत्व और दृष्टि ने जल-संरक्षण को राष्ट्रीय चेतना में बदला : मुख्यमंत्री

आरंभ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान का सोमवार को खण्डवा में समारोहपूर्वक समापन हुआ। इस दौरान वॉटर शेड सम्मेलन भी आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह में 1568 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। उन्होंने पंचायत एवं ग्रामीण विकास के तहत पंचायतों में हुए 578 करोड़ लागत के 57207 कार्यों का लोकार्पण भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वॉटर-शेड विकास घटक के अंतर्गत प्रदेशभर के 888 जल संरक्षण कार्यों का लोकार्पण और खण्डवा जिले की जावर माइक्रो सिंचाई

>>शेष पृष्ठ 2 पर

90 दिवसीय जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ समापन

- एक बगिया मां के नाम अभियान का हुआ शुभारंभ
- मुख्यमंत्री ने 1568 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया
- मुख्यमंत्री ने किया पंचायतों के 578 करोड़ की लागत से 57,207 कार्यों का लोकार्पण
- वाटरशेड विकास घटक में 888 जल संरक्षण कार्यों का लोकार्पण
- जल गंगा संवर्धन अभियान में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जल योद्धा हुए सम्मानित

यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे का कर दिया है विनष्टीकरण

सरकार की तरफ से हाईकोर्ट में पेश की गयी रिपोर्ट

जबलपुर, देशबन्धु। हाईकोर्ट में सरकार की तरफ से पेश की गयी रिपोर्ट में बताया गया कि यूनियन कार्बाइड के 337 मीट्रिक टन जहरीले कचरे का विनष्टीकरण सफलतापूर्वक पीथमपुर स्थित सुविधा केंद्र में कर दिया गया है। केंद्रीय तथा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के तकनीकी विशेषज्ञों की देखरेख में जहरीले कचरे का विनष्टीकरण किया गया है। यूसीआईएल से 19.157 मीट्रिक टन अतिरिक्त जहरीला कचरा एकत्र किया गया है,जिसका विनष्टीकरण 3 जुलाई 2025 तक कर दिया जायेगा। हाईकोर्ट जस्टिस अतुल श्रीधरन तथा जस्टिस दिनेश कुमार पालीवाल कीयुगलपीठ ने याचिका पर अगली सुनवाई 31 जुलाई को निर्धारित की है।

भोपाल निवासी आलोक प्रभाव सिंह द्वारा साल 2004 में दायर की गयी याचिका में कहा गया था कि भोपाल गैस त्रासदी के दौरान यूनियन कार्बाइड कंपनी से हुए जहरीले गैस रिसाव में लगभग 4 हजार से अधिक लोगों की मौत हो गयी थी। भोपाल गैस त्रासदी के बाद यूनियन कार्बाइड फैक्टरी में करीब 350 मीट्रिक टन जहरीले कचरा पड़ा है। याचिका में जहरीले कचरे के विनिष्टीकरण की मांग की गयी थी। याचिकाकर्ता की मृत्यु के बाद हाईकोर्ट मामले की सुनवाई स्वतः संज्ञान लेकर कर रहा है।

>>शेष पृष्ठ 2 पर

हिमाचल में भारी बारिश से 285 सड़कें बंद

मानसून के बाद से राज्य में अब तक 39 की मौत

शिमला,देशबन्धु। हिमाचल प्रदेश में रविवार से ही तेज बारिश हो रही है। लैंडस्लाइड के चलते प्रदेशभर की 285 सड़कों पर वाहनों की आवाजाही बंद हो गई है। मानसून के बाद से राज्य में अब तक 39 लोगों की मौत हो चुकी है। बीते 24 घंटे में 3 ने जान गंवाई है। वहीं बारिश का सिलसिला जारी है।

हिमाचल के मंडी-कुल्लू नेशनल हाईवे पर थलौट की भुभु जोत टनल के पास सोमवार सुबह लैंडस्लाइड हो गया। इससे टनल के अंदर 5 घंटे तक कई गाड़ियां फंसी रहीं। अलर्ट के चलते आज हिमाचल के 4 जिलों में स्कूल बंद हैं। बिहार के भोजपुर, बक्सर और नालंदा में बिजली गिरने से 5 की मौत हो गई। वहीं, गया के इमामगंज में लगुराही वाटरफॉल में रविवार को अचानक पानी बढ़ गया। तेज बहाव में 6 लड़कियां बह गईं। स्थानीय लोगों ने सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम लगातार खराब होता जा रहा है। आज मौसम विभाग ने भारी से बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इसका असर अनेक जिलों में दिखाई दे रहा है। आज सोमवार को कक्षा 1 से 12वीं तक के सभी स्कूल और आंगनबाड़ी केंद्र बंद रखे गए हैं। रुद्रप्रयाग के घोलतीर में गुरुवार 26 जून को दुर्घटनाग्रस्त हुई बस के 6 तीर्थयात्री अभी भी लापता हैं। वहीं उत्तरकाशी में रविवार को बादल फटने से हुए हादसे के बाद से 7 मजदूर लापता हैं। मूसलाधार बारिश ने जनपद के बांगर क्षेत्र में जमकर तबाही मचाई। बंगर पट्टी को जोड़ने वाले मयाली-रणधार मोटरमार्ग पर मुन्याघर के निकट स्थित मोटरपुल तेज़ बरसाती गदेरे में बह गया, जबकि चौंरा के निकट मोटरमार्ग का एक बहुत बड़ा हिस्सा पूरी तरह से जमींदोज हो गया। बारिश से 179 सड़कें बाधित हुई हैं।

बारिश के बाद रोकी चार धाम यात्रा फिर से शुरू

भारी बारिश के बाद चार धाम यात्रा पर 24 घंटे के लिए लगी रोक हटा दी गई है। गढ़वाल मंडल आयुक्त विनय शंकर पांडे ने सोमवार को बताया कि यात्रा मार्ग पर पड़ने वाले जिलों के जिलाधिकारियों को मौसम की स्थिति को देखते हुए वाहनों को रोकने के निर्देश दिए गए हैं।

उत्तराखंड में भी आफत की बारिश,179 सड़कें हुई बाधित

तेलंगाना में भाजपा को बड़ा झटका

विधायक टी राजा सिंह का पार्टी से इस्तीफा

हैदराबाद, (एजेंसियां)। तेलंगाना के गोशामहल से भाजपा विधायक टी राजा सिंह ने पार्टी नेतृत्व के फैसले से असहमति जताते हुए भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उनका यह फैसला रामचंदर राव को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की मीडिया रिपोर्टों के बाद सामने आया है।

रामचंदर राव को प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने से नाराज

राजा सिंह ने अपने इस्तीफे में लिखा, मैं यह पत्र भारी मन से और गहरी चिंता के साथ लिख रहा हूं। रामचंदर राव को तेलंगाना भाजपा का नया प्रदेश अध्यक्ष बनाए जाने की खबर से न सिर्फ मैं, बल्कि लाखों कार्यकर्ता, नेता और पार्टी के समर्पित मतदाता भी सदमे में हैं। ऐसे समय में जब भाजपा राज्य में पहली बार सरकार बनाने की दहलीज पर है, इस प्रकार का निर्णय पार्टी की दिशा पर गंभीर सवाल खड़े करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग पर्दे के पीछे से फैसले करवा रहे हैं और व्यक्तिगत हितों को प्राथमिकता देकर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को भ्रमित कर रहे हैं।

उन्होंने लिखा, इससे न केवल जमीनी कार्यकर्ताओं के त्याग का अपमान होता है, बल्कि पार्टी को ऐसे झटकों की ओर ले जाता है, जिन्हें टाला जा सकता था। टी राजा सिंह ने तीन बार विधायक बनने का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने पार्टी के लिए पूरी निष्ठा से काम किया, लेकिन अब वह चुप नहीं रह सकते।

JAN JYOTI SUPER SPECIALITY EYE HOSPITAL

अब पाइये चश्मे से छुटकारा मात्र कुछ सेकेण्ड्स में

Teneo- 2 तकनीक से इलाज

TRANS EPI सबसे आधुनिक और सुरक्षित

आज ही विजिट करें

9165108121 janjyotieyehospital.com

1051, Gol Bazar, Near Keshwarwani College, Wright Town, Jabalpur

Excellence in Education, Excellence in Life

A.P.N. C.B.S.E. SENIOR SECONDARY SCHOOL

(C.B.S.E. Affiliated Reg. No. 1031302)

ADMISSION OPEN FOR SESSION 2025-26

Class Nursery to XII Science I Commerce I Humanities

Special Discount in Admission fee & School fee for the State and National Players for all the Games

राष्ट्र स्तरीय एवं प्रदेश स्तरीय सभी खेलों के खिलाड़ियों के लिये प्रवेश शुल्क एवं मासिक शुल्क में विशेष छूट

Ph.: 0761-2676360, 8349593500, 9826587200

विवाद | ग्रामीणों ने चस्पा किए फरमान

बिहार के मोतिहारी गांव में ब्राह्मण पुजारियों पर लगा प्रतिबंध

पटना। उत्तर प्रदेश के इटावा में एक कथावाचक के साथ हुई अभद्रता के बाद अब बिहार के मोतिहारी जिले का एक गांव चर्चा का विषय बन गया है। यहां कथित तौर पर ग्रामीणों ने ब्राह्मण पुजारियों के गांव में प्रवेश पर रोक लगा दी है। जगह-जगह दीवारों और बिजली के खंभों पर ब्राह्मण विरोधी संदेश लिखे जा रहे हैं। इतना ही नहीं, कई ग्रामीणों ने अपने घरों के बाहर भी ऐसे बोर्ड लगा दिए हैं जिनमें साफ लिखा है, इस गांव में ब्राह्मण पुजारियों का प्रवेश व पूजा कराना मना है। पूरा मामला आदापुर प्रखंड स्थित टिकुलिया गांव का बताया जा रहा है।

ग्रामीणों ने बताया कारण-इस विरोध की पृष्ठभूमि उत्तर प्रदेश के इटावा जिले से जुड़ी है, जहां हाल ही में एक ओबीसी (यादव) कथावाचक के साथ कथित तौर पर अपमानजनक व्यवहार किया गया। इस घटना से आहत टिकुलिया गांव के लोगों ने इसका विरोध अपने तरीके से करने का फैसला लिया। ग्रामीणों का कहना है कि उनका विरोध उन ब्राह्मणों से है, जो वेद-शास्त्रों का ज्ञान नहीं रखते, फिर भी खुद को पुजारी बताते हैं और पूजा-पाठ करवाते हैं। साथ ही ग्रामीण ऐसे पुजारियों के मांस और शराब सेवन को भी गलत ठहरा रहे हैं।

धर्म के नाम पर आडंबर पसंद नहीं-गांव के लोगों का यह भी कहना है कि वे किसी जाति विशेष का विरोध नहीं कर रहे हैं। बल्कि वे ऐसे किसी भी व्यक्ति का सम्मान करते हैं, जो वास्तव में वेदों का ज्ञाता हो, फिर चाहे वह किसी भी जाति का क्यों न हो। लेकिन वे ऐसे ब्राह्मण पुजारियों से पूजा-पाठ नहीं करवाना चाहते, जो वेद ज्ञान से अज्ञान हैं और धर्म के नाम पर आडंबर कर रहे हैं।

गांव में ब्राह्मणों का आना बंद-गांव में ब्राह्मण पुजारियों के प्रवेश पर रोक लगाने के बाद अब कोई भी ब्राह्मण इस गांव में पूजा-पाठ कराने नहीं आ रहा है। टिकुलिया गांव की आबादी में ओबीसी और ईबीसी समुदाय के लोग बहुसंख्यक हैं। गांव में ब्राह्मण परिवार नहीं रहते, लेकिन आसपास के गांवों में इनकी संख्या है। ग्रामीणों का कहना है कि यह कदम जातिवादी नहीं है, बल्कि यह उस धार्मिक आचरण के विरोध में है, जिसमें ज्ञान के बिना पूजा-पाठ कर पेशा बनाया गया है। इटावा की घटना ने उन्हें जागरूक किया है और वे अब सिर्फ ज्ञान के आधार पर ही धर्माचार्यों को स्वीकार करना चाहते हैं।

डाक पंजीयन क्रमांक एसएसपी जबलपुर/04/2022-2025

देश-विदेश

सेना प्रमुख चार दिन की भूटान यात्रा पर रवाना

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर सोमवार को भूटान रवाना हो गए। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि सेना प्रमुख की यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच स्थायी रक्षा सहयोग को और प्रगाढ करना है। जनरल द्विवेदी यात्रा के दौरान भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से मुलाकात करेंगे। वह रॉयल भूटान आर्मी के चीफ ऑपरेशन ऑफिसर लेफ्टिनेंट जनरल बटू शेरिंग के साथ भी चर्चा करेंगे। सेना प्रमुख भारतीय दूतावास, भारतीय सैन्य प्रशिक्षण दल और प्रोजेक्ट दंतक के वरिष्ठ अधिकारियों से भी बातचीत करेंगे।

बिहार में विपक्ष के आरोपों के बीच चुनाव आयोग ने किया साफ

5 करोड़ वोटरों को नहीं देना होगा दस्तावेज

पटना, (एजेंसियां)। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बिहार की 2003 की मतदाता सूची अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। इस सूची में 4.96 करोड़ मतदाताओं के नाम हैं। इससे विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में काफी आसानी होगी, क्योंकि अब करीब 60 प्रतिशत मतदाताओं को कोई अतिरिक्त दस्तावेज जमा नहीं करना पड़ेगा। चुनाव आयोग के 24 जून 2025 के निर्देशों के अनुसार, 2003 की मतदाता सूची को मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ), जिला निर्वाचन अधिकारी (डीईओ) और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) द्वारा बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) को हार्ड कॉपी में उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, यह सूची ऑनलाइन भी उपलब्ध होगी, ताकि कोई भी व्यक्ति इसे डाउनलोड कर सके और मतदाता सूची में नाम जोड़ने या संशोधन के लिए फॉर्म के साथ इसका उपयोग कर सके।

इस सुविधा से मतदाताओं और बीएलओ दोनों को फायदा होगा। जिन मतदाताओं के नाम 2003 की सूची में हैं, उन्हें केवल अपने विवरण सत्यापित करने और फॉर्म जमा करने की जरूरत होगी। इसके अलावा, जिन लोगों का नाम इस सूची में नहीं हैं, लेकिन उनके माता-पिता के नाम हैं, उन्हें अपने माता-पिता के लिए कोई अतिरिक्त दस्तावेज देने की जरूरत नहीं होगी। ऐसे मतदाताओं को केवल अपने लिए दस्तावेज जमा करने होंगे।

मतदाता सूची में संशोधन जरूरी-चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और मतदाता पंजीकरण नियम 1960 के तहत हर चुनाव से पहले मतदाता सूची में संशोधन जरूरी है। पिछले 75 वर्षों से आयोग वार्षिक आधार पर गहन और संक्षिप्त संशोधन करता रहा है। यह प्रक्रिया इसलिए जरूरी है, क्योंकि मतदाता सूची में लगातार बदलाव अपरिहार्य है। मृत्यु, प्रवास, शादी, नौकरी, शिक्षा या 18 वर्ष की आयु पूरी करने जैसे कारणों से इसमें बदलाव होते रहते हैं।

- ♦ आयोग ने 2003 की मतदाता सूची अपनी वेबसाइट पर अपलोड की
- ♦ मतदाताओं और बीएलओ दोनों को फायदा होगा
- ♦ मतदाता सूची को पारदर्शी बनाए रखने की पहल बताई

संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार, 18 वर्ष से अधिक उम्र के भारतीय नागरिक, जो उस निर्वाचन क्षेत्र के निवासी हों, मतदाता के रूप में पंजीकरण के पात्र हैं। यह कदम मतदाता सूची को पारदर्शी बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

विपक्ष को विश्वास में नहीं लिया जा रहा : गहलोत

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस ने सरकार और चुनाव आयोग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसे लेकर कांग्रेस के नेता भाजपा को भी कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। इसी बीच बिहार की राजधानी पटना पहुंचे राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी चुनाव आयोग पर सवाल उठाए हैं। पटना में मीडिया से बातचीत में राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन बड़ा मुद्दा है। पता नहीं इनकी मंशा क्या है? उन्होंने कहा कि हम बार-बार कहते हैं कि ये लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। हम समझते हैं कि वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन का फैसला भी कंफ्यूजन पैदा कर रहा है। इसे लेकर स्पष्टता से चुनाव आयोग भी कुछ बता नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार में चुनाव से पहले यह बिना विपक्ष को विश्वास में लिए हुए नई पहल कर रहे हैं।

जानबूझकर वोटरों को बाहर किया जा सकता : विपक्ष

विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि इस तरह की गहन समीक्षा से राज्य तंत्र का दुरुपयोग कर जानबूझकर वोटरों को बाहर किया जा सकता है। इस पर चुनाव आयोग ने कहा कि यह प्रक्रिया नियमों के अनुसार पारदर्शिता से होती है और इसका उद्देश्य किसी को बाहर करना नहीं, बल्कि सही और अद्यतन सूची बनाना है।

तंजानिया में भीषण सड़क हादसा

सड़क पर बिछ गई लाशें, 38 की मौत से मच गया कोहराम

किलिमंजारो। तंजानिया के किलिमंजारो क्षेत्र के सबसाबा इलाके में हुए एक भीषण सड़क हादसे में 38 लोगों की मौत हो गई, जबकि 28 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह हादसा तब हुआ जब एक बस का टायर पंचर हो गया और वह संतुलन खो बैठी, जिससे सामने से आ रही एक मिनीबस से जोरदार टक्कर हो गई। दोनों वाहनों में आग लग गई, जिससे अंदर मौजूद यात्रियों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। राष्ट्रपति कार्यालय ने इस घटना की पुष्टि की और बताया कि 36 शवों की पहचान जलने की गंभीरता के कारण नहीं हो पाई है।

बस में सवार थे बराती-स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त बस में सवार अधिकतर यात्री एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इसी वजह से बस में सामान्य से अधिक लोग सवार थे। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और तुरंत बचाव दल को बुलाया गया। घायलों को आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जिनमें से छह की हालत नाजुक बताई जा रही है। माना जा रहा है कि ज्यादातर मृतक तंजानिया के ही नागरिक हैं।

राष्ट्रपति का संवेदना संदेश-तंजानिया की राष्ट्रपति सामिया सुलुहू हसन ने इस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया कि मैं शोक संतप्त परिवारों, रिश्तेदारों और दोस्तों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति दें और घायलों को शीघ्र स्वस्थ करें। यह पूरी तंजानियाई जनता के लिए एक त्रासदी है। उनका यह संदेश न केवल शोक संतप्त परिवारों को सहारा देता है, बल्कि सरकारी स्तर पर मानवीय पहल का भी उदाहरण है।

बांग्लादेश में हिंदू लड़की से सामूहिक दुष्कर्म के बाद भड़के लोग

हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया से वीडियो हटाने का दिया निर्देश

ढाका। बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। हाल के दिनों में कई ऐसी मीडिया रिपोर्ट्स आई हैं जिनमें हिंदुओं के साथ हुए अत्याचार की बातों को रिपोर्ट किया गया है। घरों के जलाया गया है, हत्या की गई और यहां तक कि हिंदुओं को नौकरी से निकालने के लिए जबरन उनके इस्तीफे तक लिए गए हैं। लेकिन, अब बांग्लादेश में हिंदू लड़की के साथ हैवानियत की गई है। यहां हिंदू लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया है।

हिंदू लड़की के साथ हैवानियत की यह घटना बांग्लादेश के कोमिला जिले में हुई है। हिंदू लड़की के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के बाद बांग्लादेश में लोगों का गुस्सा भड़क गया है और बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन भी हुए हैं। ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों ने इस घटना के विरोध में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया है और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ढाका विश्वविद्यालय के छात्रों ने सामूहिक दुष्कर्म की निंदा करते हुए परिसर में मार्च निकाला। अल्पसंख्यक छात्रों के लिए समर्पित जगन्नाथ हॉल छात्रावास के छात्रों ने न्याय की मांग करते हुए जुलूस निकाला।

यह घटना 26 जून को हुई थी, जब 21 वर्षीय पीड़िता के साथ कोमिला में उसके घर पर एक स्थानीय नेता ने गैंगरेप किया था। गैंगरेप के दौरान लड़की का वीडियो भी बनाया गया था। यह मामला तब सामने आया था जब महिला के साथ हुई हैवानियत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

अब तक, पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में मुख्य आरोपी फजोर अली (36) जो स्थानीय नेता है, सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। कोमिला जिले के पुलिस प्रमुख नजीर अहमद खान ने कहा कि मुख्य आरोपी को ढाका के सईदाबाद इलाके से छापेमारी कर गिरफ्तार कर लिया गया है। चार अन्य को सोशल मीडिया पर महिला की तस्वीर और पहचान उजागर करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

हाईकोर्ट ने कहा-इस पूरे मामले पर पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने दोषियों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है। इस बीच, उच्च न्यायालय ने अधिकारियों को निर्देश जारी किया है कि सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो को तुरंत हटाया जाए। दो न्यायाधीशों की पीठ ने संबंधित अधिकारियों से पीड़िता की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उसे आवश्यक उपचार प्रदान करने को भी कहा है।

ओमान जा रहे जहाज में लगी आग, इंडियन नेवी ने शुरू किया रेस्क्यू ऑपरेशन

नई दिल्ली। ओमान की खाड़ी में एक जहाज में आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए वहां एक मिशन पर मौजूद भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस तबर ने रेस्क्यू मिशन शुरू कर दिया है। आईएनएस तबर को आग लगी जहाज से एक डिस्ट्रेस कॉल मिला था, जिसके बाद आईएनएस पर मौजूद टीम हरकत में आई। जिसमें आग लगी वह जहाज पुलाउ (एक देश) का है और इसके इंजन रूम में भीषण आग लग गई थी और जहाज पर पूरी तरह से बिजली गुल हो गई। इसके बाद आईएनएस तबर की टीम - 13 भारतीय नौसैनिक और 5 चालक दल के सदस्यों - ने तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया।

मतदाता पुनरीक्षण पर तेजस्वी का तंज- कहीं न कहीं साजिश की बू आ रही है

जमुई। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता पुनरीक्षण के कार्य को लेकर तेजस्वी यादव ने सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि आयोग का क्या एजेंडा है कि चुनाव के दो महीने बचे हैं और इसकी अचानक शुरुआत की गई। बिना किसी राजनीतिक दल से विचार किए हुए इतना बड़ा फैसला लेना, इसमें कहीं न कहीं साजिश की बू आ रही है। जमुई में पत्रकारों से बातचीत में राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और भाजपा के लोग चुनाव हारने को लेकर डरे हुए हैं। अभी फरवरी में ही नई लिस्ट आई थी। 2003 में जब देशभर में नई मतदाता सूची बनी थी, तब उसे तैयार करने में पूरे दो साल लगे थे। इसके लिए ऐसा समय चुना गया है, जब बिहार के अधिकांश इलाके बाढ़ से प्रभावित होते हैं। अब अधिकारी लोगों की जान बचाएंगे या मतदाता सूची के लिए कागज मांगेंगे।

विपक्ष की वजह से हिंदी पर फैसला वापस हुआ : उद्धव

मुंबई, (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे ने सोमवार को दावा किया कि विपक्षी पार्टियों के विरोध की वजह से महाराष्ट्र सरकार ने हिंदी को अनिवार्य करने का फैसला वापस ले लिया। ठाकरे ने कहा कि सरकार फैसला वापस नहीं लेती तो भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और एनसीपी के मराठी समर्थक भी विरोध मार्च में शामिल होते। दरअसल, उद्धव और राज ठाकरे ने 5 जुलाई को मुंबई में संयुक्त विरोध रैली निकालने की बात कही थी। ठाकरे ने कहा कि मराठी एकता ने मराठी विरोधियों के सिर फोड़ दिए। वे फिर से सिर ने उठाएं इसलिए हमें एकता बनाए रखनी चाहिए। अब 5 जुलाई को विरोध मोर्चा की जगह विजय उत्सव होगा। महाराष्ट्र सरकार ने रविवार को तीन भाषा नीति से जुड़े 16 और 17 अप्रैल के आदेश रद्द कर दिए थे। 16 अप्रैल के आदेश में अंग्रेजी और मराठी मीडियम स्कूलों में पहली से पांचवी क्लास तक हिंदी को तीसरी अनिवार्य भाषा बनाया गया था। विरोध के बाद अगले ही दिन आदेश में बदलाव करके हिंदी को ऑप्शनल बनाया गया था।

एचडीएफसी बैंक लि. HDFC BANK We understand your world

स्कीम नं. 94, ब्रिलियंट एवेन्यु, बॉम्बे हॉस्पिटल के पीछे, रिंग रोड़, इन्दौर-452010

आधिपत्य सूचना

प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के परिशिष्ट IV के सपठित नियम 8(1) के अंतर्गत

जबकि, अधोहस्ताक्षरकर्ता ने एचडीएफसी बैंक लि. का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (इसके बाद इस ''अधिनियम'') और प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम 2002 (इसके बाद इस ''नियम'') का सपठित नियम 13 के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में ऋणगृहिता/जमानतदार/बंधककर्ता **मेसर्स एआरआर सीईई इंटरप्राईजेस इनके प्रोप्रायटर श्री राजेश अग्रीहोत्री, श्रीमती शालीनी अग्रीहोत्री पति राजेश अग्रीहोत्री (ऋणी/आवेदक/सह-आवेदक)** को मंगनी करते हुए मांग सूचना पत्र दिनांकित **30-11-2024** उक्त सूचना पत्र की प्राप्ति दिनांक से 60 दिनों के भीतर **डीओडी- लेप ऋण खाता क्रं. : 50200012038341 एवं रूपये 20,60,148/- (रूपये बीस लाख साठ हजार एक सौ अड़तालिस मात्र) दिनांक 30.11.2024 तक** साथ ही आगे का ब्याज एवं खर्चे सहित सूचना पत्र में उल्लेखित राशि को लौटाने के लिए निर्गमित किया।

ऋणगृहिता/जमानतदार/बंधककर्ता के यह राशि लौटाने में विफल होने पर ऋणगृहिता/जमानतदार/बंधककर्ता और सर्वसाधारण को एतद् द्वारा सूचना-पत्र दिया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त अधिनियम की धारा 13(4) सपठित उक्त नियम के नियम 8 के तहत उसको प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में एतस्मिन नीचे वर्णित सम्पत्ति का **सांकेतिक आधिपत्य** दिनांक **25 जून, 2025** को ग्रहण कर लिया है।

ऋणगृहिता/जमानतदार/बंधककर्ता को विशेषत: एवं सर्वसाधारण को सामान्यत: एतद् द्वारा सम्पत्ति के साथ व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है और सम्पत्ति के साथ कोई व्यवहार **डीओडी- लेप ऋण खाता क्रं. : 50200012038341 एवं रूपये 20,60,148/- (रूपये बीस लाख साठ हजार एक सौ अड़तालिस मात्र) दिनांक 30.11.2024 तक** एवं पुर्णभुगतान तक उस पर ब्याज एवं खर्चो सहित राशि के लिए **एचडीएफसी बैंक लि.** के प्रभार के अधीन होगा।

उधारकर्ता का ध्यान प्रतिभूति आस्तियों के मोचन के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा 8 के उपबंधो की ओर आकृष्ट किया जाता है।

ऋणीओं द्वारा प्राप्त सुविधाएं: डीओडी- लेप ऋण खाता क्रं. : 50200012038341

अचल संपत्ति का पूर्ण विवरण

संपत्ति-1: यूनिट नंबर:4 चेरीटल वार्ड, प्रथम तल, समदरिया आदर्श कॉम्प्लेक्स, जबलपुर एनबी :264, प.ह..:24/1, खसरा :108, 109, 112, 113, 110/2 समदरिया आदर्श कॉम्प्लेक्स, बल्देवबाग, जबलपुर, (म.प्र.) पिन:482002.

संपत्ति-2: यूनिट नंबर:5 चेरीटल वार्ड, प्रथम तल, समदरिया आदर्श कॉम्प्लेक्स, जबलपुर एनबी :264, प.ह. :24/1, खसरा:108, 109, 112, 113, 110/2 समदरिया आदर्श कॉम्प्लेक्स, बलदेवबाग, जबलपुर, (म.प्र.) पिन:482002.

संपत्ति-3: यूनिट नंबर:6 चेरीटल वार्ड, प्रथम तल, समदरिया आदर्श कॉम्प्लेक्स, जबलपुर एनबी :264, प.ह.:24/1, खसरा:108, 109, 112, 113, 110/2 समदरिया आदर्श कॉम्प्लेक्स, बलदेवबाग, जबलपुर, (म.प्र.) पिन: 482002.

दिनांक : **01.07.2025**
स्थान : **जबलपुर**

ह/- प्राधिकृत अधिकारी
एचडीएफसी बैंक लि.

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील अधारताल जबलपुर

रा.प्र.क्र. 0267/अ-6/2025-26
जबलपुर, दिनांक - 28/4/2025

आम इश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कदीर अहमद , कबीर अहमद , नूर मोहम्मद, मो. नासिर पिता मुवीन निवासी-पुराना पुल नोनेलाल की गली जबलपुर के द्वारा मौजा.... नं.ब.... प.ह.नं.... नजूल ब्लाक नं. 22 प्लाट नं. 138/1 खसरा नंबर... रकवा 2112 वर्गफुट भूमि पर अब्दुल लतीफ, अब्दुल रसीद उर्फ अब्दुल हमीद मो. इस्माइल वल्द रहमत उल्ला जिसे पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक... के आधार पर वर्तमान राजस्व अभिलेखों में नाम दर्ज किये जाने हेतु विक्रय पत्र/ फौती/ वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र सहित अन्य दस्तावेज संलग्न कर आवेदन प्रस्तुत किया गया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत उक्त पेशी दिनांक 13.05.25 तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात् प्रस्तुत दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

जारी दिनांक : 28/04/25
पेशी दिनांक : 13/05/25

नायब तहसीलदार, तहसील अधारताल, जबलपुर

र.नं. 937

प्रथम पृष्ठ का शेष

प्रधानमंत्रर ने जल गंगा संवर्धन.....

परियोजना एवं 3 अन्य सिंचाई परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इस दौरान प्रदेश की जीर्णोद्धार की गई 74 जल संरचनाओं का लोकार्पण भी हुआ। समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा भेजे गये संदेश का वाचन पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत में आदिकाल से जल की वंदना होती आई है और हमारी संस्कृति में नदियों, कुओं, तालाबों और बावडियों को पूजनीय मानकर उनके संरक्षण की परम्परा रही है। जल संग्रहण संरचनाओं के निर्माण में खंडवा की उपलब्धि लोगों को प्रेरित करेगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि पिछले एक दशक में विभिन्न योजनाओं और निर्णयों में जल संरक्षण से जुड़े पहलुओं को अभूतपूर्व प्राथमिकता दी गई है। नमामि गंगे मिशन हो, केन-बेतवा लिंक परियोजना हो या नर्मदा-क्षिप्रा पुनर्जीवन की पहल, हम जल संरक्षण व पर्यावरण को सुरक्षित करने के लिए कृतसंकल्पित हैं। जल संरक्षण आज हमारी सामाजिक और आर्थिक जरूरत भी है, क्योंकि जल संरक्षित रहेगा तो हमारे किसान खुशहाल रहेंगे, उद्योग चलेंगे और सभी प्राणियों का जीवन सुरक्षित रहेगा।

प्रधानमंत्री आधुनिक युग के भागीरथ = मुख्यमंत्री -मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने मध्यप्रदेश को एक नहीं, तीन राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजनाओं की सौगात दी है, जो भविष्य में देश-प्रदेश में जल संरक्षण एवं संवर्धन की नई दिशा तय करेंगी। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री मोदी को वर्तमान युग का भागीरथ बताया। उनके नेतृत्व और दृष्टि ने जल संरक्षण को राष्ट्रीय चेतना में बदल दिया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में गुड़ी पड़वा 30 मार्च से 30 जून तक सभी जिलों में जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए नवाचार किए गए। अभियान में मनरेगा योजना के अंतर्गत खेत तालाब, अमृत सरोवर और कूप रिचार्ज पिट का निर्माण एवं जल संरचाओं का जीर्णोद्धार किया गया। जल स्त्रोतों के संरक्षण में 2 लाख 39 हजार जलदूतों का सहयोग मिला, वे जल संवर्धन के संवाहक बने हैं। कुल 38 हजार नए खेत तालाब बनाए गए हैं। अकेले खंडवा जिले में 254 करोड़ की लागत से 1 लाख से अधिक कुएं रिचार्ज किए गए। इसके लिए खंडवा को देश में प्रथम स्थान मिला है। आज इंदौर संभाग स्वच्छता और जल संरक्षण में नंबर-एक है। प्रदेशभर में 70 हजार कुओं, बावड़ियों, नदियों और तालाबों का संरक्षण किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज से जल गंगा संरक्षण अभियान नए रूप में शुरू होगा। प्रदेशभर में एक पेड़ मां के नाम का शुभारंभ हुआ है। उद्यानिकी विभाग के सहयोग से 30 जून से 15 अगस्त तक शासकीय भूमि पर पौधारोपण किया जाएगा। इसके बाद 15 अगस्त से 15 सितंबर तक निजी भूमि पर पौधारोपण कार्य होगा। प्रदेशवासियों को हरियाली विकसित करने और बागवानी के लिए प्रोस्ताहित करने के लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने नई योजना तैयार की है, जिसके अंतर्गत प्रदेश की 30 हजार महिलाओं को एक एकड़ जमीन पर फलदार पेड़ लगाकर बगिया विकसित करने के लिए 3 लाख रुपए की सहायता प्रदान की जाएगी। यह राशि पौधारोपण, फेंसिंग, सिंचाई सुविधा सहित अन्य जरूरी कार्यों के लिए हर वर्ष 3 चरण में दी जाएगी। इस प्रकार आगामी 3 वर्ष में प्रदेश की 30 हजार एकड़ जमीन पर एक बगिया मां के नाम तैयार होंगी। इस अभियान में राज्य सरकार पर कुल 900 करोड़ रुपए का व्यय भार आएगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश नदियों का मायका है। यहां से लगभग 300 नदियां निकलती हैं। प्रदेश से निकली ये नदियां अन्य पड़ौसी राज्यों को भी जीवन देती हैं। नर्मदा, चंबल, सोन, ताप्ती जैसी नदियां दूसरी नदियों और समुद्र को समृद्ध करती हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नदियों के घाटों का जीर्णोद्धार किया गया। नर्मदा देश की एक मात्र नदी है, जिसकी परिक्रमा की जाती है।

कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, जनजातीय कार्य विभाग मंत्री कुंवर विजय शाह, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, प्रभारी मंत्री खण्डवा एवं संस्कृति पर्यटन धार्मिक न्यास राज्यमंत्री धर्मेन्द्र लोधी, पंचायत और ग्रामीण विकास राज्यमंत्री राधा सिंह, सांसद खंडवा ज्ञानेश्वर पटेल, बुरहानपुर विधायक अर्चना चिटनीस, संत दादा गुरु सहित क्षेत्र के नगरीय निकायों और पंचायतों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

यूनियन कार्बाइड के.....

याचिका की सुनवाई के दौरान सरकार की तरफ से पेश की गयी रिपोर्ट में बताया गया कि 27 फरवरी से 12 मार्च तक ट्रायल रन के दौरान 30 मीट्रिक टन कचरे का विनष्टीकरण किया गया था। यूसीआईएल के 337 मीट्रिक टन कचरे का विनष्टीकरण 30 जून की रात 1 बजकर 2 मिनट तक कर दिया गया था। इस दौरान मर्करी एनालाइजर की ऑनलाइन कनेक्टिविटी सीईएसएम डेटा डिस्प्ले तथा सीपीसीबी/एमपीपीसीबी सर्वर के साथ की गयी। वायु गुणवत्ता निगरानी के लिए गांव-चिराखान तथा बजरंगपुरा में डिस्प्ले बोर्ड के साथ सीएएक्यूएमएस स्थापित किया। यूसीआईएल अपशिष्ट के समान चूने मिश्रण के लिए यांत्रिक वजन व्यवस्था तथा क्रशिंग, मिक्सिंग एवं ब्लेंडिंग सुविधा स्थापित की गयी थी। डीजल तथा पानी की खपत के माप के लिए प्रवाह मीटर स्थापित किये गये थे।

यूसीआईएल से 19.157 मीट्रिक टन अतिरिक्त जहरीला कचरा एकत्र किया गया है,जिसका विनष्टीकरण 3 जुलाई 2025 तक कर दिया जायेगा। हाईकोर्ट के आदेशानुसार जहरीले कचरे को 270 किलो प्रति घंटे के हिसाब से जलाकर उसका विनष्टीकरण किया गया। हाईकोर्ट के आदेष का अनुपालन करते हुए संयंत्र स्थल से जहरीले को हटाने और संयंत्र से विषाक्त अपशिष्ट के निपटान के लिए राज्य सरकार के सर्वोच्च कार्यकारी मषीनरी के द्वारा अत्यंत ईमानदारी और समर्पण के साथ काम किया है।केंद्रीय तथा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के तकनीकी विशेषज्ञों की देखरेख में जहरीले कचरे का विनष्टीकरण किया गया है। जहरीले कचरे से 850 मीट्रिक टन राख व अवशेष एकत्रित हुआ है। एमपीपीसीबी से सीटीओ मिलने के बाद अलग लैंडफिल सेल में उसे नष्ट किया जायेगा। युगलपीठ ने लैंडफिल के लिए एक्सपर्ट की रिपोर्ट पेश करने के आदेष जारी किये है। याचिकाकर्ता की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता नमन नागरथ, खालिद फखरुद्दीन ने पैरवी की।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग सेतु निर्माण संभाग जबलपुर

साऊथ सिविल लाईन चीफ जस्टिस बंगले के पीछे जबलपुर पिन- 482001 दूरभाष क्रं./फैक्स क्रं. 0761-2678279 ई-मेल eepwdbrijbp@nic.in

निविदा सूचना क्रमांक 06/कार्य. यंत्री (सेतु विभाग)/ 2025-26 जबलपुर दिनांक 27/06/2025

निविदा लिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विवरण वेबसाईट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है-

सं क्रं.	पोर्टल टेंडर क्रं.	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्रमांक	कार्य की अनु. राशि (रु. लाख में)	ई.एम.डी. राशि एवं टेण्डर फीस तथा निविदा से संबंधित दस्तावेज जमा करने हेतु
1.	2.	3.	4.	5	6.	7.	8.
1.	2025_PWDRB_433697_1	सिवनी	पुल कार्य	सिवनी जिले के अंतर्गत पथरिया-सुरई-हिनौतया मार्ग के कि.मी. 5/2 कुरुमुंडा नाला पर उच्चस्तरीय पुल निर्माण कार्य	प्रथम	297.99	केवल ऑन लाईन

उपरोक्त वेबसाईट ऑन लाईन भुगतान करने के उपरांत निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्युमेंट) वेबसाईड के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 12/07/2025 शाम 17.30 बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाईड में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाइड पर किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग हेतु संभाग जबलपुर

जी- 14947/25

देश-प्रदेश

उवाच

अफसर दिल से लें फैसले, निभाएं संविधान की जिम्मेदारी-अर्जुन राम मेघवाल

नई दिल्ली। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने संविधान की जिम्मेदारी निभाने के लिए दिल से फैसले लेने की बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जब अफसरों को जीवन में कोई दुविधा या मुश्किल फैसला लेना हो, तो उन्हें अपने दिल की सुननी चाहिए। मेघवाल ने कहा कि अधिकारियों को केवल नियम-कानून ही नहीं, बल्कि संविधान की भावना और लोगों की भलाई को ध्यान में रखते हुए काम करना चाहिए। मेघवाल ने यह बातें दिल्ली में आयोजित एक पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कह रहे थे। यह कार्यक्रम विधि विभाग के संयुक्त सचिव और वरिष्ठ अधिकारियों के लिए आयोजित किया गया है।

अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में मध्यप्रदेश की भागीदारी और उपलब्धियां बढ़ाना राज्य सरकार का लक्ष्य : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ की बैठक को वर्चुअली किया संबोधित

खिलाड़ियों को आवश्यक प्रशिक्षण सहित सभी प्रोत्साहन उपलब्ध हैं

भोपाल, देशबन्धु। डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में मध्यप्रदेश की भागीदारी और उपलब्धियां बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य सरकार खिलाड़ियों को हरसंभव सहयोग दे रही है। वर्ष 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक सहित सभी अंतराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में मध्यप्रदेश के खिलाड़ी अधिक से अधिक संख्या में भाग लें और बड़ी संख्या में पदक लाएं, इस लक्ष्य के साथ प्रदेश में खेल गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। राज्य सरकार प्रदेश में खेल अधोसंरचना विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है, खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रशिक्षण के साथ-साथ अन्य सहायता व प्रोत्साहन उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। राज्य शासन मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ को हर संभव सहयोग उपलब्ध कराने के लिए तत्पर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ की जबलपुर में आयोजित वार्षिक बैठक को मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। बैठक में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय वर्चुअली शामिल हुए। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा तथा अपर मुख्य सचिव खेल एवं युवक कल्याण श्री मनु श्रीवास्तव इस अवसर पर उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ वर्ष 1952 से अर्थात् 73 साल से खेल के क्षेत्र में लगातार कार्यरत है। मध्यप्रदेश का 38वें राष्ट्रीय खेल उत्तराखंड में प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा और प्रदेश ने पहली बार तीसरा स्थान प्राप्त किया। मध्यप्रदेश में खेलों का इंफ्रास्ट्रक्चर तेज गति से आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश में 22 से ज्यादा हॉकी के एस्ट्रोटर्फ हैं और 15 एथलेटिक ट्रैक हैं, जो कि देश में किसी भी प्रदेश में नहीं है। मध्यप्रदेश में 18 एक्सीलेंस एकेडमी हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ओलंपिक संघ के सभी पदाधिकारियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। जबलपुर में हुई बैठक में मध्यप्रदेश ओलंपिक संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे।

पिपरिया में भीषण सड़क हादसा, पेड़ में जा घुसी एम्बुलेंस

नवजात सहित चार की मौत, दो घायल

अस्पताल से लौटते समय इतनी भीषण टक्कर हुई कि बुरी तरह पिचक गया वाहन

नर्मदापुरम। सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा हादसा नर्मदापुरम जिले के अंतर्गत आने वाले पिपरिया रोड पर सोमवार को देखने को मिला। एक जननी एक्सप्रेस भीषण सड़क हादसे का शिकार होकर रास्ते के किनारे लगे आम के पास पेड़ से टकरा दई। हादसे में नवजात समेत चार की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि, उसकी माँ और ड्राइवर की हालत नाजुक है।

अस्पताल से लौटते समय हादसा- जानकारी के अनुसार, अंजली पति अजय राजपूत निवासी सर्रा किशोर की डिलीवरी 29 जून को पिपरिया में हुई थी। उसने बेटे को जन्म दिया था। सोमवार को जननी एक्सप्रेस एंबुलेंस से वह अपने गांव लौट रही थी। गाड़ी में अंजली राजपूत, उसका नवजात बेटा और परिवार की दो महिलाएं साथ में बैठकर अस्पताल से घर लौट रही थीं। रास्ते में एंबुलेंस बेकाबू होकर आम के पेड़ से टकरा गई।

प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो टक्कर इतनी भयावह थी कि, वाहन पूरी तरह से चकनाचूर हो गया। एंबुलेंस ड्राइवर पुष्पराज पटेल और अंजली राजपूत गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें 108 एंबुलेंस से पिपरिया अस्पताल भेजा गया है। लोगों की मदद से शव और घायलों को वाहन निकला गया। हादसे के बाद राहगीरों की भीड़ लग गई, जिसके चलते मार्ग पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। फिलहाल, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

CHANGE OF NAME

I, NARENDRA KUMAR KEMIYA S/o LATE TULSIRAM KEMIYA R/o NEAR AKHADA, JOGNI NAGAR, PO- VIDDHUT NAGAR, JABALPUR (MP) AADHAR CARD No.-5562 5829 7061 do hereby solemnly affirm and state as under:
(1) I state that I am presently residing at the above mentioned address.
(2) I state that in my SON, AADHAR CARD, BIRTH CERIFICATE AND CASTE CERTIFICATE my SON name is recorded as DIVYAM KEMIYA which is true and correct but in my SON, MGM H.S. SCHOOL, HATHITAL, JABALPUR. Record my SON name is recorded DIVYAM DHANUK which is incorrect.
(3) I state that the true and correct name of my SON is DIVYAM KEMIYA and same name shall be corrected in my SON, MGM H.S. SCHOOL, HATHITAL, JABALPUR (MP) Record.
(4) I state that for the above variation name of my SON this affidavit is being furnished.
INCORRECT NAME DIVYAM DHANUK
CORRECT NAME DIVYAM KEMIYA
Birothia

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार बरगी जिला जबलपुर
रा.प्र.क्र./092/अ-6/2024-2025 जबलपुर दिनांक 26/06/25
आम इश्तहार
ग्राम सगड़ा झपनी तहसील व जिला जबलपुर की आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक अशोक पटेल/राम प्रसाद पटेल ने ग्राम सगड़ा झापनी प.ह.नं. 61 स्थित भूमि ख.नं. 224/1 रकबा 0. 6100 हे. भूमि पर स्वयं का नाम दर्ज किये जाने इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति पेशी दिनांक 2/7/25 तक इस न्यायालय में स्वंय उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।
जारी दिनांक 26/06/2025
पेशी दिनांक 02/07/2025
अतिरिक्त तहसीलदार बरगी जबलपुर
Legacy

अमरनाथ यात्रा के लिए ऑन स्पाट पंजीकरण शुरू

सुरेश एस डुग्गर

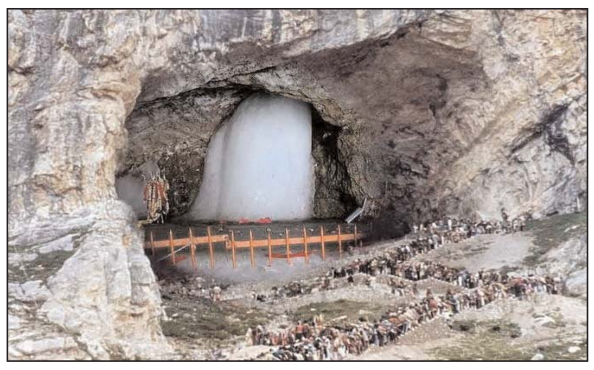

जम्मू, देशबन्धु। हालांकि पहलगाम नरसंहार के कारण इस बार की अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण में कमी को देखते हुए श्राइन बोर्ड ने यात्रा शुरू होने से तीन दिन पहले ही सोमवार से आन स्पाट पंजीकरण की शुरुआत कर दी है। जबकि यात्रा में शामिल होने के लिए आने वालों में पहलगाम नरंहार की कोई दहशत नजर नहीं आ रही थी।

ऑनलाइन पंजीकरण कई दिन पहले ही शुरू हो गया था, लेकिन जिन लोगों ने डिजिटल पंजीकरण नहीं कराया है, उनके लिए प्रशासन द्वारा स्थापित विशेष केंद्रों पर सोमवार से ऑफलाइन पंजीकरण शुरू हो गया है। इन निर्दिष्ट पंजीकरण केंद्रों पर तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ देखी गई क्योंकि श्रद्धालु पवित्र तीर्थयात्रा के लिए अपने परमिट सुरक्षित करने के लिए सुबह से ही कतार में लग गए थे। दूर-दराज के राज्यों से आए कुछ श्रद्धालुओं ने आशा और भक्ति के साथ अपनी बारी का इंतजार किया, जिससे माहौल मंत्रोच्चार और आध्यात्मिक उत्साह से भर गया। जम्मू पहुंची एक श्रद्धालु माया कौल ने भी इसी तरह की भावना व्यक्त की। वे कहती थीं हम यहां छह लोग हैं और पहलगाम से होकर जाएंगे। हमें अपनी सेना पर पूरा भरोसा है और किसी भी चीज से डरने की जरूरत नहीं है। मैं लोगों से बड़ी संख्या में अमरनाथ यात्रा पर आने का आग्रह करता हूं। जबकि 15 श्रद्धालुओं के समूह के साथ मुंबई से आए शकदीप झा ने अपनी खुशी साझा करते हुए कहा कि मैं यहां आकर बहुत खुश हूं। हम पहलगाम मार्ग से यात्रा जारी रखेंगे। जब उनसे हाल ही में हुए हमले के बाद किसी भी आशंका के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने दृढ़ता से जवाब दिया कि हमें किसी बात का डर नहीं है। हमारी सेना हमारी रक्षा के लिए मौजूद है। जब तक हमारे पास हमारी सेना है, हम बिना किसी डर के कहीं भी जा सकते हैं। लोगों को बिना किसी डर के बड़ी संख्या में यहां आना चाहिए। इसी तरह से उत्तर प्रदेश के एक अन्य तीर्थयात्री दीपक शर्मा ने बारिश के मौसम के बावजूद अपने दृढ़ संकल्प के बारे में बताया।

शिव भक्त जम्मू पहुंचना शुरू

तीर्थयात्रा तीन जुलाई से शुरू होगी। इसमें शामिल होने के लिए जम्मू से पहला जत्था दो जुलाई को यात्री निवास भगवतीनगर से रवाना होगा। विभिन्न प्रदेशों से शिव भक्त जम्मू पहुंचना शुरू हो गए हैं। तत्काल पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है पर सरस्वती धाम, वैष्णवी धाम में आम लोगों की आवाजाही बंद कर दी गई है।

38 दिनों तक जम्मू सहन करेगा रोडबंदी

जम्मू। 3 जुलाई से शुरू हो रही अमरनाथ यात्रा की सकुशलता के लिए सबसे अधिक 'कुर्बानी' जम्मू कश्मीर के लोगों को देनी होगी। खासकर जम्मू की जनता को जिसे 38 दिनों तक रोडबंदी के नाम पर कथित असुविधायों का सामना इसलिए करना होगा क्योंकि प्रशासन कोई खतरा मोल नहीं लेते हुए आधे से अधिक शहर में इतने दिनों तक रोडबंदी लागू करने जा रहा है। वैसे कई सड़क मार्गों पर इसे दो दिन पहले से ही लागू किया जा चुका है। दरअसल अमरनाथ यात्रा यात्रा को लेकर यातायात पुलिस ने जम्मू शहर के लिए एडवाइजरी जारी की है। एसएसपी फारूक केसर ने इसके बारे में विस्तार से जानकारी साझा की।

निविदा/नियुक्ति/जाहिरात

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र.11 नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्र.- सं. क्र.11/19-20/.. दि.30.06.2025
भवन नामांतरण सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती उर्मिला देवी पत्नी गेंदा लाल यादव ने वार्ड क्रमांक 79 वार्ड का नाम दादा ईश्वरदास रोहाणी वार्ड के भवन क्रमांक ..... सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000364045 पर दर्ज भूमि का निर्मित भूतल 506 व.फु. आरसीसी, 230 व.फु. कच्चा पर निम्न दस्तावेज प्रपत्र शपथ पत्र/अनु. विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम में दर्ज आनंद यादव पिता स्व. गेंदालाल यादव का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
र.नं. 971
संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.-11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्र.- सभा. अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/69 दिनांक 30.06.2025
भवन नामांतरण सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती गिरजा परेतकर पति स्व. श्री गिरीश परेतकर ने मकान नं. 187 वार्ड पं. भवानी प्रसाद तिवारी भूतल 854 व.फु. प्रथम तल 704 व.फु. शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक- 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
र.नं. 971
राजस्व निरीक्षक
संभागीय अधिकारी, संभाग क्रं.-13 मुख्यालय नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.11 नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्र.- सं.क्र.11/2025-26/
दिनांक 30/06/2025
भवन नामांतरण सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुषमा यादव पत्नी श्री कमलेश यादव ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी वीरांगना अवंती बाई वार्ड के भवन क्रमांक म.नं. 425/ए कमिश्नर कार्यालय के सामने सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000400064 जिस पर भूमि का क्षेत्रफल 979 व.फु. जिस पर निर्मित भूतल 780 व.फु. आरसीसी प्रथम तल 780 व.फु. आरसीसी 105 व.फु. कच्चा जीएफ विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती रमा पाण्डेय एवं उपमा पाण्डेय पत्नी स्व. त्रिलोचन का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
र.नं. 971
संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.-11 नगर निगम, जबलपुर

नाम एवं जन्मतिथि परिवर्तन सूचना
मैं शिवदुलारी माता आर्मी नं. 15730347A, रैंक हवलदार सुरेन्द्र कुमार, यूनिट सिगनल रिकार्ड C/o 56 APO पता- ग्राम +पोस्ट कुण्डौरा जिला हमीसुर (उ.प्र.) पिन- 210502 सूचित करती हूँ कि मेरा नाम और जन्मतिथि मेरे पुत्र के सर्विस रिकार्ड में सिया दुलारी और जन्मतिथि 01/01/1971 अंकित है जो कि गलत है। मेरा सही नाम शिव दुलारी और जन्मतिथि 03-04-1965 है, जो मेरे आधार कार्ड में अंकित है। इसे मेरे पुत्र के सर्विस रिकार्ड में सही किया जाये। कृति

नाम एवं जन्मतिथि सुधार
मैं, GANGA PRASAD F/o आर्मी नंबर-15824452P, NK HARI SHANKAR DHIWAR, वार्ड नं 14, ब्राम्हण पारा, बनारी, जांजगिर-चम्पा, बनारी, छत्तीसगढ़, पिन-495668 निवासी हूँ। मेरे पुत्र के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम GANGA PRASAD व जन्मतिथि 01.07.1966 दर्ज है, जो कि गलत है, मेरे सभी दस्तावेजों में मेरा नाम GANGA PRASAD DHIWAR व जन्मतिथि 01.01.1967 दर्ज है, जो कि सही है। अतः मेरे सही नाम व जन्मतिथि को मेरे पुत्र के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जावे। कृति
Aff. No. - 32AA 569980
पुराना नाम व जन्मतिथि GANGA PRASAD 01.07.1966
सही नाम व जन्मतिथि GANGA PRASAD DHIWAR 01.01.1967

नाम एवं जन्मतिथि सुधार
मैं, PARWATI BAI DHIWAR M/o आर्मी नंबर-15824452P, NK HARI SHANKAR DHIWAR, वार्ड नं 14, ब्राम्हण पारा, बनारी, जांजगिर-चम्पा, बनारी, छत्तीसगढ़, पिन-495668 निवासी हूँ। मेरे पुत्र के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम PARWATI व जन्मतिथि 01.12.1970 दर्ज है, जो कि गलत है, मेरे सभी दस्तावेजों में मेरा नाम PARWATI BAI DHIWAR व जन्मतिथि 01.01.1971 दर्ज है, जो कि सही है। अतः मेरे सही नाम व जन्मतिथि को मेरे पुत्र के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जावे। कृति
Aff. No. - 32AA 569981
पुराना नाम व जन्मतिथि PARWATI 01.12.1970
सही नाम व जन्मतिथि PARWATI BAI DHIWAR 01.01.1971

नाम सुधार सूचना
मैं सूबेदार सिंह राजपूत उम्र 43 वर्ष आत्मज स्व. श्री भोला सिंह पता- 6वीं बटालियन, एस.ए.एफ., थाना रांझी, जिला जबलपुर, मध्यप्रदेश वाला शपथपूर्वक निम्नलिखित कथन करता हूँ कि :-
1. यह कि मैं शपथकर्ता 6वीं बटालियन, एस.ए.एफ., थाना रांझी, जिला जबलपुर, में कार्यवाहक प्रधान आरक्षक के पद पर पदस्थ हूँ। मेरा बैच नं. 381 है।
2. यह कि मेरे सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम सूबेदार सिंह पिता का नाम स्व. भोला सिंह दर्ज है।
3. यह कि मेरे आधार कार्ड एवं पेन कार्ड, बैंक पास बुक में मेरा नाम सूबेदार सिंह राजपूत दर्ज है।
4. यह कि मैं अपने सर्विस रिकार्ड में अपना नाम सूबेदार सिंह के स्थान पर सूबेदार सिंह राजपूत पिता का नाम स्व. भोला सिंह सम्बोधित कर दर्ज कराना चाहता हूँ।
5. यह कि मध्यप्रदेश के राजपत्र में मेरा नाम सूबेदार सिंह राजपूत पिता का नाम स्व. भोला सिंह प्रकाशित करने की दया करें।
जबलपुर, दिनांक- 27/06/2025
र.नं. 965

नाम परिवर्तन हेतु आम सूचना
मैं, गुरप्रीत सिंह पिता स्व. श्री दर्शन सिंह/कमलजीत सिंह, निवासी म.नं. 307 सतनाम निवास गुप्तेश्वर जबलपुर, मेरा नाम जन्म प्रमाण पत्र एवं माध्यमिक शिक्षा मंडल म.प्र. भोपाल द्वारा जारी हाई स्कूल सर्टिफिकेट वर्ष 2003 में सही नाम गुरप्रीत सिंह पिता श्री दर्शन सिंह है किन्तु मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम जॉली चावला पिता कमलजीत सिंह चावला लिखा हुआ है जो कि गलत है। मैं घोषणा करता हूँ कि मेरा सही नाम सुधारकर आधार कार्ड में उपरोक्तानुसार गुरप्रीत सिंह आत्मज स्व. दर्शन सिंह किया जावे एवं इसी नाम से जाना पहचाना जावें।
सही नाम - गुरप्रीत सिंह पिता स्व. श्री दर्शन सिंह
गलत नाम - जॉली चावला पिता कमलजीत सिंह चावला
हस्ताक्षर
गुरप्रीत सिंह पिता स्व. दर्शन सिंह
र.नं. 976

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर
भवन/भूखण्ड हस्तांतरण हेतु सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि सुभाष नगर महाराजपुर जबलपुर स्थित भूखण्ड क्रमांक 525 श्रीमती उमा शर्मा पति स्व. श्री अमृत लाल शर्मा को आंवटित है जिसका विक्रय विलेख दिनांक 26.02.2011 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भूखण्ड श्रीमती उमा शर्मा पति स्व. श्री अमृत लाल शर्मा ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 10.08.2022 के माध्यमः से श्री नारायण प्रसाद अवस्थी पिता श्री जमुना प्रसाद अवस्थी को विक्रय किया है। श्री नारायण प्रसाद अवस्थी पित्ता श्री जमुना प्रसाद अवस्थी द्वारा उक्त भूखण्ड अपने नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर
कृति

कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर
भवन हस्तांतरण हेतु सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आनंद नगर जबलपुर में भवन क्रमांक एम.आई.जी.-26 श्री अरविन्द कुमार गुप्ता पिता श्री जी.एल. गुप्ता के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 30.03.2006 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री अरविन्द कुमार गुप्ता पिता श्री जी.एल. गुप्ता ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 31.07.2024 के माध्यम से श्री शेख जीलानी मंसूरी पिता श्री मोहम्मद जाबिर मंसूरी को विक्रय किया है। श्री शेख जीलानी मंसूरी पिता श्री मोहम्मद जाबिर मंसूरी द्वारा उक्त भवन अपने नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।
सम्पदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर
कृति

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्र./0353/अ-6/2025-26
आम इश्तहार
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री राजेन्द्र अग्रवाल पिता ग्यारसी लाल अग्रवाल निवासी- 928 हाकिम सिंह कम्पाउण्ड के बगल में बिलहरी जबलपुर द्वारा ग्राम बिलहरी प.ह.नं. 21 नं. बं. 50 ख.नं. 13/3, 54/2 रकबा 0.0200 हे. वर्गफुट/ हेक्टेयर/ भूमि रजिस्टर्ड विक्रयपत्र/ वसीयतनामा/ सहमति पत्र/ फौती के आधार पर शासकीय अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त भूमि आवेदक/ आवेदिका के नाम दर्ज किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति/ एतराज हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय के कक्ष क्र. 32 में तारीख पेशी के पूर्व पेश कर सकता है। समयावधि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय की मुहर एवं हस्ताक्षर से आज दिनांक 27/06/2025 को जारी।
जारी दिनांक 27/06/2025
पेशी दिनांक 07/07/2025
अतिरिक्त तहसीलदार रांझी जबलपुर
र.नं. 980

(फौती) न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्रं/337/अ-6/2025-2026
आम इश्तहार
आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक शांतनु श्रीवास्तव अन्य / स्व. श्री सुनील कुमार श्रीवास्तव नि.- 206 अपार्टमेंट नागरथ चौक जबलपुर ने नजूल ब्लाक नं. 03 प्लाट नं. 26/2 निर्मित रकवा/रकवा 600 व.फु./अवि. हिस्सा .... वर्गफुट/हे. विक्रय पत्र/हकत्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक 25/06/2001 मृत्यु दिनांक 24/04/2025 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र, ... खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं. 03 प्लाट नं. 26/2 निर्मित रकवा/रकवा 600, व.फु./अवि. हिस्सा .... /ग्राम सिविल स्टेशन प.ह.नं. ... खसरा नं. .... रकवा 600 व.फु./हे. श्रीमती प्रतिभा बेवा स्व. कैथ कलवर्ट सा. न्यू कालोनी नागपुर बगैरा. के नाम दर्ज है। अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 04/07/2025 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी। इश्तहार आज दिनांक 18/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक 18/06/2025
पेशी दिनांक 04/07/2025
तहसीलदार, रांझी, जबलपुर
र.नं. 974

(फौती) न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्रं/431/अ-6/2025-2026
आम इश्तहार
आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक निर्मला पुष्पा खेश / स्व. श्री फ्रांसिस खेश नि.- 202 दत्त गार्डन न्यू अर्पामेंट दत्त टाउनशिप ने नजूल ब्लाक नं. 19 प्लाट नं. 1/1 निर्मित रकवा/रकवा 352 व.फु./अवि. हिस्सा .... वर्गफुट/हे. विक्रय पत्र/हकत्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक 15/03/1994 मृत्यु दिनांक 15/05/2002 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र, ... खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं. 19 प्लाट नं. 1/1 निर्मित रकवा/रकवा 352, व.फु./अवि. हिस्सा .... /ग्राम सिविल स्टेशन प.ह.नं. ... खसरा नं. .... रकवा 352 व.फु./हे. अशोक कुमार आत्मज छिदामी लाल अरविन्द कुमार / छिदामी लाल/ शकुन्तला पत्नी विनय किशोर बगैरा. के नाम दर्ज है। अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 14/07/2025 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी। इश्तहार आज दिनांक 26/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक 26/06/2025
पेशी दिनांक 14/07/2025
तहसीलदार, रांझी, जबलपुर
र.नं. 978

कार्यालय, संभागीय अधिकारी संभाग क्रं.13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्र.- सभा. अधि./13/मुख्यालय 2025-26/एम/70 दिनांक 30.06.2025
भवन नामांतरण सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 1. श्रीमती अंजलीना पाण्डेय पति डॉ. आर सी पाण्डेय 2. सृष्टि पाण्डेय पिता डॉ. आर.सी. पाण्डेय ने मकान नं. 2777 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती भू तल 1207 व.फु. विक्रय पत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक- 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।
र.नं. 972
राजस्व निरीक्षक
संभागीय अधिकारी, संभाग क्रं.-13 मुख्यालय नगर निगम, जबलपुर

न्यायालय तहसीलदार तहसील गोरखपुर जिला जबलपुर
रा.प्र.क्रं./0874/अ-6/2024-25
जबलपुर, दिनांक ....
आम इश्तेहार
एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता ग्राम हिरदेपुर प.ह.नं. 06 तहसील गोरखपुर-1 जिला जबलपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री ललित कोष्टा एवं अन्य पिता स्व. श्री डी.पी. कोष्टा निवासी ई.डी.-24, एम.पी.ई.बी. कालोनी रामपुर जबलपुर के द्वारा ग्राम हिरदेपुर में स्थित भूमि ख.नं. 52/15 में से रकवा 1200 वर्गफुट भूमि पर विक्रय पत्र/ बंटवारा/ वसीयत/ फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किये जाने से प्रकरण विचाराधीन है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी आपत्ति लिखित में मय-दस्तावेज पेशी दिनांक 14/07/2025 तक इस न्यायालय में स्वयं उपस्थित होकर अथवा अधिवक्ता के द्वारा पेश कर सकता है। पेशी अवधि व्यतीत हो जाने पर प्राप्त आपत्तियों पर किसी भी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा। यह इश्तहार न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक - 24/06/2025
पेशी दिनांक - 14/07/2025
तहसीलदार गोरखपुर, कार्यपालिक दण्डाधिकारी जबलपुर
र.नं. 973

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्र./0177/अ-6/2025-26
आम इश्तहार
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती फातिमा रोशनआरा पिता/पति सूबेदार मोहम्मद इसाफ निवासी- बिलहरी पो. आफिस के पास मण्डला रोड जबलपुर द्वारा ग्राम बिलहरी प.ह.नं. 21 नं. बं. 50 ख.नं. 97/1/1/1/1 रकबा 465 वर्गफुट/ हेक्टेयर/ रजिस्टर्ड विक्रयपत्र/ वसीयतनामा/ सहमति पत्र/ फौती के आधार पर शासकीय अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है, जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त भूमि आवेदक/ आवेदिका के नाम दर्ज किये जाने में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति/ एतराज हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति इस न्यायालय के कक्ष क्र. 32 में तारीख पेशी के पूर्व पेश कर सकता है। समयावधि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। न्यायालय की मुहर एवं हस्ताक्षर से आज दिनांक 27/06/2025 को जारी।
जारी दिनांक 27/06/2025
पेशी दिनांक 07/07/2025
अतिरिक्त तहसीलदार रांझी जबलपुर
र.नं. 960

(फौती) न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्रं/183/अ-6/2025-2026
आम इश्तहार
आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक भौमिता चौधुरी / स्व. पी.बी. चौधुरी नि.- 2189 न्यू कंचनपुर पाल आटा चक्की के पास ने नजूल ब्लाक नं. 05 प्लाट नं. 81/4 एवं 81/5 निर्मित रकवा/रकवा 1488 व.फु./अवि. हिस्सा .... वर्गफुट/हे. विक्रय पत्र/हकत्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक 22/09/1993 मृत्यु दिनांक 11/06/2021, 28/08/2012 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र, ... खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं. 05 प्लाट नं. 81/4 एवं 81/5 निर्मित रकवा/रकवा 1488, व.फु./अवि. हिस्सा .... /ग्राम भड़पुरा प.ह.नं. ... खसरा नं. 52, नया 52/73 रकवा 1488 व.फु./हे. शंकर लाल पिता बल्कू सा. भड़पुरा के नाम दर्ज है। अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 03/07/2025 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी। इश्तहार आज दिनांक 05/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक 05/06/2025
पेशी दिनांक 03/07/2025
तहसीलदार, रांझी, जबलपुर
र.नं. 969

(वसीयत) न्यायालय तहसीलदार रांझी जबलपुर
रा.प्र.क्रं/282/अ-6/2025-2026
आम इश्तहार
आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक मोहम्मद फहद खान/ अब्दुल समद खान नि.- 1516/16 पारस स्टोन इंडस्ट्रीज के पास बराट रोड ने नजूल ब्लाक नं. 05 प्लाट नं. 27 निर्मित रकवा/रकवा 2598 व.फु./अवि. हिस्सा .... वर्गफुट/हे. विक्रय पत्र/हकत्याग/ वसीयतनामा/ दानपत्र/ वारसान हक/ दिनांक 23/11/2022 मृत्यु दिनांक 14/04/2025 को हो जाने के कारण वारसान हक/ क्रय उपरांत नाम दर्ज किये जाने का आवेदन पत्र, ... खसरा की छायाप्रति प्रस्तुत किया है। प्रकरण में आवेदक द्वारा संलग्न नजूल संधारण खसरा/पटवारी/ डायवर्सन खसरा अनुसार नजूल ब्लाक नं. 05 प्लाट नं. 27 निर्मित रकवा/रकवा 2598 व.फु./अवि. हिस्सा .... /ग्राम सिविल स्टेशन प.ह.नं. ... खसरा नं. .... रकवा 2598 व.फु./हे. श्रीमती अनीस केसर पिता मुहीउद्दीन मरहूम नि. जहागीराबाद के नाम दर्ज है। अतः किसी व्यक्ति विशेष या संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 07/07/2025 को इस न्यायालय तहसील रांझी जबलपुर में प्रस्तुत कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त आपत्तिकर्ता की आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं की जावेगी। इश्तहार आज दिनांक 02/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
जारी दिनांक 02/06/2025
पेशी दिनांक 07/07/2025
तहसीलदार, रांझी, जबलपुर
र.नं. 975

न्यायालय तहसीलदार तहसील आधारताल, जबलपुर
रा.प्र.क्र./0296/अ-6/2025-2026
जबलपुर, दिनांक 26/06/2025
आम इश्तहार
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक अजय कुमार अभय कुमार नेमा पिता श्री त्रिलोक चंद नेमा निवासी 740 श्री सुदामा नगर मदन महल गढ़ा जबलपुर के द्वारा मौजा चावनपुर नजूल ब्लाक नंबर.... प्लाट नंबर .... स्थित खसरा नंबर 54, 55, 68, 74 ए, 80/2, 87, 88/1 ख, 89/21 में से रकवा 1500 व.फु. भूमि पर सुनील कुमार भंडारी पिता अशोक भंडारी की 81 (एस) प्लाट नं. 8 वर्तमान राजस्व अभिलेखों में नाम दर्ज किये जाने हेतु विक्रय पत्र/ फौती/ वसीयतनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र सहित अन्य दस्तावेज संलग्न कर आवेदन प्रस्तुत किया गया है। तत्संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो तो नियत पेशी दिनांक 09/07/2025 तक इस न्यायालय में स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि व्यतीत हो जाने के पश्चात प्रस्तुत दावा/ आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा। आज न्यायालय की मुद्रा व मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।
जारी दिनांक-26/06/2025
पेशी दिनांक-09/07/2025
तहसीलदार अधारताल जबलपुर
र.नं. 977

नाम परिवर्तन हेतु आम सूचना
यह सर्वसाधारण एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम विवाह पूर्व सुधा एस पोहनकर पिता श्री सदाशिवराव पोहनकर जो कि मेरे समस्त शैक्षणिक अंकसूची एवं समस्त दस्तावेजों में दर्ज है मेरा विवाह श्रीकृष्ण क्षीरसागर से हो गया है अतः विवाहं पश्चात् मेरा नाम संशोधित होकर श्रीमति अनुराधा क्षीरसागर पति श्रीकृष्ण क्षीरसागर हो गया है।
अतः मुझे आज दिनांक से सुधा क्षीरसागर पति श्रीकृष्ण क्षीरसागर के नाम से जाना एवं पहचाना जाये एवं मेरे समस्त शासकीय एवं अर्धशासकीय आधार कार्ड, समग्र आईडी एवं अन्य दस्तावेजों में सुधा क्षीरसागर पति श्रीकृष्ण क्षीरसागर दर्ज कर लिखा पढ़ा जावें।
जबलपुर
दिनांक 27/06/2025
आर.बी. बर्मन (राजू बर्मन) अधिवक्ता
म.प्र. उच्च न्यायालय जबलपुर शॉप नं. 3, हाथीताल रेलवे क्रासिंग, गोरखपुर जबलपुर मो.-9301193004
र.नं. 979

नाम सुधार
मैं चरण लाल यादव पिता श्री हल्केराम यादव उम्र 47 वर्ष निवासी सकरी छतरपुर तह.पनागर सत्य कथन कहता हूँ कि मेरी पुत्री निर्जला यादव NIRJALA YADAV का जन्म शासकीय चिकित्सालय पनागर में हुआ था जिसका सर्टिफिकेट है जन्म प्रमाण पत्र नही बना एवं पिता के नाम में भूलवश रामचरण यादव लिख गया है दोनो नाम एक ही व्यक्ति के हैं जिसमें सुधार कर पिता के नाम में चरण लाल यादव CHARAN LAL YADAV एवं माता के नाम में सुषमा बाई SUSHMA BAI किया जावे उपरोक्त सुधार कर बारकोड वाला जन्म प्रमाण पत्र प्रदान किया जावे कोई जानकारी असत्य या त्रुटि होने पर स्वतः जिम्मेदार रहूंगा। चरणलाल यादव ग्राम सकरी छतरपुर थाना पनागर जि.जबलपुर (म.प्र.)
कृति

जबलपुर, मंगलवार 1 जुलाई 2025
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

क्या ये हेटस्पीच नहीं है

रविवार को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में वक्फ संशोधन कानून के खिलाफ एक रैली आयोजित की गई। इमारत-ए-शरिया फुलवारी शरीफ की ओर से आयोजित इस रैली में आरजेडी, कांग्रेस और जेडीयू समेत सभी दलों के बड़े नेताओं को बुलाया गया था। इस रैली में इंडिया गठबंधन के दल शरीक हुए। जिसमें बिहार में नेता प्रतिपक्ष राजद नेता तेजस्वी यादव के भाषण की खूब चर्चा हो रही है। तेजस्वी यादव ने कहा कि पूरब से पश्चिम, उत्तर से दक्षिण हिंदुस्तान की सरजमीं का हर एक-एक इंच, हर पन्ना चीख-चीखकर इस बात की गवाही देता है कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में चाहे हिंदू हो या मुसलमान, सिख हो या ईसाई सब लोगों ने इस देश की आजादी के लिए कुर्बानी देने का काम किया है। ये देश किसी के बाप का देश नहीं है। ये हम सब का देश है।

वक्फ संशोधन कानून लाकर किस तरह मस्जिदों, मदरसों, कब्रगाहों की जमीन को छीनने की योजना बनाई जा रही है, इसका खुलासा तेजस्वी ने किया और इसमें जमीन के बाद वोट छीनने की चालाकी के बारे में भी जनता को आगाह किया। दरअसल चुनाव आयोग की तरफ से मतदाता सूची पुनरीक्षण का जो फैसला लिया गया है, उसमें यह आशंका बढ़ रही है कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे जाएंगे। अगर चुनाव आयोग यह कदम पहले उठाता, तब बात दूसरी होती, लेकिन चुनाव से चंद महीने पहले ही उसे मतदाताओं की जांच की जरूरत क्यों पड़ी, पिछले साल चुनाव से पहले इस बारे में ध्यान क्यों नहीं दिया गया, ये सारे सवाल अब उठ रहे हैं। अवैध मतदाता, बांग्लादेशी घुसपैठिए इन शब्दों की आड़ में कहीं गरीबों, पिछड़ों के वोट का अधिकार तो नहीं छीना जा रहा है, यह सवाल भी उठ रहा है, क्योंकि अपने साथ-साथ अपने माता-पिता का जन्म प्रमाणपत्र या अन्य पहचान वाले दस्तावेज जुटाना साधारण, गरीब आदमी के लिए आसान नहीं होगा। फिर चुनाव आयोग क्यों इस मुश्किल को खड़ा कर रहा है, यह विपक्ष की बड़ी आपत्ति है। जब गांधी मैदान में वक्फ संशोधन कानून के विरोध के लिए लोग जुटे तो तेजस्वी यादव ने इस बारे में भी कहा कि आपकी जमीन को छीना जा रहा है। अब भाजपा सत्ता से जाने वाली है तो हम सब के गरीब, पिछड़ा, अति पिछड़ा और दलित सब लोगों के वोट के अधिकार को छीना जा रहा है। मतदाता सूची में संशोधन के नाम पर आपके वोट के अधिकार को छीनने का प्रयास किया जा रहा है। ये बहुत बड़ी साजिश है। इसलिए आप लोग सचेत रहियेगा और ऐसा होने मत दीजिएगा।

भाजपा को उम्मीद नहीं होगी कि इस मंच का इस्तेमाल अब उसके बाकी फैसलों के विरोध के लिए भी हो सकता है। हालांकि अब तो भाजपा का जो नुकसान होना है, वो हो चुका है। अब इसकी भरपाई के लिए भाजपा ने कोशिशें शुरु कर दी हैं और इस चक्कर में फिर एक गलती कर दी है। दरअसल रविवार को तेजस्वी यादव ने बड़ा ऐलान दावा किया था कि अगर उनकी सरकार बनी तो वे इस बिल को प्रदेश में लागू नहीं होने देंगे और कूड़ेदान में फेंक देंगे। इस बात को भाजपा संविधान और संसद का अपमान बता रही है। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि 'अभी हाल ही में हमने भारत के लोकतांत्रिक इतिहास के सबसे दुर्दांत काले अध्याय आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण किए, लेकिन बड़े दुख की बात है कि पटना के उसी गांधी मैदान में जहां आपातकाल के दौरान संविधान की रक्षा और संविधान के सम्मान के लिए जान की परवाह किए बिना लाखों लोग एकत्र हुए थे, वहां एक ऐसी रैली हुई, जिसमें इंडिया गठबंधन के सहयोगी बिहार के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि संसद के कानून को (वक्फ बोर्ड कानून) कूड़ेदान में फेंक देंगे, जबकि यह कानून (वक्फ बोर्ड कानून) दोनों सदनों से पारित है और कोर्ट में विचाराधीन है। इसका अर्थ ये हुआ कि न संसद का सम्मान न न्यायपालिका का सम्मान।' श्री त्रिवेदी यहीं नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा कि वक्फ समाजवाद के विचार के खिलाफ है। उनका विचार संविधान को नीचा दिखाना, उसे तोड़ना है। वे गरीब मुसलमानों के साथ नहीं बल्कि उन चंद लोगों के साथ खड़े हैं जो सारी संपत्तियों पर कब्जा करना चाहते हैं। यह समाजवाद नहीं बल्कि नमाजवाद है।'

चूंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अक्सर ऐसे गंभीर विषयों पर चुप लगा जाते हैं, या फिर देर से बोलते हैं और अगर बोलते हैं तो उनमें ठोस तर्कों की जगह खोखली बातें ज्यादा होती हैं, इसलिए फिलहाल सुधांशु त्रिवेदी के वक्तव्य को ही पार्टी का आधिकारिक स्टैंड कहा जाएगा। वक्फ संशोधन कानून का विरोध भाजपा की निगाह में अगर संविधान, संसद, न्यायपालिका सबका अपमान है, तो फिर तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने का जो फैसला नरेन्द्र मोदी ने लिया था, क्या उसे भी भाजपा संसद का अपमान ही कहेगी, क्योंकि कृषि विधेयक भी संसद के दोनों सदनों से पारित होकर ही कानून बने थे। लेकिन किसानों के एक साल से ज्यादा वक्त तक चले आंदोलन के बाद खुद प्रधानमंत्री मोदी ने इन्हें वापस लेने का ऐलान किया था और कहा था कि मेरी ही तपस्या में कोई कमी रही होगी। जब कृषि कानून निरस्त हो सकते हैं, तो वक्फ संशोधन कानून भी वापस लिया जा सकता है। दूसरी बात जिस तरह समाजवाद और नमाजवाद की तुक सुधांशु त्रिवेदी ने मिलाई है, क्या उसे नफरती भाषण की तरह नहीं समझा जाना चाहिए, यह बड़ा सवाल है।

लोकतंत्र में न समाजवाद पर किसी को आपत्ति करने का हक है, न किसी के नमाज पढ़ने, पूजा करने, या अपनी मर्जी के धार्मिक स्थल जाने या न जाने पर कोई सवाल उठा सकता है। लेकिन भाजपा ने जिस तरह समाजवाद नहीं बल्कि नमाजवाद है, कहा है, उसमें नमाज पढ़ने को गलत, गैरकानूनी, अनैतिक बताने की परोक्ष कोशिश भाजपा की तरफ से दिखाई दे रही है। नमाजवाद वैसे तो कोई शब्द है नहीं, न ही हो सकता है। जब हम प्रार्थनावाद, पूजावाद, हवनवाद, जपवाद नहीं कहते हैं, तो फिर नमाजवाद कैसे कह सकते हैं। लेकिन भाजपा प्रवक्ता ने इस अनर्गल शब्द के जरिए एक प्रार्थना पद्धति को अपमानित किया है, जो सरासर गलत है और इस पर पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को अपना पक्ष रखना चाहिए कि क्या वह भी इससे सहमत हैं।

इंडिया गठबंधन की बढ़ती ताकत से हड़बड़ाई भाजपा अपना पक्ष मजबूत करने की जगह ऐसे बयानों से और कमजोर होगी, यह बात पार्टी नेतृत्व को समझना चाहिए।

मतदाता सूची पुनरीक्षण या मताधिकार पर हमला

यह अगर संयोग ही है तब भी बहुत कुछ बताने वाला संयोग है। 25 जून को, जिस दिन बड़े जोर-शोर से 'संविधान हत्या दिवस' के नाम से मौजूदा शासन द्वारा इंदिरा गांधी की इमरजेंसी की पचासवीं बरसी मनायी जा रही थी, ठीक उसी रोज बिहार में, जहां अब से कुछ ही महीने में विधानसभा के चुनाव होने हैं, मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण या स्पेशल इंटेंसिव रिव्यू (एसआईआर) की प्रक्रिया शुरू हो रही थी। इस तरह, जिस तारीख से संविधान तथा जनतंत्र के लिए खतरनाक निहितार्थों के साथ इमरजेंसी निजाम की शुरूआत हुई थी, ठीक उसी तारीख से मतदाता सूचियों में भारी काट-छांट की यह प्रक्रिया शुरू की जा रही है, जिसके जनतंत्र की बुनियाद, सार्वभौम वयस्क मताधिकार के लिए ही खतरनाक नतीजे होने जा रहे हैं।

बेशक, इस प्रक्रिया की शुरूआत फिलहाल बिहार से हो रही है। और बिहार के सिलसिले में इस प्रक्रिया के संभावित दुष्परिणामों को रेखांकित करने के अलावा, करीब-करीब सभी जानकार और टिप्पणीकार एक और समस्या की ओर ध्यान खींच रहे हैं। प्राय: सभी जानकार इस पर एकमत हैं कि बिहार के चुनाव से पहले इस प्रक्रिया का पूरा होना, इसके लिए तय की गयी समय सूची का पालन हो पाना, लगभग 'असंभव' है। समय सूची के अनुसार, 24 जून को भारत के चुनाव आयोग द्वारा उक्त विशेष गहन पुनरीक्षण का नोटिस जारी किए जाने के बाद, महीने भर के अंदर सभी 8 करोड़ से अधिक मतदाताओं के हस्ताक्षरित फार्म बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के माध्यम से / आयोग की वैबसाइट के जरिए आयोग के पास पहुंच जाने चाहिए, ताकि संशोधित मतदाता सूची में इन नामों को शामिल किए जाने पर विचार किया जा सके। याद रहे कि बचे हुए एक महीने से कम समय में जिन मतदाताओं के हस्ताक्षरयुक्त तथा आवश्यक प्रमाणपत्रों से युक्त फार्म आयोग के पास पहुंच जाएंगे, उनके और सिर्फ उन्हीं के नाम संशोधित मतदाता सूची में शामिल होने के विचारार्थ स्वीकार किए जाएंगे। जो ये फार्म नहीं भर पाएंगे या जिनके मुकम्मल फार्म तय अंतिम तारीख तक आयोग के पास नहीं पहुंच पाएंगे, वे खुद ब खुद प्रस्तावित मतदाता सूचियों से बाहर हो जाएंगे। बेशक, अब तक के मतदाता सूचियों में शामिल मतदाताओं को, उनके मतदाता सूचियों में जुड़ने की तारीख के हिसाब से तीन अलग-अलग श्रेणियों में बांटा गया और इनमें से हरेक श्रेणी में आने वाले मतदाताओं से अलग-अलग हद तक दस्तावेजों की मांग की गयी है, लेकिन अपने जन्मस्थान व जन्म तिथि के प्रमाण के साथ अर्जी देने की शर्त सभी 8 करोड़ से अधिक मतदाताओं के लिए है। एक महीने से कम समय में यह प्रक्रिया पूरी होना असंभव है।

बिहार के ही संदर्भ में विपक्षी पार्टियों द्वारा भी और अनेक स्वतंत्र प्रेक्षकों द्वारा भी यह याद दिलाया गया है कि बिहार में ही मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण 2003 में किया गया था। लेकिन, उस समय इस प्रक्रिया के पूरा होने में दो साल लगे थे। जाहिर है कि पुनरीक्षण के नाम में, गहन से पहले, विशेष का विशेषण और जोड़ने से ही, इसमें लगने वाला समय, बहुत कम नहीं हो जाएगा। फिर भी मुद्दा सिर्फ इस पूरी प्रक्रिया के लिए उपलब्ध समय का ही नहीं है, हालांकि बिहार के संदर्भ में इस जल्दबाजी का भी विशेष अर्थ भी है और महत्व भी। इसी दौरान चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण का यह प्रोजेक्ट पूरे देश के पैमाने पर लागू किया जाएगा— पहले बिहार में, फिर उन राज्यों में जहां अगले चक्र में विधानसभाई चुनाव होने हैं और फिर बाकी सभी राज्यों में भी। इस संदर्भ में समय-सारणी की अनुपयुक्तता से भी ज्यादा महत्वपूर्ण इस प्रक्रिया के लिए अपनायी जाने वाली पद्धति से जुड़े अन्य मुद्दे हो जाते हैं। अंग्रेजी

राजेंद्र शर्मा

> बिहार के ही संदर्भ में विपक्षी पार्टियों द्वारा भी और अनेक स्वतंत्र प्रेक्षकों द्वारा भी यह याद दिलाया गया है कि बिहार में ही मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण 2003 में किया गया था। लेकिन, उस समय इस प्रक्रिया के पूरा होने में दो साल लगे थे। जाहिर है कि पुनरीक्षण के नाम में, गहन से पहले, विशेष का विशेषण और जोड़ने से ही, इसमें लगने वाला समय, बहुत कम नहीं हो जाएगा।

की यह कहावत इस पर एकदम फिट बैठती है कि-डेविल इज़ इन डिटेल यानी राक्षस तो ब्यौरे में है!

बहरहाल, प्रक्रिया के इन ब्यौरों में जाने से पहले, एक नजर यह निर्णय जिस तरह लिया गया है, उसके अलोकतांत्रिक मनमानेपन पर डालना भी अनुपयुक्त नहीं होगा। हैरानी की बात नहीं है कि बिहार में ही नहीं बल्कि देश भर में लगभग समूचे विपक्ष ने चुनाव आयोग द्वारा बम की तरह अचानक अपने सिर पर इस फैसले के फोड़ दिए जाने की भी तीखी आलोचना की है। नये मुख्य चुनाव आयुक्त के आने के बाद, राजनीतिक पार्टियों के साथ परामर्श में भी और आम तौर पर भी चुनाव आयोग ने आने वाले समय के लिए अपनी जो डेढ़ दर्जन प्राथमिकताएं बतायी थीं, उनमें इसका कोई जिक्र नहीं था। यहां तक कि बिहार में राजनीतिक पार्टियों के साथ चुनाव की तारीखों की घोषणा की ऐन पूर्व-संध्या में बुलायी गयी आखिरी बैठक में भी इसका कोई जिक्र नहीं था। जैसे चुनाव आयोग को एक दिन अचानक मतदाता सूचियों में ऐसा पुनरीक्षण कराने की जरूरत का इलहाम हुआ और उसने राजनीतिक पार्टियों से, जो चुनाव में मुख्य खिलाड़ी होती हैं, किसी भी चर्चा के बिना ही यह फैसला थोप दिया। लेकिन क्यों?

जाहिर है कि चुनाव आयोग ने इसके पक्ष में मतदाता सूचियों को स्वच्छ बनाने की दलील दी है। नये नाम जुड़ने तथा मृतकों के नाम कटने की कमजोरियों से लेकर, पलायन से लेकर अवैध घुसपैठ तक की दलीलें दी हैं। लेकिन, ये दलीलें बहानेबाजी ही ज्यादा लगती हैं। इस बहानेबाजी में जो सांप्रदायिक इशारे झांक रहे हैं, वे भी किसी से छुपे नहीं रहेंगे। सच्चाई यह है कि बिहार से अब जो प्रक्रिया शुरू हो रही है, एक प्रकार से समूची मतदाता सूची ही नये सिरे से बनाए जाने की प्रक्रिया है। क्या 2024 के आम चुनाव जिस मतदाता सूची के आधार पर हुए थे, उसे पूरी तरह से खारिज करने के जरिए चुनाव आयोग आम चुनाव की वैधता को ही खारिज नहीं कर रहा है। यह सिर्फ बिहार में चुनाव के लिए ही नहीं है, पूरे देश में आम चुनाव के लिए ही है, क्योंकि यह नुस्खा पूरे देश के लिए ही पेश किया जा रहा है। यह दिलचस्प है कि चुनाव आयोग ने चंद महीने पहले ही देश भर में मतदाता सूचियों के समरी रिवीजन की प्रक्रिया पूरी की थी। उसके बाद अचानक मतदाता सूची ही नये सिरे से बनाए जाने का निर्णय लिए जाने की क्या तुक है?

अब हम ब्यौरों पर आते हैं। इसके लिए अपनायी जाने वाली पद्धति या प्रक्रिया के ब्यौरों का पहला पक्ष, उसके मूल सिद्धांत का है। अब तक भारत में मतदान सूची में लोगों को भर्ती करना राज्य या शासन की जिम्मेदारी रही है। मताधिकार की आयु पूरी होते ही, हरेक व्यक्ति मत का अधिकारी हो जाता है और उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज करना चुनाव आयोग अपनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मानता आया है। नयी प्रक्रिया में, जिसमें मतदाता सूची में नाम लिखवाने के लिए मतदाता को अपने हस्ताक्षरों के साथ और विभिन्न प्रमाणों के साथ अर्जी देनी है, यह जिम्मेदारी सीधे-सीधे मतदाता पर डाल दी गयी है। अब जो इस प्रक्रिया को पूरा नहीं कर पाएगा, स्वाभाविक रूप से मतदाता सूची में नहीं आएगा। उसका छूट जाना, चुनाव आयोग या शासन की सिरदर्दी नहीं है। यह जनतंत्र की अभिव्यक्ति के रूप में चुनाव की व्यवस्था की ही जड़ पर कुठाराघात है।

ब्यौरों का दूसरा पहलू, अपनायी जाने वाली प्रक्रिया से है। प्रक्रिया यह तय की गयी है कि जुलाई 1987 से पहले से जो मतदाता हैं यानी जिनकी आयु 48 वर्ष या उससे अधिक है, उन्हें अपने जन्म स्थान/तिथि का ही प्रमाण देना होगा और मतदाता सूची में अपने नाम की यथावत मौजूदगी का प्रमाण। लेकिन, जो जुलाई 1987 से लेकर 2 दिसंबर 2004 तक मतदाता बने हैं, उन्हें उक्त प्रमाणों के साथ अपने माता-पिता में से किसी एक का जन्म स्थान/ तिथि प्रमाणपत्र भी देना होगा। और 2 दिसंबर 2004 के बाद जो मतदाता बने हैं, यानी जिनकी आयु 18 से 21 वर्ष है, उन्हें माता-पिता, दोनों का जन्म स्थान/तिथि प्रमाणपत्र देना होगा। माता/ पिता के जन्म स्थान के सत्यापन का मतदाता के रूप में रजिस्ट्रेशन के लिए अनिवार्य किया जाना, इस पूरी प्रक्रिया को डरावने तरीके से नेशनल रजिस्टर ऑफ सिटीजन्स या एनआरसी तैयार करने की विवादास्पद प्रक्रिया की प्रतिलिपि बना देता है। क्या मोदी सरकार खुद एनआरसी में विफल होने के बाद, अब चुनाव आयोग की आड़ में ही यह मकसद पूरा करने की कोशिश नहीं कर रही है, जिसका मकसद गरीब अल्पसंख्यकों की नागरिकता पर संदेह खड़े करना भी लगता है।

लगभग सभी विपक्षी राजनीतिक पार्टियों ने और स्वतंत्र टिप्पणीकारों ने उचित ही यह सवाल उठाया है कि इस तरह के प्रमाण, कम से कम बिहार जैसे पिछड़े राज्य में, कितने लोग दे सकते हैं? और इससे भी महत्वपूर्ण यह कि क्या इन शर्तों के जरिए एक तरह मतदाताओं की छंटनी ही नहीं हो रही होगी, जिसमें गरीब, अशिक्षित और सामाजिक रूप से दबे हुए लोग, खुद ब खुद मताधिकार से वंचित हो जाएंगे। बेशक, चुनाव आयोग ने प्रमाणों के मामले में कुछ विकल्प भी दिए हैं। लेकिन, सभी जानकार इस पर एकमत हैं कि ये वैकल्पिक प्रमाण भी, इस सच्चाई को भेद नहीं सकते हैं कि गरीबों, अशिक्षितों और सामाजिक रूप से दबे हुए तबकों का बड़ा हिस्सा, इस छन्नी से छानकर बाहर कर दिया जाएगा। दूसरी ओर उसी प्रकार संपन्न, शिक्षित, सवर्णों का बड़ा हिस्सा, इस छन्नी से छनकर मतदाता सूचियों में पहुंच जाएगा।

दुर्भाग्य से ऐसा होना चुनाव आयोग के अलोकतांत्रिक मनमाने फैसले का अनचाहा दुष्परिणाम नहीं लगता है। इसके विपरीत, ऐसा लगता है कि इसी वांछित दुष्परिणाम के लिए चुनाव आयोग ने अचानक और किसी गुप्त प्रेरणा से यह कदम उठाया है। बेशक, बिहार के संदर्भ में यह और भी प्रखर रूप से देखा जा सकता है, लेकिन वास्तव में यह कमोबेश देश के पैमाने पर सच है कि गरीब, अशिक्षित, सामाजिक रूप से दबे हुए तबकों का ज्यादा झुकाव, बिहार में महागठबंधन और देश के पैमाने पर इंडिया गठबंधन के साथ खड़ी पार्टियों के पक्ष में है और इसी प्रकार संपन्न, शिक्षित, सवर्ण तबकों का उतना ही ज्यादा झुकाव मौजूदा सत्ताधारियों के पक्ष में है। यही तात्कालिक चुनावी राजनीतिक सैटिंग चुनाव आयोग के जरिए, वर्तमान सत्ता द्वारा खेले जा रहे लाखों गरीबों को मताधिकार से ही वंचित करने के इस जनतंत्रविरोधी खेल के पीछे है। जनतंत्र की हिफाजत करने के लिए इस षड्यंत्र को विफल करना ही होगा।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

आपातकाल और शरद यादव!

ये संयोग ही है कि आपातकाल के साक्षी रहे शरद यादव की इस वर्ष की जन्म वर्षगांठ उस समय है जब देश में केंद्र और कई राज्य सरकारें आपातकाल के पचास वर्ष पूरे होने पर चर्चा जोरों-शोरों से कर रही हैं। विगत दिनों, केंद्र सरकार के साथ-साथ 'डबल इंजन' की सरकारों ने इमरजेंसी लगने वाले दिनों को 'काला अध्याय', 'काला दिवस', तथा 'संविधान हत्या दिवस' के रूप में याद किया और मनाया गया।

तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की सरकार द्वारा 25 जून 1975 को घोषित आपातकाल के दौरान, समाजवादी नेता और 'मंडल मसीहा' शरद यादव मीसा कानून (मेंटेनेंस ऑफ इंटरनल सिक्योरिटी एक्ट, 1971) के तहत विभिन्न जेलों में रहे। मीसा से पहले भी छात्र आंदोलन के चलते जेल जा चुके थे। आपातकाल लगने से पूर्व, फरवरी 1974, में ही शरद यादव जबलपुर लोकसभा क्षेत्र के उपचुनाव में सबसे युवा सांसद बने थे।

रामबहोर साहू

> शरद यादव साझी विरासत के पक्षधर थे। 'साझी विरासत बची रहेगी तो देश बचा रहेगा', जाति नहीं बल्कि जमात जोड़ो, सामाजिक न्याय, विषमता, जाति जनगणना, के प्रबल हिमायती रहे और आम लोगों से मिलने -जुलने, संवाद करने आदि के लिए हमेशा उपलब्ध रहते थे। जिसका अब अभाव हो गया है।

मंडल मसीहा समाजवादी नेता शरद यादव का जन्म 1 जुलाई 1947 को हुआ। मूलत: होशंगाबाद जिले के गांव आंखमऊ से आने वाले शरद यादव ने जबलपुर के रॉबर्टसन कॉलेज (अब शासकीय विज्ञान महाविद्यालय और महाकौशल कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय) से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की उपाधि प्राप्त की, वह भी गोल्ड मेडल सहित।

जबलपुर में छात्र आंदोलन से राष्ट्रीय राजनीति के पटल में उभरे शरद यादव ने अपने राजनीतिक जीवन में गरीबी, बेरोजगारी, अत्याचार व भ्रष्टाचार के विरुद्ध लगातार आवाज उठाई। जबलपुर विश्वविद्यालय के निर्वाचन में धांधली के खिलाफ धरना-प्रदर्शन कर उन्होंने उस मुद्दे को जोर शोर से उठाया। स्वयं छात्र संघ चुनाव लड़े और छात्रसंघ 'विश्वविद्यालय' चुनाव में विजयी होकर छात्र नेता से 'शरद भाई' की संज्ञा पाने वाले शरद यादव का आपातकाल के दौरान और बाद में अपनी राजनीति से देशभर में यही नाम कायम रहा।

इंदिरा गांधी सरकार की नीतियों के विरुद्ध देशव्यापी जन आंदोलन की अगुआई जयप्रकाश नारायण कर रहे थे, तब 1974 के जबलपुर लोक सभा के उपचुनाव में संयुक्त जनता पक्ष ने शरद यादव को अपना उम्मीदवार बनाया। चुनाव चिन्ह मिला 'हलधर किसान'। उनके चुनाव प्रचार सभाओं में स्वयं जयप्रकाश भी पहुंचे। कांग्रेस के धनाढ्य प्रत्याशी सेठ गोविंददासजी को पराजित कर शरद यादव ने महज 27 वर्ष की उम्र में सांसद बनने का गौरव अर्जित किया। शरद यादव जबलपुर से दो बार लोक सभा के लिए निर्वाचित हुए - 1974 और 1977 में। जब साल 1977 में जनता पार्टी के गठन पर इसी 'हलधर किसान' चिन्ह के साथ जनता पार्टी को मिला, लोकसभा चुनाव जीता और केंद्र में सरकार बनाई। हालांकि जनता पार्टी की सरकार पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा नहीं कर सकी। फिर भी उस अल्प अवधि में जनता पार्टी ने दो प्रधानमंत्री देश को दिए—मोरारजी भाई देसाई व चौधरी चरण सिंह।

1980 में जनता पार्टी का विघटन हुआ। संपूर्ण क्रांति के सूत्रधार लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी ने एकता के इस आंदोलन में अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी समेत कई नेताओं को संगठित किया था। लेकिन मतभेदों के चलते विघटन भी उसी तरीके से हुआ जैसा कि गठन हुआ था।

एक अंतराल के बाद, बोफोर्स तोप का मामला पुन: से विपक्षी दलों को एकजुट करने का माध्यम बना। तत्कालीन वित्त व रक्षा मंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में जनता दल का गठन हुआ, और जनता दल (राष्ट्रीय मोर्चा) सरकार के वे प्रधानमंत्री बने; हालांकि यह सरकार भी केवल ग्यारह माह ही रही। तत्पश्चात, चंद्रशेखर ने कांग्रेस नेता राजीव गांधी की रणनीति के चलते 'समर्थन' से छह माह के लिए प्रधानमंत्री पद संभाला।

शरद यादव लोकसभा के 5वें, 6वें, 10वें, 11वें, 13वें एवं 15वें सत्रों के लिए तीन राज्यों से चुने गए तथा उच्च सदन राज्यसभा के तीन सत्रों के लिए निर्वाचित होकर दोनों सदनों में सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों को बखूबी से उठाया। उनके व्यंग्यात्मक शिल्प ने सदन में बहसों को जीवंत बनाया। अपनी लम्बी और यादगार राजनीतिक पारी में वे मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार से दोनों सदनों के लिए चुने जाते रहे। अंत: बिहार को राजनीतिक कर्मभूमि बनाया।

शरद यादव साझी विरासत के पक्षधर थे। 'साझी विरासत बची रहेगी तो देश बचा रहेगा', जाति नहीं बल्कि जमात जोड़ो, सामाजिक न्याय, विषमता, जाति जनगणना, के प्रबल हिमायती रहे और आम लोगों से मिलने -जुलने, संवाद करने आदि के लिए हमेशा उपलब्ध रहते थे। जिसका अब अभाव हो गया है।

मंडल मसीहा और प्रखर समाजवाद के समर्थक शरद यादव को उनकी की 78वीं जयंती पर कोटि-कोटि नमन।

(लेखक विचार मंच से जुड़े हैं।)

आपके पत्र

प्रकृति का रौद्र रूप कहीं बाढ़ कहीं भूस्खलन

भारत में वर्षाकाल मे भीषण वर्षा के फलस्वरुप बाढ़, भूस्खलन और नदियों में उफान आने से उत्तरांचल ,उत्तराखंड, असम, मेघालय, दिल्ली और पंजाब भीषण त्रासदी झेल रहे हैं और बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु भी हो गई है। देश के साथ विश्व में कई देशों में अतिवृष्टि से बाढ़ का प्रकोप होता है लैंडस्लाइडिंग भी होती है पर सर्वाधिक मृत्यु भारत में ही होती है। भारत में भूकंप के झटके भी लगते हैं कई बार भूकंप भी आता है और जान माल की हानि होती है।

यह ऐसा तो है नहीं कि अति वर्षा कई सालों में एक बार होती हो, वर्षा, बाढ़ तथा लैंडस्लाइडिंग का प्रकोप हर वर्ष अखबारों में हम पढ़ते हैं और लोगों की मृत्यु होती है तो ऐसे में केंद्र तथा राज्य सरकारों को आपस में सामंजस्य बिठा कर इस त्रासदी तथा विपदा का पहले से प्रबंध करने की व्यवस्था होनी चाहिए जिससे आमजन को जान माल का कम से कम नुकसान हो सके। आपदा सदैव अनअपेक्षित घटना होती है जो मानवीय नियंत्रण से बाहर तथा प्राकृतिक व मानवीय कारकों द्वारा मूर्तरूप दी जाती है। प्राकृतिक आपदा अल्प समय में बिना किसी पूर्व सूचना के घटित होती है, जिससे मानव जीवन के सारे क्रियाकलाप अवरुद्ध हो कर,जान और माल की बहुत हानि होती है। आपदा की गहनता, विशालता एवं निरंतरता मानव जीवन तथा समाज, देश को बड़ी हानि पहुंचाते हैं, एवं उस देश की आर्थिक स्थिति में गहरी चोट करते हैं। इन प्राकृतिक आपदाओं से देश की प्रगति पर चोट पहुंचती है तथा राष्ट्र को आर्थिक रूप से बहुत पीछे खींच कर ले जाती है।

आपदा प्रबंधन में जापान से सीख ली जा सकती है क्योंकि जापान आपदा प्रबंधन में विश्व में अग्रणी देश माना जाता है। जापान पृथ्वी के ऐसे क्षेत्र में अवस्थित है, जहां भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखी जैसी प्राकृतिक आपदाएं सदैव आती रहती हैं। जापान में आपदा प्रबंधन की अत्याधुनिक तकनीक को याकोहामा रणनीति कहा जाता है। जापान में आपदा प्रबंधन की साल भर नियमित रूप से मॉनिटरिंग कर एक्सरसाइज की जाती रहती है, एवं आपदाओं पर निरंतर निगरानी तथा नजर रखी जाती है,एवं इसके निदान के लिए पूर्व से ही सुनियोजित योजना बनाकर नागरिकों को सुरक्षित कर लिया जाता है। भारत को भी इसी तरह आपदा प्रबंधन को अपनाकर हमें बाढ़, अतिवृष्टि, लैंडस्लाइडिंग तथा भूकंप से पूरी क्षमता के साथ सामना करना चाहिए।

आपदाओं के प्रति मानवीय सभ्यता के संदर्भ में समाज के आर्थिक सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग को ज्यादा प्रभावित करती है एवं समाज का सबसे संवेदनशील तबका यानी वृद्ध व्यक्ति, महिलाएं, बच्चों, दिव्यांग लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से सबसे ज्यादा खतरा बना रहता है। आपदा के समय सबसे ज्यादा निम्न आय वर्ग का व्यक्ति तथा मजदूर तबके का व्यक्ति सबसे ज्यादा प्रभावित होकर उसकी दिनचर्या समूह रूप से छिन्न-भिन्न हो जाती है, एवं आर्थिक साधन भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे उसे आजीविका का एक बड़ा भय सताने लगता है।

-संजीव ठाकुर

ललित सुरजन की कलम से

ओसियां और जोधपुर

'दूर-दूर तक फैला रेगिस्तान। जैसे रेत का समुद्र। आज से कई लाख साल पहले यहां समुद्र ही तो था। इस जनहीन विस्तार के बीच में कहीं-कहीं बालुई चट्टानों से बनी पहाड़ियां। मरुस्थल की जड़ता को तोड़ती हुई। मैं कल्पना कर रहा हूं आज से बारह-तेरह सौ साल पहले के समय की। इस निर्जन में किसे और क्यों सूझा होगा कि यहां मंदिर बनाया जाए तो क्या शायद यहां कोई छोटी-मोटी बस्ती रही होगी? वहीं कहीं आसपास मीठे पानी का कोई स्रोत रहा होगा। अगर पानी न होता तो मनुष्य की बसाहट भी कैसे होती? मैं कल्पना के घोड़े दौड़ाता हूं तो एक बात समझ आती है। यह जगह पश्चिमी भारत से उत्तर भारत को जोडने वाले किसी यात्रापथ पर रही होगी। शायद प्राचीन सिल्क रूट की कोई शाखा! आते-जाते काफिले मीठे पानी के सरोवर के पास डेरा डालते होंगे। धीरे-धीरे यहां स्थायी बस्ती बसी होगी। तब पहले कोई मुखिया, फिर कोई राजा यहां का शासक बन गया होगा और यह स्थान उस प्राचीन समय के मानचित्र पर अंकित हो गया होगा।'' मैं बात कर रहा हूं ओसियां की। जोधपुर के पास बसा एक प्राचीन नगर जहां आठवीं शताब्दी से बारहवीं शताब्दी के बीच निर्मित मंदिरों का एक पूरा समूह है। मंदिरों की कुल संख्या दो दर्जन के आसपास होगी।'

देशबन्धु में 29 अक्टूबर 2015 को प्रकाशित

https://lalitsurjan.blogspot.com/2015/10/blog-post_30.html

आज डॉक्टर्स डे

भगवान एक बार जीवन देता है डॉक्टर बार-बार बचाता है

खेत में किसान, सीमा पर सैनिक, विद्यालय में शिक्षक और अस्पताल में डॉक्टर न हों तो मानवीय समाज का जीवन कठिन हो सकता है। इस पृथ्वी पर जिजीविषा को मूर्तरूप प्रदान करने में डॉक्टर्स की भूमिका अतुलनीय रही है।

डॉक्टर मसीहा का पर्याय है। अधमरे इंसान में जान फूंकने , रोगियों को स्वस्थ करने और हमारे अपनों को दूर जाने से बचाने में जो डटे रहते हैं , वहीं वास्तव में डॉक्टर है । वही मसीहा हैं। जब-जब लगा कि अब इस दुनिया को अलविदा कहने का समय आ गया है, तब-तब ईश्वर का प्रतिनिधि बनकर चिकित्सकों के रूप में एक इंसान ने दस्तक दी और असमय मृत्यु से बचा लिया। चिकित्सकों के समुदाय ने सदियों से यह सिद्ध कर दिखाया है कि जिंदगी दोबारा भी मिल सकती है। दरअसल एक डॉक्टर एक दिन में अनेकों बार जीता और मरता है। जब भी उसके हाथों कोई रोगी ठीक होता है, तब उसे लगता है कि उसका जीवन सार्थक हो गया। इसके विपरीत जब तमाम कोशिशों के बाद भी वह रोगी को नहीं बचा पाता है , तब उसे लगता है कि सब कूछ समाप्त हो गया। इस प्रकार की स्थिति से प्रतिदिन दो-चार होना आसान नहीं कहा जा सकता है। डॉक्टर की काबिलियत के चलते ही हर वह इंसान जो बीमार है और उसका परिवार डॉक्टर की तरफ उम्मीद भरी नजरों से देखता है। यदि अस्तित्व विहीन हो जाना इस जीवन की नियति है, तो अस्तित्व को बरकरार रखना डॉक्टर के जीवन का ध्येय है। देखा जाए तो डॉक्टर का मूल लक्ष्य जीविकोपार्जन अथवा धंधा करना नहीं बल्कि जिंदगी और मौत से जूझ रहे इंसान को येन केन प्रकारेण बचाना है।

हमारे वैद्यराजों ने अनादिकाल से आयुर्वेद के दम पर गंभीर से गंभीर रोगों का इलाज कर अपनी योग्यता सिद्ध कर दिखाई है। आज की आधुनिक जीवन शैली ने चिकित्सा जगत को बड़ी चुनौतियों में डाल रखा है। अब आयुर्वेद पर विश्वास उतना नहीं रहा जितना भारतवर्ष के सादगीपूर्ण जीवनशैली के समय था। इसका जो कारण मुझे समझ में आता हैं वह बिगड़े पर्यावरण के रूप में दिखाई पड़ रहा है । खानपान से लेकर मानवीय समाज में जीवनयापन कर रहे हम लोगों ने अपने ऋषि-मुनियों द्वारा बताई गई दिनचर्या को न मानकर ही अपने शरीर के अंदर बीमारियों का बीजारोपण किया है। अब हमारे वानस्पतिक वृक्षों में भी वह ताकत नहीं रही जो सदियों पहले हुआ करती थी। यही कारण हैं कि वर्तमान युग में बीमारियों से लड़ने वैज्ञानिक शोधों का सहारा लेना पड़ रहा है। हमारा चिकित्सा विज्ञान जितना प्रगति कर रहा है, बीमारियों के नए-नए रूप भी बढ़चढ़ कर चुनौती पेश करते दिख रहे हैं। मानवीय शरीर में रोग-प्रतिरोधक शक्ति का क्षीण होना ही वह कारण है कि हमारे चिकित्सा वैज्ञानिकों को तुरंत असर करने वाली दवाइयों का आविष्कार करना पड़ा। आज के चिकित्सकों का जीवन हमारे जाने-माने वैद्यराजों से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण बन पड़ा है।

एक डॉक्टर का जीवन चुनौतीपूर्ण होने के साथ ही साथ अनेक मौकों पर कठिन भी हो सकता है। डॉक्टर की काबिलियत के आधार पर यह पेशा उन्हें समाज में व्यक्तिगत प्रतिष्ठा से भी जोड़ा जाता है। हर चिकित्सक का अनुभव अद्वितीय होता है। यही गुण उनकी विशेषता बनकर, कार्य, वातावरण और व्यक्तिगत लचीलेपन से नया आकार ग्रहण कर लेता है। चुनौतियों और पुरस्कारों के बीच संतुलन बनाना चिकित्सा क्षेत्र में स्थायी और संतोषजनक करियर की कुंजी मानी जा सकती है।

-डा. सूर्यकांत मिश्रा

त्रिवेणी मेटरनिटी होम्स की नीव 1958 में माता जी ने रखीः डा. जितेंद्र जामदार

जबलपुर, देशबन्धु। डाक्टर्स-डे पर नगर के प्रमुख चिकित्सकों से देशबन्धु ने चर्चा, की इस दौरान चिकित्सकों ने पीड़ित मानव सेवा से जुड़ी महत्वपूर्ण बातों को साझा किया और समय के साथ उपचार के बदलाव और आधुनिक संसाधनों पर अपने विचार रखे, गंभीर बीमारियों से बचने के उपयोगी टिप्स दिये गये। वहीं ऐसी बातों से दूर रहने एवं अनट्रेन्ड लोगों से बचने की सलाह दी, जो उपचार के नाम कई तरह की गंभीर बीमारियों का कारण बन जाते हैं।

डॉ. जितेंद्र जामदार
जामदार हॉस्पिटल के संचालक एवं प्रसिद्ध हड्डी रोग

नगर की पुरानी निजी अस्पताल में शुमार जामदार हॉस्पिटल के संचालक एवं प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. जितेंद्र जामदार ने बताया कि उनकी माता जी श्रीमती उर्मिला जामदार ने 1958 त्रिवेणी मेटरनिटी होम्स गोलबाजार में प्रारंभ किया था। साल 1982 में उन्होंने पूना से आर्थोपेटिक में एमएस कर जबलपुर लौटे। इसी के साथ अस्पताल का नाम त्रिवेणी नर्सिंग होम्स किया गया। जो जबलपुर का पहला नर्सिंग होम्स था। हड्डा रोग के साथ अन्य रोगों से जुड़े चिकित्सक जुड़े, जिसमें डा. पाठक और डा. हस्तक थे। इसी कड़ी में एक्सरे मशीन भी लगा दी गई जिससे हड्डी से जुड़े रोगों को और बेहतर रूप से ठीक करने या उनकी जांच आसान हुई। डाक्टर जामदार ने स्कूली शिक्षा मॉडल हाई स्कूल में 1972 में पूरी की। 1982 में पॉली क्लीनिक शुरू किया जो पहले नहीं होते थे। त्रिवेणी जामदार अस्पताल के बाद अब राईट टाउन में त्रिवेणी हेल्थ सुपर स्पेशिलटी अस्पताल वर्तमान में संचालित है। करीब चालीस साल से डा. जितेंद्र जामदार स्वास्थ्य के क्षेत्र में महाकौशल के साथ विंध्य आदि क्षेत्रों से आने वाले मरीजों का सफल उपचार कर रहे हैं। उन्हें इस क्षेत्र में अमूल्य योगदान के लिये पुरस्कारों से भी सम्मानित किया गया है। सर्वाधिक ब्लड डोनेशन का मानव सेवा का कार्य भी डॉ. जामदार की अगुवाई में किया गया है। त्रिवेणी हेल्थ केयर में लगभग सभी फेकल्टि से जुड़े विशेषज्ञ हैं। इसमे न्यूरो, डायबिटीज, इएनटी, ज्वाइंट रोबोट विधि, एवं चार प्लास्टिक सजज्न, दो कान, गला, के सजज्न, एवं कई फ्जिशियन सेवाएं दे रहे हैं। केंसर, गेस्टोलॉजी इंडोस्कोपी एवं सभी विधाओं के विश्व विख्यात आर्थो की टीम व फिजियो थेरेपी, सीटी स्केन, की सुविधा मुहैया है।

संदेश

डॉ. जामदार ने चिकित्सा के क्षेत्र में आने वाली युवा पीढ़ी को संदेश दिया है कि चिकित्सा का क्षेत्र ईश्वर की महान कृपा से सेवा का अवसर मिलता है। मरीजों का उपचार सेवा भाव को प्रमुखता देते हुये करना चाहिये, जो गरीब या आर्थिक रूप से महंगा उपचार कराने में असमर्थ होते हैं, उनकी यथा संभव मदद छूट के रूप में देना उचित है। साथ ही समय के साथ अपनी विधा को अपडेट रखने की तरफ खास ध्यान चाहिये।

छोलाछाप से बचने की सलाह

उन्होंने कहा कि छोलाछाप डाक्टरों से उपचार से मरीजों को बचना चाहिये, ऐसा नहीं करने वाले कई बार गंभीर बीमारी का शिकार हो जाते हैं। गलत दवा की खुराक से मरीज स्वस्थ्य होने की जगह बड़ी बीमारियों का शिकार हो जाते हैं।

चिकित्सक कभी रिटायर नहीं होताः डॉ. आर.एस. शर्मा

डॉ.आरएस शर्मा
सुखसागर मेडीकल कालेज
हृदय रोग विशेषज्ञ

प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ.आरएस शर्मा का मानना है कि चिकित्सा ऐसा क्षेत्र जिसमें भले डॉक्टर शासकीय या निजी अस्पताल से सेवानिवृत्त हो जाये लेकिन वह अपने काम के चलते कभी भी रिटायर नहीं होता है। समाज में पीड़ित मानव सेवा का काम उम्र के अंतिम क्षणों तक चिकित्सक करते हैं। डॉ. शर्मा जबलपुर मेडिकल कॉलेज से कार्डियोलॉजी में एमएस की। इसके पहले 1976 में उन्होंने यहां से एमबीबीएस की, साल 1984 में उन्होंने महाकौशल में पहली और प्रदेश में दूसरी एमएस की पढ़ाई की। साल 2016 में वे मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुलपति बने और साल 2020 का कार्यकाल रहा, स्कूली शिक्षा 1971 में मॉडल स्कूल से की थी। डॉ. शर्मा को उनकी सेवाओं के लिये कई संस्थाओं द्वारा सम्मानित भी किया गया है, वर्तमान में वे सुखसागर मेडीकल कालेज में मेडीसन विभाग के प्रमुख हैं और हाथीताल में वे निजी प्रेक्टिस कर रहे हैं।

संदेश

चिकित्सा के क्षेत्र में आने वाले युवाओं के लिये डॉ. शर्मा कहते हैं, कि अधिवक्ता और चिकित्सक को सदैव अपटेड रहना चाहिये, हर साल जो चिकित्सक जिस क्षेत्र में है, उससे जुडे सेमीनार में शामिल होना जरूरी है। इससे समय के साथ बदलती बीमारियों के स्वरूप को समझने में डाक्टर को मदद होती है और इससे मरीज का उपचार बेहतर तरीके से हो पाता है।

मरीजों के लिये सीख

डॉ. शर्मा ने कहा लोगों को अक्सर ऐसे नुख्शों या घरेलू उपचार से बचना चाहिये जिसमें क मर इत्यादि में दर्द होने की बात कही जाती है, इससे कई बार कमर या रीढ़ की हड्डी में जोर देने पर लकवा तक लग जाता है। कई बार पेट दर्द होने पर घर में ही मालिश उसे दबाने लगते हैं, इससे आंत को चोट पहुंचती है, कई बार लोग बच्चों को गरम सलाखों से टकवाने का काम करते हैं जो बेहद घातक है, इससे बच्चे की जान तक जा सकती है, इससे सभी को बचते हुये ट्रेन्ड चिकित्सकों के पास जाकर उपचार कराना चाहिये।

साठ के दशक से जारी है चिकित्सा क्षेत्र मे सेवाः डॉ. एम.पी. गुप्ता

बच्चों की सर्जरी के जानकार डॉ. एमपी गुप्ता ने साल 1964 में नागपुर से एमएस कर वहां के नागपुर मेडीकल कॉलेज प्रोफेसर के रूप में अपनी सेवाएं शुरू की। इसके बाद उनका तबादला ओरंगाबाद में हो गया, साल 1965 में वे जबलपुर आ गये, जहां पर मेडिकल कॉलेज में उन्होंने बच्चों की सर्जरी वार्ड की शुरूआत की। इसके बाद उन्हें विभागाध्यक्ष बना दिया गया।

तीन वर्ष तक ज्वाइन संयुक्त संचालक के साथ मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक के तौर पर अपनी सेवाएं दी। वे अभी 90 साल के होने वाले हैं। बावजूद आज भी आशीष नर्सिंग होम्स में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। साल 1996 में वे मेडीकल कॉलेज से सेवानिवृत्त हो गये थे।

संदेश

डॉ. गुप्ता ने कहा है कि बच्चों की सर्जरी वाले स्वास्थ्य के क्षेत्र में युवा आ रहे हैं और गंभीरता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं। अब नवजात शिशु से लेकर 16 साल के बच्चों की सर्जरी होने लगी है। मेडीकल कॉलेज अस्पताल में गंभीर ऑपरेशन सफलता पूर्वक हो रहे हैं। बच्चों की सर्जरी विभाग को विकसित कर दिया गया है जो शहरवासियों के लिये अच्छी बात है।

डॉ. एमपी गुप्ता
आशीष नर्सिंग होम्स
मेडिकल सर्जन

युवाओं को हार्ट अटैक से बचने संतुलित दिनचर्या और व्यायाम करना चाहियेः डा. पुष्पराज पटेल

नगर के युवा हार्ट की बीमारी से जुड़े चिकित्सक डा. पुष्पराज पटेल ने कहा है कि जिस तेजी से अभी युवाओं में हार्ट अटैक के मामले बढ़े हैं, उनसे बचने के लिये सबसे पहले युवाओं को संतुलित दिनचर्या पर ध्यान देना होगा, इसमें ताजी सब्जी, खाने में तेल, मिर्च इत्यादि का उपयोग कम करना चाहिये। साथ ही व्यायाम जिसमें योगा, पैदल चलना आदि शामिल है, नियमित करना होगा इससे काफी हद तक हार्ट अटैक से बचने में मदद मिलती है। तनाव रहित जीवन जीने की कोशिश करनी चाहिये, इससे शुगर और वीपी कंट्रोल में रहता है। कोरोना के बाद इस तरह के मामलों में बढ़ोत्तरी हुई है।

अचानक से हार्ट अटैक की शिकायत पर तुरंत मरीज को सारबोटेट, डिसपरिन की गोली देनी चाहिये, इससे अस्पताल में पहुंचने में मदद मिलती और मरीज का समय पर उपचार शुरू होने पर उसकी जान बचाई जा सकती है। जबलपुर के सेट थामस स्कूल में प्रारंभिक पढ़ाई के बाद उन्होंने 1990 से 98 के बीच एमबीबीएस के बाद साल 2010 में एमडी की डिग्री की।

जबलपुर में साल 2015 से सेवाएं शुरू की लगभग दस वर्ष से वे अपनी सेवाएं दे रहे हैं, जिसमें राईट टाउन में उनकी डिस्पेंसरी और गोल्डन हार्ट अस्पताल में वे अपनी सेवाएं देकर हार्ट अटैक की बीमारी से पीड़ित मरीजों के उपचार में सफलता पूर्वक जुटे हैं।

प्रैक्टिस के दौरान मानवीय संवेदनाओं को स्थान दें

डा. सुरेंद्र पांडे ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज से शिक्षा प्राप्त की, और वहीं एक शिक्षक के रुप मे सेवाएं प्रदान की। आप विजय श्री अर्वाड से सम्मानित हैं, और 1997 में आई एम ए द्वारा इनकी ब्रांच को बेस्ट ब्रांच का सम्मान दिया गया था। वर्तमान में बिलहरी मे जनरल प्रैक्टिशनर के रुप मे आमजन को सेवाएं दे रहे हैं। अपनी शिक्षा के दौरान यादों को याद करते हुऐ बताया कि उस समय क्लीनिकल सेंस बेस इलाज की प्रेक्टिस ज्यादा थी, आजकल तो रिसर्च बेस प्रैक्टिस है। इस क्षेत्र मे नए आने वाले डॉक्टर्स के लिए उनका कहना है कि, प्रैक्टिस के दौरान मानवीय संवेदनाओं को स्थान दे, हम ऐसे क्षेत्र से जुड़े हैं, जो सीधे व्यक्ति से जुड़ी है।

डॉ. सुरेन्द्र पांडे
जनरल प्रैक्टिशनर, बिलहरी
विजय श्री अर्वाड से सम्मानित

संदेश

आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जो गलत मिथ्या प्रचलित हैं, उनसे बचने की सलाह दी है, जैसे पेट दर्द होने पर ग्रामीण क्षेत्रों मे मालिश करा लेते हैं, ये हानिकारक हो सकती है, प्रमाणित चिकित्सक से सलाह लेकर ही दवा इत्यादि लें, स्वास्थ्य हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है, उसका ख्याल रखें।

बच्चो में संस्कारों का बीजारोपणः डा. पान्से

मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल, जबलपुर महाकौशल के डॉ. बी. के. पान्से एम.डी. अनंत प्रथम न्यूरोसर्जन है। जिन्होंने एमबीबीएस (एम.एस.) एवं वर्ष 1983 में पीजीआई चंडीगढ़ से न्यूरोसर्जरी Mch किया जिसके बाद राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल दिल्ली एवं सफदरजंग हॉस्पिटल दिल्ली में अपनी सेवाएं दी।

डॉ. बी. के. पान्से
(एम.डी.) अनंत मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल, जबलपुर

दयानंद मेडिकल कॉलेज, लुधियाना में न्यूरो सर्जरी विभाग की शुरूआत की, जहां डा. पान्से ने 20 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पेपर प्रकाशित किये। वर्ष 1989 में डॉ.बी.के.पान्से महाकौशल के प्रथम न्यूरोसर्जन के रूप में कार्य शुरू किया उस समय जरूरत के अनुसार सीटी स्कैन के लिए चरक डायग्नोस्टिक की नीव रखी जिससे न्यूरो के क्षेत्र में बेहतर कार्य हो सकें। वर्ष 2000 में अंनत मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल की शुरूआत की जो अभी-भी निरंतर बेहतर से बेहतर सेवायें प्रदान कर रहा है।

डॉ.पानसे जी ने मध्यप्रदेश नर्सिंग होम एसोसिएशन अध्यक्ष, आईएमए जबलपुर अध्यक्ष एवं रोटरी क्लब साउथ अध्यक्ष पद को सुशोभित किया। वर्ष 2020 में आईएमए का सर्वश्रेष्ठ डॉ. बी.सी.रॉय oration अवार्ड प्राप्त हुआ। वर्ष 2021में न्यूरोसर्जरी के लिए श्री चरक लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया ।

सेवा कार्य

वर्तमान में महाकौशल सेवा भारती के अध्यक्ष पद पर है साथ ही रानीताल क्षेत्र की एक बस्ती पासी मोहल्ला (सुदर्शन बस्ती) गोद ली हुई है जिसमे लगभग 5 वर्षों से कार्यरत है बस्ती में एक सिलाई केंद्र और स्वास्थ्य केंद्र चल रहे है।

अनंत आंनदालय के संस्थापक

(अनंत शैक्षणिक संस्थान द्वारा संचालित) जिसका उद्देश्य 04 वर्ष से लेकर 13 वर्ष तक के बच्चों को भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों का बीजारोपण करना।

आधुनिक उपचार के लिए अब ताम्रकार ई.एन.टी सेन्टर

जबलपुर शहर में डॉ. अक्षय ताम्रकार ने ताम्रकार ई.एन.टी सेन्टर की स्थापना की है। डॉ. अक्षय ताम्रकार (एम.बी.बी.एस.डी.एल.ओ.डी.एस.बी.) भोपाल, सागर व दिल्ली से अनुभव प्राप्त कर 100 से अधिक कान, नाक एवं गले के सफल ऑपरेशन कर चुके हैं। शहर व आसपास के गांव के मरीजों को दूरबीन से कान के पर्दे, नाक की हड्डी व मस्से, टॉसिल का प्लामा थैरेपी से ऑपरेशन जैसे आधुनिक उपचार प्रदान करने की कवायद शुरू की है। नेशनल डॉक्टर्स-डे के उपलक्ष्य में आमजन को सलाह रहेगी कि बारिश के मौसम में कानों का पानी से बचाव रखें 3-5 दिन से अधिक चलने वाली सर्दी व खांसी का समय रहते इलाज लें तथा कान, नाक एवं गले में चोट के बचाव हेतु वाहन चलाते वक्त हेलमेट का उपयोग जरूर करें।

डॉ. अक्षय ताम्रकार
(एम.बी.बी.एस.,डी.एल.ओ.डी.एस.बी.)
भोपाल

महाकौशल क्षेत्र एवं विन्ध्य प्रदेश के प्रथम प्लास्टिक सर्जन

महाकौशल क्षेत्र एवं विन्ध्य प्रदेश के प्रथम प्लास्टिक सर्जन द्वारा 1990 से प्लास्टिक-सौंदर्य सर्जरी एवं जले के उपचार की सेवायें प्रदान की जा रही है, जिसमें राइनो प्लास्टी, गाइनेफोमेस्टिया, मेमो प्लास्टी, एण्डोमिनो प्लास्टी जन्मजात, दुर्घटना एवं जलने से उत्पन्न की विकृतियों एवं जले हुए मरीजों का उपचार प्रदान किया जा रहा है।

डॉ. विनोद बी. ताम्रकार
एम.बी.बी.एस.एम.एस.
(जनरल सर्जरी)- जबलपुर

विशेषज्ञ

- एम.सी.एच. (प्लास्टिक सर्जरी)- बाम्बे
- सौंदर्य-प्लास्टिक सर्जन एवं बर्न विशेषज्ञ
- मेलबोर्न इंस्टीटयूट ऑफ प्लास्टिक सर्जरी, ऑस्ट्रेलिया से सौंदर्य सर्जरी में अनुभव प्राप्त।

जलने पर ध्यान रखने वाली बातें

- जले हुए हिस्से पर सादा पानी डालें। बर्फ का उपयोग न करें।
- जलने से उठे फफोलों को न फोड़ें और न ही उसकी त्वचा अलग करें।
- जलने पर शुरू के 24 घंटे के अंदर उचित उपचार होने पर शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की सम्भावना ज्यादा होती है।

Life Member

- APSE - Association of plastic surgeons of India
- NABI - National Academy of Burn India
- ASI - Association of surgeons of India
- IMA - Indian Medical Association

Ex-members -

International society of Burns Past president of

- Association of plastic surgeons & MP& C.G.
- Association of surgeons of India Jabalpur Chapter
- Rotary Club of Jabalpur south

परिवार की प्रेरणा से चिकित्सा का क्षेत्र चुना : डा. जनमेजय जामदार

नगर के युवा न्यूरो सर्जन डॉ. जनमेजय जामदार ने कहा है कि परिवार की प्रेरणा से मैंने चिकित्सा क्षेत्र में जाने का निर्णय लिया। उन्होंने इससे बेहतर समाज सेवा का दूसरा रास्ता नहीं हो सकता है। कठिन समय में उपचार के लिये आने वालों को उपचार के माध्यम से आत्मिक संतुष्टि और खुशी मिलती है। मेरा ऐसा मानना है कि मरीज जब अपनी बीमारी से ठीक हो जाते हैं तो उनका एवं उनके परिवार जनों की दुआएं भी चिकित्सक को मिलती हैं जो ईश्वर की कृपा से कम नहीं हो सकती है। आपकी दादी उर्मिला जामदार जबलपुर की जाने मानी चिकित्सक थीं। आपके पिता जितेंद्र जामदार एवं माता श्रीमती शिरीष जामदार भी चिकित्सक हैं और आपकी धर्मपत्नी श्रीमती अनुश्री जामदार भी डायबिटीज की विशेषज्ञ चिकित्सक हैं।

डॉ. जनमेजय जामदार
न्यूरो सर्जन

आपने सेंट अलायसिस दसवी और ग्यारहवी एवं बारहवी की शिक्षा महाराष्ट्र हायर सेकेंडरी स्कूल से की है, इसके बाद साल 2003 में जबलपुर से एमबीबीएस एवं एमएस भी यहीं से की थी। लखनउ से न्यूरो सर्जन का प्रशिक्षण प्राप्त किया, साल 2009 से उपचार शुरू कर दिया। आपको विभिन्न संस्थाओं ने सम्मानित भी किया है। उन्होंने बताया कि कम उम्र में पेरालासिस होने पर उसे जल्दी ठीक किया जा सकता है, क्योंकि उस दौरान दिमाग का जो हिस्सा प्रभावित होता है उसे ठीक करना आसान होता है, लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, इस तरह के केस को पहले की तरह होने में काफी समय लगता है, कई बार उम्मीद के अनुरूप परिणाम नहीं मिलते हैं। यह भी निर्भर करता है दिमाग का कौन सा पार्ट प्रभावित हुआ है, क्योंकि कुछ तो आसानी से रिकवर कर लेते हैं लेकिन कुछ ऐसे पार्ट होते हैं दिमाग को जिन्हें ठीक होने में समय लग सकता है।

जरूरी सलाह

न्यूरो सर्जन जामदार का कहना है कि अब ज्यादातर लोग बाहर का खान पान करते हैं, शरीरिक श्रम भी कम हो पाता है, साथ सबसे ज्यादा बात-बात पर तनाव करना जो ब्लड प्रेशर को बढ़ाता है, इसे पेरालाइसिस या पक्षाघात का कारण माना जा सकता है। जरूरी है दिन चर्या को व्यस्थित रखा जाये, नियमित योगा, व्यायाम जिसमें साईकलिंग, पैदल चलना आदि शामिल है।

संदेश

मेरा यही संदेश है कि जिस तरह अस्पताल में कभी-कभी उपचार के दौरान मरीज की मौत हो जाती है, ऐसे में अप्रिय स्थिति निर्मित हो जाती है, इसे दूर होना चाहिये, मरीज या उनके परिजनों को समझना होगा, चिकित्सक मरीज को बचाने अपना सौ प्रतिशत लगाते हैं, बावजूद कई बार कुछ बीमारी ऐसी होती हैं जिन पर उपचार या दवाईयों का असर नहीं होता है, और मरीज की जान चली जाती है, ऐसे में मरीजो का अपना धैर्य नहीं खोना चाहिये, क्योंकि ऐसी घटनाओं से समाज को अपनी सेवा देने वाले अच्छे डाक्टर ऐसे जगह या विदेश जाने का निर्णय कर लेते हैं जहां इस प्रकार की घटनाएं नहीं होती हैं। इससे समाज का अहित भी हो जाता है, क्योंकि चिकित्सक बाहर चले जाएंगे तो यहां मरीजों का उपचार कौन करेगा, वैसे भी चिकित्सकों की कमी है। इसलिये इस तरफसोचने की जरूरत है।

3 रूपये की फीस से शुरू किया था उपचार: रूसिया

नगर में एक ऐसे चिकित्सक भी हैं जो आज भी अपने यहां उपचार के लिये आने वाले मरीज को हर हाल में दवा देकर उसका ईलाज करने में भरोसा रखते हैं। भले ही मरीज या उनके परिजनों के पैसे न हो या जितनी आवश्यकता है, उतनी रकम न हो। दीक्षितपुरा स्थित क्लीनिक और अपने निवास परिजात बिल्डिंग के पीछे रहने वाले डाक्टर बीएल रूसिया इसी भावना को सर्वोपरीय मानकर मरीजों का उपचार कर रहे हैं।

डॉ. बीएल रूसिया
दीक्षितपुरा
जबलपुर

साल 1971 से डाक्टर रूसिया इसी भावना के अनुरूप बीमारों का ईलाज करने में जुटे हैं। उनका कहना है कि तीन रूपये की फीस से उन्होंने मरीजों का उपचार शुरू किया था, आज पचास रूपये फीस लेते हैं। इसमें इंजेक्शन भी लगाया जाता है। ऑफ सीजन में भी उनके यहां मरीजों की लाइन लगी रहती है। अकेले जबलपुर से नहीं बल्कि उनके पास दमोह, गाडरवारा इत्यादि जिलों के दूर दराज इलाकों से मरीज पहुंचते हैं। डाक्टर रूसिया ऐसे चिकित्सक हैं जो इतनी कम दर पर सुलभ एवं सस्ता उपचार मरीज को मुहैया करा रहे हैं जिन्हें लोग दिल से अपना आशीर्वाद या दुआएं देते हैं जो आम तौर बहुत कम देखने को मिलता है। वे अनेक धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हैं, जिनके द्वारा डॉक्टर रूसिया को उनकी पीड़ित मानव सेवा के चलते अनेक अवसरों पर सम्मानित भी किया जा चुका है। वे अपने चिकित्सा धर्म को एक मिशन को अभियान की तरह चला रहे हैं। इससे समाज के विभिन्न वर्गों में उनकी पहचान अलग हटकर बन गई है, जो संत जनों में देखने को मिलती है। डॉक्टर रूसिया की उम्र 75 साल है जो अब भी पहले की तरह अपने मरीजों का उपचार करने में सक्रियता के लगे रहते हैं।

मोटापा, बीपी और शुगर को नियंत्रित रखें: डॉ. नीरज जैन

पीजीआई चंडीगढ़ से डॉक्टर की डिग्री प्राप्त की और जबलपुर में पंजाबी हिन्दू एसोसिएशन के पास सुपरस्पेशिलिटी क्लीनिक से अपनी सेवाऐं गुर्दा रोग से सम्बंधित मरीजों को दे रहे हैं। चंडीगढ़ से लौटने के बाद इन्होंने मेडीकल कॉलेज जबलपुर में पहला किड्नी ट्रांस्पलांट सितम्बर 2021 में किया अब तक 8 किड्नी ट्रांस्पलांट कर चुके हैं। इन्हें इस बात की खुशी है कि अब किड्नी की गम्भीर समस्याओं के लिए शहर बेहतर ईलाज उपलब्ध है। नये डॉक्टर्स के लिए सलाह है कि लगभग 11 से 12 साल की लम्बी पढ़ाई के बाद चिकित्सकीय पेशें में आते हैं ऐसे में तनाव होना स्वभाविक है जिससे नए डॉक्टर्स को बचना चाहिए और इसके लिए फ्रेन्ड सर्किल बनाएं तथा अपने शौक को इंजॉय करें। मरीज खुदको डॉक्टर्स समझकर दवाई न लें।

डॉ. नीरज जैन
एमडी मेडिसन
गुर्दा रोग विशेषज्ञ

संदेश

खासतौर से झोला छाप डॉक्टर्स से तो पेन क्लिर हर्गिज़ न लें क्योंकि ज्यादा पॉवर की दवा लेने से हृदय, लीवर और किडनी के क्षतिग्रस्त होने की सम्भावना बढ़ जाती है। साथ ही मरीज मुटापा, बीपी और शुगर को नियंत्रित रखें। ऐसा करने से शरीर के संचालन मे मुख्य भूमिका निभाने वाली किडनी को सुरक्षित बनाये रखने में मदद मिलती है। जांच उपरांत चिकित्सकों सलाह जरूरी है।

मरीज चलकर घर जाए तो मन को होता है संतोष: डॉ. हरीशंकर

श्याम शाह मेडीकल कॉलेज रीवा से डॉ. हरीशंकर प्रताप सिंह चंदेल हृदय रोग विशेषज्ञ ने एम.बी.बी.एस किया। 2003 वर्तमान में यह अपने क्लीनिक से मरीजों का हृदय सम्बंधित रोगों की चिकित्सकीय सलाह दे रहे हैं। अपने चिकित्सकीय कार्यकाल के दौरान अनेक ऐसे पल आये जब मरीज स्ट्रेचर पर आये और जब डिस्चार्ज हुए तो पैदल चल कर गए इससे मन को बड़ा संतोष होता है कि हमारी शिक्षा सफल हुई। नये डॉक्टर्स के लिए इनकी सलाह की बीमारी के ईलाज के साथ मरीज को जागरूक भी करें कि दुबारा वह बीमार न हो। अर्थात ईलाज से बेहतर है बीमारी की रोकथाम। हृदय रोग से सम्बंधित मरीजों के लिए इनकी सलाह की कोई भी लक्षण आपको महसूस हो तत्काल डॉक्टर के पास जाकर सलाह लें और फिर दबा आदि करें। लक्षण के शुरूआती संकेतों को नजर अंदाज न करें।

डॉ. हरीशंकर प्रताप सिंह चंदेल
हृदय रोग विशेषज्ञ

संदेश

मौजूदा दौर में छोटी उम्र के लोगों में भी हृदयघात की शिकायत सामने आ रही है। इसे देखते हुये डॉक्टरों की सलाह और समय-समय पर जांच उपरांत चिकित्सक द्वारा दिये गये सुझाव का पालन करने से बीमारी से बचा जा सकता है।

गैर अनुशासित खान- पान और व्यायाम गंभीर बीमारियों का कारण: डा. शैलेंद्र सिंह राजपूत

मेट्रो प्राईम अस्पताल दमोह नाका में मेडिसीन विभाग में अपनी सेवाएं देने वाले डॉक्टर शैलेंद्र सिंह राजपूत का मानना है कि कोरोना के बाद लोगों की लाईफ स्टाइल में बदलाव देखने को मिला है। खान-पान और व्यायाम और दिनचर्या में अनुशासन का पालन कम किया जा रहा है, जिसके कारण हार्ट अटैक और दूसरी तरह गंभीर बीमारियों की शिकायत बढ़ी हैं।

डॉ. शैलेंद्र सिंह राजपूत
(एमडी) मेट्रो प्राईम अस्पताल
दमोह नाका, जबलपुर

उन्होंने बताया कि डायबिटीज के रोगियों में बढ़ोत्तरी के पीछे असंतुलित दिन चर्या और फास्ट फूड की उपयोग अधिक किया जाना है। इसके अलावा ज्यादातर लोग सब कुछ बहुत जल्दी में पाना चाहते हैं, यहीं से रोगों की शुरूआत हो जाती है। समाज का एक बहुत बड़ा वर्ग ऐसा है जो अनुशासित जीवन का पालन नहीं करता है, इसमें खान-पान के साथ शरीर को स्वस्थ्य रखने में मददगार व्यायाम की अधिकता भी गंभीर बीमारी का कारण है, किसी भी चीज की अधिकता नुकशानदायक है। इसका ध्यान सभी को रखते हुये अपने स्वास्थ्य को सुरक्षित रखना चाहिये। डॉक्टर राजपूत ने 1995 में एमबीबीएस करने के बाद एमडी भोपाल से किया, इसके बाद जबलपुर मेडीकल कॉलेज में मेडिसिन विभाग में साल 2004 से 2009 तक वरिष्ठ चिकित्सक के रूप में सेवाएं दी। उनकी स्कूल की शिक्षा जवाहर नवोदय बरगी से हुई थी। आपको कोरोना कॉल में उत्कृष्ट कार्यों के लिये कई संस्थाओं ने सम्मानित किया है।

संदेश

श्री राजपूत का मानना है कि सनातल काल से अध्यात्म ही ऐसा साधन है जिसके सहारे पूरी तरह स्वस्थ्य रहा जा सकता है। अध्यात्म ही जीवन को बेहतर रूप में जीना का रास्ता सिखाता है। अध्यात्म की तरफ झुकाव से कमोवेश शरीर के सभी हिस्से स्वस्थ्य रहते हैं। जिसमें वीपी, शुगर सामान्य रहेगा, तनाव नहीं होने से लकवा जैसी बीमारियों से बचा जा सकता है। यह सब अध्यात्म की देन है।

डाक्टर के लिये मरीज ईश्वर का रूप है : डा. जतिन धीरावाणी

जबलपुर हास्पिटल में हड्डी रोग विभाग में अपनी सेवाएं देने वाले डा. जतिन धीरावाणी का कहना है कि चिकित्सकों के लिये मरीज ईश्वर से कम नही होते हैं। यही लोग हैं जिनकी सेवा करने से हम रोटी कमाते हैं और सिर के लिये छत पाते हैं।

डॉ. जतिन धीरावाणी
हड्डी रोग चिकित्सक

हर मरीज से बात करना, उनके घाव छूना, उनके लिये जागना, यह सब ईश्वर से संवाद की तरह होता है। वर्क इज वर्कशिप सिर्फ कहने की बात नहीं, डाक्टरी में तो यह हर सांस में जीने की बात है। मेरा संदेश उन युवाओं के लिये है जो चिकित्सा के क्षेत्र में आना चाहते हैं, उनसे बस यही कहूंगा कि अगर सेवा में सुख है, और त्याग में ताकत-तो इस पेशे में आकर आप रोज भगवान से हाथ मिला सकेंगे।

आपने मुंबई के डा. डी वाय पाटिल मेडीकल कॉलेज से साल 2003 से 2008 से एमबीबीएस की, जिसके बाद एमजीएम मेडीकल कॉलेज मुंबई से 2009 से 2012 में एमएस आर्थोपेडिक से किया। वहीं आपने साल 2012 से 2013 तक असिसटेंट प्रोफेसर एमजीएम मेडीकल कॉलेज मुंबई, अगस्त 2013 में एमपीआईओ फेलो, एलएच हीरानंदानी हास्पिटल पवई, साल 2013-2014 से फेलोशिप शिर्डी संस्थान, 2014-2015 से जेएंडजे फेलोशिप अंडर डा. एवी गुरूवारेड्डी सनसाइन हास्पिटल हैदराबाद, 2015 फेलोशिप जर्मनी, आप 2016 अर्थोपेडिक सर्जन जबलपुर हास्पिटल सेंटर में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

पद्मश्री डा. डावर ने अपना जीवन सेना और गरीबों को किया समर्पित

संस्कारधानी मे ये एक ऐसा नाम है यदि इन्हें गरीबों के स्वास्थ्य का रहनुमा कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। आपने मेडिकल कालेज जबलपुर से चिकित्सा की शिक्षा प्राप्त की , तथा भारतीय सेना मे बतौर डाक्टर के रुप में अपनी सेवाएं दीं, और 71 की लड़ाई के दौरान ज़ख्मी सैनिकों की उपचार मे अपनी भूमिका निभाई। सेना से सेवानिवृत्त होकर संस्कारधानी मे डावर की दवा नाम से क्लीनिक खोला, तथा क्लीनिक खोलने का एकमात्र उद्देश्य था गरीबों की सेवा, और इसीलिए उन्होंने उस समय उन्होने मात्र 2 रुपए फीस रखी, तथा वर्ष 86 मे तीन रुपए कर दिए और वर्ष 97 मे पांच रुपए तथा 2012 मे 10 रुपए और 2022 मे 20 रुपए कर दिए, और ख़ास बात ये है कि गरीब मरीजों से वो भी नहीं लेते थे, और उनके पास दवा है तो वो अपनी ओर से दे देते थे। उत्कृष्ट सेवा के लिये आपको पद्मश्री 2023 राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने सम्मानित किया था।

जबलपुर प्रवास के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आपसे विशेष भेंट की थी। उनका मानना है, कर्म करो फल मिलेगा, सोचने से कुछ नही होगा आपको जो सम्मान मिलता है, वो कर्म का प्रतिफल है।

चिकित्सकों का मनोबल बढ़ाने समाज का समर्थन जरूरी: डा. सक्सेना

नेताजी सुभाष चंद्र बोस कॉलेज अस्पताल के डीन डा. नवनीत सक्सेना ने डाक्टर संदेश पर कहा है कि हमेशा चिकित्सक समर्पण भाव से मरीज का उपचार करते हैं, इसलिये समाज का दायित्व बनता है, कि चिकित्सा कार्य में लगे स्टाफ का मनोबल कम न होने पाये। ऐसा होने से मानसिक और शरीरिक रूप से चिकित्सक और उनसे जुड़ा स्टाफ मजबूत रहेगा, जिसका लाभ पूरे समाज को मिलता है। आज के समय में देखने आ रहा है कई बार उपचार के दौरान मरीज की मौत पर अप्रिय स्थिति निर्मित हो जाती है, जो सही नही है।

वर्तमान में महाकोशल के प्रमुख मेडीकल कॉलेज में डीन के रूप में अपनी सेवाएं देने वाले डा. सक्सेना ने स्कूल की शिक्षा ग्वालियर से प्रारंभ की, एमजीएम से एमबीबीएस और एमएस करने के बाद 1994 से 1998 तक सउदी अरब में अपनी सेवाएं दी।

1998 के पश्चात् डा. सक्सेना जबलपुर मेडीकल कॉलेज आ गये, नेत्र रोग विभाग के विभागाध्यक्ष के रूप में आपने उत्कृष्ट सेवाएं देकर देश को जाने माने नेत्र रोग चिकित्सक उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अभी आप मेडीकल कॉलेज में डीन के रूप में बेहतर कार्य कर रहे हैं, जिसके चलते निरंतर मेडीकल कॉलेज में जहां हजारों मरीजों का उपयोगी उपचार हो रहा है, वहीं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आने वाले ऐसे मरीज जो दूर दराज से आते हैं, उनके लिये डा. सक्सेना हमेशा उपलब्ध रहते हैं।

डा. पुलकित अग्रवाल दंत चिकित्सक

2013 मे हितकारिणी डेंटल कॉलेज से दंत चिकित्सा की शिक्षा पूरी की। शिक्षण के दौरान एक अच्छा माहौल था, जिससे पढ़ाई की बारीकियों को समझने मे आसानी हुई। वर्तमान मे ये एन ई एस कालेज के सामने अपने अग्रवाल डेंटल क्लिनिक एंड लेज़र सेंटर से मरीजों को सेवाएं दे रहे हैं।

इस क्षेत्र मे आने वाले डॉक्टर्स के लिए यही कहना है कि, पहले किसी सीनियर के साथ प्रैक्टिस कर लें जिससे प्रैक्टिस की बारीकियां समझ सकें।

डॉ. पुलिकित अग्रवाल
दंत चिकित्सक

ये अपनी प्रैक्टिस मे वर्तमान की नई तकनीक का उपयोग करते हैं, जिससे मरीजों को नई तकनीक का लाभ मिलता है, जैसे आजकल फिक्स बत्तीसी लगाते हैं, जिसे बार बार निकालना नही पड़ता। और आजकल डिजिटल डेंटिस्टी उपचार में प्रयोग मे अपनाई जा रही है।

मरीजों के लिऐ इनकी सलाह यही है कि दिन मे दो बार ब्रश करें और साल मे एक बार डॉक्टर्स से दांत चेक ज़रूर कराएं ताकि दांतो की खराबी शुरु मे ही ठीक की जा सके। साथ ही कोल्डड्रिंक, और चिप्स ना खाएं।

डा. अग्रवाल के मुताबिक दांतों को सुरक्षित रखने के लिये जरूरी है कि शीतल पेय और जिस तरह नई पीढ़ी जंक फूड्स का सेवन कर रही है, यह दांतों के लिये अत्याधिक घातक है, इससे बचना चाहिये। ऐसा कहा जाता है लंबे समय तक दांत तभी तक सुरक्षित इनकी देखभाल बेहतर रूप में होती रहेगी।

उनका मानना है कि अक्सर रात को लोग मीठा या अन्य तरह के खाद्यान खाकर बिना दांतों को साफ करे, सो जाते हैं, इससे दांत की जड़े कमजोर होने लगती हैं।

निजी अस्पताल में किडनी के डायलिसिस सेंटर की शुरूआत डा. परिमल स्वामी ने की

जबलपुर हीं नहीं बल्कि महाकोशल में पहला किडनी का डायलिसिस सेंटर जामदार अस्पताल में प्रारंभ करने का काम डा. परिमल स्वामी ने किया। साथ साथ लंग्स और छाती संबंधी बीमारों को वेंटीलेटर की सुविधा निजी क्षेत्र में उपलब्ध कराने का श्रेय भी डाक्टर स्वामी को जाता है। डा. स्वामी का कहना है कि पहले हमारे यहां से ऐसे युवा पूना आदि महानगरों में अध्यन या नौकरी के सिलसिले में जाते थे, इस दौरान देखने में आया कि अचानक दमा के मरीजों की तकलीफ बढ़ने पर जान तक जाने लगी थी। इसी को देखते हुये डा. स्वामी ने एक कार्ड बनवाया, इसमे 1 से 10 तक के सामान्य प्रश्न पूछे जाते हैं, इसमें हा या ना में उत्तर देना होता है, इसी आधार पर आंकड़े जुटाये जाते हैं जिसमें पता लगाने का प्रयास किया जाता है कि कौन से मरीज को दमा की शिकायत अधिक होने पर उसके लिये घातक हो सकती है, इस आधार दवा और जरूरी ऐहतियात उपाय बरतने की जानकारी कार्ड में उल्लेखित की जाती है। इसके परिणाम बेहतर मिले। डा. स्वामी 1997 हायर सेकेंडरी मॉडल हाई स्कूल से उत्तीर्ण करने के बाद साइंस कॉलेज में बीएससी की पढ़ाई की, उन्होंने एमबीबीएस और एम.डी. मैडिसन 1989(जबलपुर) से की। आपने प्रमुख देशों में भी डायबिटीज की रोकथाम के लिये उत्कृष्ट योगदान दिया।

चिकित्सक सदैव मरीज की बेहतरी के लिये कार्य करते हैं : डा. अरविंद शर्मा

नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडीकल अस्पताल के अधीक्षक डा. अरविंद शर्मा का मानना है कि चाहे शासकीय या निजी क्षेत्र के हास्पिटलों में, चिकित्सक हमेशा यह सोचकर मरीजों का उपचार करते हैं, कि उनका मरीज जल्द से जल्द स्वस्थ्य होकर अपने घर लौट जाये। फरवरी 2022 में डाक्टर शर्मा ने मेडीकल अस्पताल के अधीक्षक का कार्य संभाला था। इसके पहले वे छात्रावास में वॉर्डन के दायित्व को संभाल चुके हैं। इसके पूर्व मेडीकल अस्पताल के उपाधीक्षक के पद को संभाल चुके हैं। उत्कृष्ट सेवा कार्य के लिये डाक्टर शर्मा को अनेक संस्थाओं द्वारा समय-समय पर सम्मानित किया गया है। आपने ग्वालियर से एमबीबीएस और एमएस की शिक्षा प्राप्त की है। स्कूल शिक्षा भी डाक्टर शर्मा ने ग्वालियर से की पूर्ण की है। कम्युनिटी मैडीसन में आपने एमएस किया है। साल 2000 से आप जबलपुर मेडीकल कॉलेज में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अधीक्षक के रूप में डाक्टर शर्मा के प्रयासों से मेडीकल अस्पताल में बेहतर सेवाएं मरीजों को मिलती हैं। जब भी कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच गलतफहमी निर्मित होती है, उस दौरान डाक्टर शर्मा द्वारा अस्पताल प्रबंधन और संबंधितों के बीच सेतु का काम करते हैं, इससे भ्रम की स्थिति को दूर करने में मदद मिलती है। इसका लाभ मरीजों को मिलता रहा है। इधर मौजूदा संसाधनों के माध्यम से बेहतर से बेहतर उपचार मुहैया कराने के लिये अस्पताल प्रबंधन कृ त संकल्पित है। जिसके चलते जबलपुर के अलावा कटनी, नरसिंहपुर, सिवनी, दमोह, मंडला आदि से आने वाले जिलों के मरीजों को बेहतर उपचार मिल रहा है।

सरप्राईज कहकर सहेली को बुलाया और कर दिया एसिड अटैक

ग्वारीघाट के अवधपुरी कालोनी की घटना, आरोपी युवती गिरफ्तार

जबलपुर,देशबन्धु। कॉलोनी में रहने वाली एक युवती ने सरप्राइज के नाम पर अपनी सहेली को घर से बाहर लाने के बाद उस पर एसिड फेंक दिया। जिसके कारण युवती गंभीर रूप से झुलस गयी। दोनों सहेलियों में विगत एक माह से बात बंद थी। जिसके कारण आरोपी युवती ने घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी युवती को अभिरक्षा में लिया है। घायल युवती को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया। जिसके स्थिति स्थिर बनी हुई है।

पुलिस अधिकारियों को पूछताछ में परिजनों ने बताया कि अवधपुरी कालोनी निवासी श्रद्धा दास उम्र 21 वर्ष के घर रात दस बजे के लगभग इशिता साहू पहुंची और गेट से आवाज लगाई। जिस पर श्रद्धा ने कहा कि मेरा एग्जाम है मैं नहीं आ सकती हूं।

जिस पर इशिता ने कहा कि तुम्हारे लिए सरप्राइज है, दो मिनट को बाहर आ जाओ। श्रद्धा बाहर आई इसके बाद दोनों के बीच कुछ पल की बातचीत हुई और श्रद्धा वापस जाने लगी। इस बीच इशिता ने श्रद्धा पर तेजाब फेंक दिया। अचानक तेजाब पड़ते ही श्रद्धा चीख पड़ी, शोर सुनकर मां सहित अन्य परिजन बाहर आए तो देखा कि श्रद्धा छटपटा रही थी, मां उसे बाथरूम में ले गई और पानी डाल दिया। इसके बाद निजी अस्पताल ले गये, जहां पर श्रद्धा की हालत को देखते हुए भर्ती कर लिया गया। घटना के बाद कालोनी में हड़कम्प मच गया, यहां तक कि लोग घरों से बाहर आ गये। सूचना पाकर पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंच गये, घटना के बाद इशिता साहू को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं उसके माता-पिता मौके से भाग गए हैए जिनकी पुलिस द्वारा सरगर्मी से तलाश की जा रही है।

दोनों के बीच एक माह से बंद थी बातचीत

पुलिस को पूछताछ में पता चला है कि श्रद्धा के पिता पेरुलाल दास रेलवे में कार्यरत है। मां ज्योत्सना दास ने बताया कि वे वर्ष 2013 से कालोनी में निवासरत है। उस वक्त बच्चे छोटे थे तो आपस में बातचीत होती रही, लेकिन करीब एक माह से श्रद्धा का इशिता से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद से दोनों के बीच बातचीत बंद रही। पुलिस को पूछताछ में मां ज्योत्सना ने बताया कि इशिता शुरू से ही श्रद्धा से ईर्ष्या रखती थी। श्रद्धा के पास सब कुछ था लेकिन इशिता के पास कुछ नहीं, जो चीजें श्रद्धा के पास थी, वह सब कुछ इशिता भी चाहती थी। जिसके चलते इशिता ने ईर्ष्या के चलते एसिड अटैक किया है।

आरोपी इशिता की मां ने बातचीत के लिए बनाया था दबाव

चर्चा है कि इशिता की मां ने करीब दो माह पहले श्रद्धा को फोन करके कहा था कि उससे बातचीत कर ले। जिस पर श्रद्धा ने कहा था कि मैं अपने काम में व्यस्त रहती हूं, जब वक्त मिलेगा तो बात कर लेगें। श्रद्धा ने इशिता का फोन नम्बर ब्लाक कर दिया था, जिसके चलते इशिता की मां ने अपने नम्बर से फोन किया था। बहरहाल पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रहीं है।

जॉय स्कूल के संचालक अखिलेश पत्नी व बेटे सहित गिरफ्तार

बहु ने लगाये थे धर्मांतरण के आरोप

जबलपुर,देशबन्धु। विजय नगर स्थित जॉय स्कूल के खिलाफ अखिलेश मेबिन,उनकी पत्नी व बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बहू ने सास-ससुर व पति ने धर्मांतरण के लिए प्रताड़ित किये जाने के आरोप लगाये थे। बजरंग दल व हिंदूवादी संगठन ने कार्यकर्ताओं ने स्कूल का घेराव व तालाबंदी करने पहुंचे थे। पुलिस बल ने बैरिकेड लगाकर रोकने का प्रयास किया। इस दौरान धक्का-मुक्की की स्थिति भी निर्मित हुई।

विजय नगर स्थित जॉय सीनियर सेकेंडरी स्कूल के संचालक अखिलेश मेबिन की बहू आकांक्षा अरोरा ने महिला थाना पुलिस को लिखित में शिकायत में आरोप लगाये थे कि ससुर, सास व पति ने जबरन धर्मांतरण करवाया है। इतना ही नहीं मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित भी किया। जिसके चलते 2020 में तनय से उसने तलाक ले लिया और अपने माता-पिता के घर आदर्श नगर में रहने लगी। आकांक्षा अरोरा ने जिस तरह से अखिलेश मेबिन के साथ-साथ उसकी पत्नी व बेटे के खिलाफ आगे आकर एफआईआर दर्ज कराई है, उसकी हिंदू संगठनों ने तारीफ की है। धर्मांतरण के विरोध में बजरंग दल के 50 से अधिक कार्यकर्ता जॉय स्कूल तालाबंदी करने के लिए पहुंचे। जिन्हे पुलिस ने रास्ते में बल पूर्वक रोक लिया। इस दौरान जोष अजमाईस की स्थिति भी निर्मित हुई। महिला पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

जबलपुर में युवक को तालिबानी सजा, वीडियो वायरल

निर्वस्त्र कर पीटा, जांच में जुटी पुलिस

जबलपुर,देशबन्धु। शहर में एक युवक को तालिबानी सजा दी गई है। युवक को निवृस्त्र कर बुरी तरह पीटा गया उसके बाद वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। उक्त वीडियो ग्वारीघाट क्षेत्र के बताए जा रहे है। जिसे संज्ञान में लेते हुए पुलिस ने अपनी जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो को पुलिस ने जब प्रारंभिक जांच की तो पता चला कि जबलपुर निवासी सूर्या मलिक के इंस्टाग्राम पेज से यह वीडियो अपलोड किया गया है। हालांकि जिस युवक के साथ यह कृत्य किया गया है वह कौन है, लड़के उसे क्यों मार रहे हैं, अब तक इसका खुलासा नहीं हो सका है। बहरहाल पुलिस मामले की जांच की जा रही है। जानकारी अनुसार 15 व 13 सेकेंड के दो वीडियो वायरल हुए हैं, जिसमें लिखा है कि ओनली सेन साहब ग्वारीघाट में पीटते हुए, पापा बोलो बेटा पापा। दूसरे वीडियो मे लिखा है कि ओनली सूर्या मलिक शहर में। वायरल वीडियो में कुछ लड़के एक युवक को निर्वस्त्र करके पीट रहे है। वीडियो में देखा जा सकता है कि दबंगई दिखाने के लिए बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया है पुलिस अधिकारियों को इस बात की खबर मिली तो ग्वारीघाट थानाप्रभारी को मामले की जांच के निर्देश दिये।

दो जुआ फड में पुलिस की दबिश

जबलपुर,देशबन्धु। तिलवारा व अधारताल पुलिस ने अपने-अपने क्षेत्रों के जुआं फड़ों पर दबिश देकर 14 जुआड़ियों को दबोचा है। जिनके पास से पुलिस ने ताश के 52 पत्ते व 45 हजार चार सौ रुपये की नगदी जब्त की है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्यवाही की है।

तिलवारा पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर ग्राम घुंसौर में पारस धर्मकांटा के पास दबिश दी गई। जहां बिजली के खम्बें के नीचे कुछ लोग ताश पत्तों पर हार जीत का दांव लगा रहे थे। पुलिस ने मौके से मुकेश चौरसिया उम्र 35 वर्ष निवासी आईटीआई माढ़ोताल, रूपचंद पटेल उम्र 35 वर्ष निवासी गणेश नगर लार्डगंज, हनु चौरसिया उम्र 19 वर्ष निवासी आईटीआई माढ़ोताल, सचिन यादव उम्र 21 वर्ष निवासी भोलानगर ग्रीनसिटी माढ़ोताल, अभिषेक पुरी गोस्वामी उम्र 23 वर्ष निवासी ग्रीनसिटी माढ़ोताल, राजा विश्वकर्मा उम्र 29 वर्ष निवासी बजरंग नगर माढ़ोताल, अनिकेत सैन उम्र 28 वर्ष निवासी बधैया मोहल्ला गोहलपुर, ब्रजेश माली उम्र 27 वर्ष

दांव लगाते 14 पुलिस गिरफ्तार में

निवासी काली मंदिर गोहलपुर, शैलेष अग्रवाल उम्र 58 वर्ष निवासी आरटीओ कार्यालय के पास माढ़ोताल, सचिन पटेल उम्र 34 वर्ष निवासी दीक्षितपुरा कोतवाली को हिरासत में लिया।

जिन्होंने पूछताछ में बताया कि उक्त जुआ फड़ सुशील कोल निवासी बड़ी उखरी थाना लार्डगंज के द्वारा संचालित किया जाता है तथा सुशील कोल पुलिस को देखकर भाग गया है। पुलिस ने जुआड़ियों एवं फड़ से ताश के 52 पत्तें तथा 41 हजार 500 रूपये जप्त किये।

इसी प्रकार अधारताल पुलिस ने छोटी खेरमाई मंदिर के पास भट्ठा मोहल्ला में दबिश दी। जहां से पुलिस ने नन्हें करिया चौधरी उम्र 58 वर्ष निवासी कंचनपुर चौधरी मोहल्ला, आनंद यादव उम्र 23 वर्ष निवासी पुराना कंचनपुर, पप्पू उर्फ संजय दुबे उम्र 40 वर्ष निवाली इमली चौराहा कंचनपुर, सुशील पटैल उम्र 37 वर्ष निवासी कंचनपुर पटैल आटा चक्की के सामने अधारताल को हिरासत में लिया। जिनके पास से 39 सौ रुपये की नगदी जप्त की। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ जुआं एक्ट के तहत कार्यवाही की।

चोरी की रेत ले जाते डम्पर पकड़ाया

गोसलपुर पुलिस की कार्यवाही

जबलपुर,देशबन्धु। गोसलपुर पुलिस ने चोरी की रेत लेकर जा रहीं एक डम्पर चालक को खिन्नी रोड पर धर दबोचा। पुलिस ने मय रेत के डम्पर जप्त करते हुए मप्र खान खनिज अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए चालक को हिरासत में लिया है।

पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर खिन्नी रोड पर दबिश दी गई। जहां बिना नंबर प्लेट का एक डम्पर रेत लेकर आ रहा था। जिसके चालक ने अपना नाम राम गोपाल बर्मन उम्र 28 वर्ष निवासी ग्राम मुरैठ थाना सिहोरा बताया। डंपर में भरी रेत के संबंध में पूछताछ करने पर दस्तावेज नहीं होना बताया एवं मुरैठ घाट से उक्त रेत चोरी भरकर लाना बताया। आरोपी ने डम्फर मालिक का नाम रोहित शर्मा निवासी मेरठ बताया। पुलिस ने मय रेत के डम्पर जप्त करते हुए आरोपी के खिलाफ कार्यवाही की।

32 आरोपी शराब तो सात आरोपी अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार

जबलपुर,देशबन्धु। पुलिस को चकमा देने वाले गुण्डे-बदमाशों के खिलाफ चलाई जा रहीं काम्बिंग गश्त के दौरान बीती रात पुलिस ने 286 वारंट तामील कराये। इस दौरान पुलिस की अलग-अलग टीमों ने अवैध शराब के साथ 32 आरोपियों को दबोचा। जिनके पास से डेढ़ सौ लीटर कच्ची व 128 पाव देशी शराब जप्त की। इतना ही नहीं सात बदमाशों को अवैध हथियारों के साथ पुलिस ने दबोचा है।

उल्लेखनीय है कि एसपी संपत उपाध्याय द्वारा शहर में कानून व्यवस्था सुदृढ़ करने एवं अपराधों की रोकथाम हेतु गुंडे, बदमाशों एवं असामाजिक तत्वों के विरूद्ध उनके आपराधिक रिकार्ड को दृष्टिगत रखते हुए प्रतिदिन प्रतिबंधात्मक कार्यवाही कराई जा रही है। वहीं थानों में लंबित वारंटो की तमीली तथा मामलों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी, संपत्ति संबंधी अपराधों की रोकथाम के लिए कॉम्बिंग गश्त के आदेश दिये गये है। जिसके परिपालन में बीते दिवस दोपहर 12 बजे से एएसपी आनंद कलादगी, एएसपी समर वर्मा, एएसपी ग्रामीण सूर्यकांत शर्मा तथा समस्त नगर पुलिस अधीक्षकों-उप पुलिस अधीक्षक, एसडीओपी के मार्ग निर्देशन एवं उपस्थिती में समस्त थाना प्रभारी शहर एवं देहात द्वारा हमराह स्टाफ के कॉम्बिंग गस्त की गयी। टीमों द्वारा जिले भर में छापेमारी करते हुये बड़ी सफलता प्राप्त की है। कॉम्बिंग गश्त के दौरान वारंटी एवं लंबित मामलों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु शहर एवं देहात के थानों में पदस्थ अधिकारी एवं कर्मचारियों की 81 टीमें बनाई गई, एक टीम के प्रभारी थाना प्रभारी स्वयं थे, अन्य टीम के प्रभारी उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक स्तर के अधिकारी थे। पुलिस ने इस दौरान कई वर्षों से फरार 124 गैर म्यादी वारंटियों एवं 119 गिरफ्तारी वारंट तामील कराये तथा 43 जमानती वारंट भी तामील किए गए है। अधिकांश आरोपी लंबे समय से पुलिस से बचते फिर रहे थे, उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। इसके साथ ही अवैध शराब कारोबारियों के ठिकानों पर दबिश देते हुए 32 आरोपियों को गिरफ्तार कर 150 लीटर कच्ची तथा 128 पाव देशी-विदेशी शराब जब्त की गयी है। वहीं चाकू रखकर घूमते हुए 7 आरोपियों को दबोचा गया।

मुख्यमंत्री बाल श्रवण योजना में भ्रष्टाचार का आरोप

हाईकोर्ट ने शासन व स्वास्थ्य विभाग से मांगा जवाब

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने मुख्यमंत्री बाल श्रवण योजना में भ्रष्टाचार के आरोप को गंभीरता से लिया। युगलपीठ ने मामले में राज्य शासन, मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, मिशन डायरेक्टर, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जबलपुर व डीआईएम सुभाष शुक्ला को शपथ पत्र पर जवाब पेश करने के निर्देश दिये है। इसके लिए 14 जुलाई से पूर्व तक का समय दिया गया है। युगलपीठ ने भ्रष्टाचार की शिकायत को लेकर अब तक की गई कार्रवाई का शपथ पत्र सक्षम अधिकारी को प्रस्तुत करने के दिशा-निर्देश दिये हैं।

यह जनहित का मामला याचिकाकर्ता शिवसेना नेता जबलपुर निवासी शैलेंद्र बारी की ओर से दायर किया गया है। जिनकी ओर से अधिवक्ता अमिताभ गुप्ता ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि दिव्यांग बच्चों के लिए कॉक्लियर इम्प्लांट की खरीद और उपयोग के संबंध में व्यापक अनियमितता की गई है। क्रय किये गये इम्प्लांट घटिया गुणवत्ता के थे। सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से शासकीय अधिवक्ता ने अवगत कराया कि मुख्यमंत्री बाल श्रवण योजना में कथित अनियमितता के संबंध में लेखा-परीक्षा आपत्ति उठाई गई थी और सक्षम प्राधिकारी यानि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने पहले ही कार्रवाई शुरू कर दी है और कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जवाब प्राप्त हो गया है और मामला सक्षम प्राधिकारी के सक्रिय विचाराधीन है। उन्होंने कहा कि चूंकि सक्षम प्राधिकारी ने पहले ही कार्रवाई शुरू कर दी है, इसलिए इस रिट याचिका में नोटिस जारी करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

उन्होंने पूर्व-सूचना चरण में उठाए गए कदमों का खुलासा करते हुए शपथ-पत्र प्रस्तुत करने के लिए समय मांगा। कोर्ट ने मांग स्वीकार करते हुए 14 जुलाई से पूर्व कार्रवाई संबंधी शपथ-पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिये है। मामले में जनहित याचिकाकर्ता के अनुसार मुख्यमंत्री बाल श्रवण योजना के अंतर्गत बोलने सुनने में दिव्यांग बच्चों के लिये उपयोग किए जाने वाले घटिया स्तर के कॉक्लियर इम्प्लांट्स की खरीद और उपयोग की अनियमितता की गई। इस योजना में जन्मजात बहरे दिव्यांग बच्चों के उपचार हेतु कॉक्लियर इम्प्लांट ऑपरेशन करने के बाद उनकी फालोअप थेरेपी किए बिना ही निजी संस्था को उसका भुगतान करने से शासन द्वारा किया गया दो करोड़ 28 लाख रुपये का व्यय निष्फल हो गया है। बिना इलाज के सरकार से इलाज के पैसे वसूलने का मामला गंभीर प्रकृति की वित्तीय अनियमितता है। प्रदेश के दिव्यांग बच्चों में सुनने की क्षमता विकसित करने हेतु वर्ष 2016 में का क्लियर इम्प्लांट आपरेशन किए जाने के चार साल बाद वर्ष 2020 में जबलपुर में पदस्थ डीआइएम सुभाष शुक्ला द्वारा भोपाल स्थित संस्था से साठगांठ कर बिना बच्चों की फोलोअप चिकित्सा के फालोअप की राशि का भुगतान करने हेतु नोटशीट प्रस्तुत कर फर्जी भुगतान कराया गया। आरोपों को गंभीरता से लेते हुए न्यायालय ने उक्त निर्देश दिये।

उम्रकैद की सजा चार साल में तब्दील

हाईकोर्ट ने पाया कि दुष्कर्म नहीं हुआ, यौन शोषण हुआ

जबलपुर,देशबन्धु। हाईकोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को दी गई उम्रकैद को 4 वर्ष के कारावास में तब्दील कर दिया। हाईकोर्ट ने पाया कि आरोपी ने यौन शोषण किया है, लेकिन दुष्कर्म नहीं किया। जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस एके सिंह की युगलपीठ ने कहा कि मेडिकल रिपोर्ट में भी पीड़िता को किसी तरह की अंदरूनी या बाहरी चोट नहीं है। इसलिए पॉक्सो की धारा 3 नहीं वरन धारा 7 के तहत दोषी करार देकर 4 वर्ष की सजा उचित है। सिंगरौली निवासी विन्द्रोस राव की ओर से अधिवक्ता महेश प्रसाद शुक्ला ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि पॉक्सो अदालत ने आरोपी को 11 सतंबर 2023 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है, जोकि अनुचित है। उन्होंने दलील दी कि केवल डीएनए रिपोर्ट के आधार पर सजा दी गई। मेडिकल जांच में पीड़िता के शरीर में कहीं भी अंदरूनी या बाहरी चोट नहीं पाई गई है। पीड़िता की नानी ने भी अपने बयान में कहा कि उसने पुलिस के दबाव में आकर आरोप लगाया है।

अपहरण कर फिरौती मांगने वालों को उम्रकैद की सजा

आठ-आठ हजार का जुर्माना भी लगाया

जबलपुर। अपर सत्र न्यायाधीश विपिन सिंह भदौरिया की अदालत ने अपहरण करने के मामले के आरोपी उमरिया निवासी अंकित सिंह परिहार और रीवा निवासी सुलभ प्रताप सिंह, धनंजय सिंह बघेल व विपिन सिंह का दोषी करार दिया है। अदालत ने चारों आरोपियों को आजीवन कारावास व आठ-आठ हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

मामले में अभियोजन की ओर से अपर लोक अभियोजक प्रमोद कुमार पांडे ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि पनागर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध किया था। चारों ने एक राय होकर नौ मार्च 2023 को राहुल राज चौहान का पठानी मोहल्ला, पनागर से अपहरण कर लिया था। जबलपुर से रीवा ले जाने के बाद फिरौती की मांग करने लगे। अपहरण के दौरान व बाद में बेसबॉल के डंडे से मारपीट की गई थी। पूरे मामले का अवलोकन करने के बाद अदालत ने चारों आरोपियों को दोषी करार देते हुए उक्त सजा सुनाई।

माता-पिता के जीवन-मूल्य ही रहे प्रगति के मूल आधार

विदाई समारोह में बोले हाईकोर्ट जस्टिस संजय द्विवेदी

जबलपुर,देशबन्धु। मप्र हाईकोर्ट से सेवानिवृत्त हुए जस्टिस संजय द्विवेदी ने कहा कि माता-पिता द्वारा सिखाए गए जीवन-मूल्य और मार्गदर्शन के कारण ही जीवन में प्रगति कर पाया हूं। न्यायमूर्ति दीपक वर्मा ने मेरे मेंटर की भूमिका निभाई। उनके अलावा वरिष्ठ अधिवक्ता एनएस काले और जस्टिस जेके माहेश्वरी का समय-समय पर अमूल्य दिशा-दर्शन मिला। वे अपने सम्मान में हाईकोर्ट प्रशासन द्वारा आयोजित विदाई समारोह में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि हाई कोर्ट जज के रूप में अपना सर्वोत्तम देने का हर संभव प्रयास किया। बिना किसी पूर्वाग्रह के भेदभाव रहित न्यायदान प्रक्रिया को गति दी। मैंने बार को जितना दियाए उससे अधिक प्रतिध्वनित होकर मुझे वापस मिला। इस अवसर पर हाईकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा ने कहा कि सेवानिवृत्त हुए जस्टिस संजय द्विवेदी ने 2018 से लेकर 2025 तक के अपने समग्र कार्यकाल में 32 हजार से अधिक आदेश पारित किए। न्यायदान के समानांतर हाईकोर्ट की प्रशासनिक व्यवस्था के सुचारू संचालन में भी उनकी महनीय भूमिका सराहनीय रूप में

परिलक्षित हुई। जिससे स्पष्ट है कि कि हाईकोर्ट से एक अच्छे न्यायमूर्ति की विदाई हो रही है। विदाई समारोह में महाधिवक्ता प्रशांत सिंह, स्टेट बार चेयरमैन राधेलाल गुप्ता, हाईकोर्ट बार अध्यक्ष धन्य कुमार जैन, हाईकोर्ट एडवोकेट्स बार अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता संजय अग्रवाल, सीनियर एडवोकेट्स काउंसिल की अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा मेनन ने जस्टिस द्विवेदी का व्यक्तित्व-कृतित्व रेखांकित किया।

दलदल से सनी सड़क, चलना मुश्किल

व्यावसा औरजुगिया गांव के ग्रामीण परेशान

पाटन, देशबन्धु। जिले के पाटन मुख्यालय में आज भी ऐसे कई गांव देखने को मिल जाएंगे जहां पक्की सड़क नहीं है और वहां निवास करने वाले ग्रामीण कीचड़ से सनी दल दल वाली सड़क पर रेंगते हुए दिख जाते हैं। आज हम बात कर रहे है।

पाटन जनपद कार्यालय से महज पांच किलोमीटर की दूरी पर स्थित व्यावसा से जुगिया गांव की जहां डेढ़ किलोमीटर की सड़क है और सड़क पर कीचड़ ही कीचड़ दिखाई पड़ता है। गांव वालों ने इसकी शिकायत सरपंच से लेकर जिला कलेक्टर और सीएम हेल्पलाइन में दर्ज करा चुके हैं लेकिन शासन प्रशासन सहित सांसद,विधायक तक ग्रामीणों की पीड़ा नहीं समझ रहे हैं। डरे सहमे लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि हम लोगों को बारिश के मौसम में बस एक ही डर सताता है कही गांव में कोई बीमार ना हो जाए वही बच्चों के दिलों दिमाक पर यही चिंता रहती है कि कही तेज बारिश ना हो जाए नहीं तो स्कूल फिर कैसे जाएंगे। इसके अलावा यदि गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी कोई इमरजेंसी आ जाए तो गांव तक जननी एक्सप्रेस कैसे पहुंचेगी। इन सभी समस्याओं का निदान शासन प्रशासन के पास है लेकिन वे अपनी जवाबदेही से मुंह मोड़ रखा है। जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते बारिश का समय ग्रामीण नर्क जैसी जिंदगी जीने को विवश है। ग्रामीणों ने प्रशासन से गुहार लगाई है कि गांव की पक्की सड़क जल्द से जल्द बना दी जाए जिससे कि वियोसा गांव के लोगों को होने वाली परेशानी से निजात मिल सके।

इनका कहना

जब इस संबंध में गांव की सरपंच से बात की गई तो उन्होंने बताया कि करीब डेढ़ किलोमीटर का रास्ता जुगिया से व्यवसा तक खराब है। ग्रामीणों द्वारा जिला कलेक्टर, जनपद पंचायत सीईओ सहित एसडीएम साहब को लिखित शिकायत कर चुके है। लेकिन आज तक इस ओर जनप्रतिनिधि एवं शासन प्रशासन में बैठे अफसरों ने कोई ध्यान नहीं दिया।

अभिलाषा अजय चढ़ार, सरपंच, मेघाराम पंचायत पाटन

पाटन निकाय की तीन कचरा गाड़ियां खराब, एक के सहारे नगरवासी

पाटन, देशबन्धु। नगर की सफाई व्यवस्था अब राम भरोसे ही चलेगी क्योंकि पाटन नगर वासियों ने भारी बहुमत से राम के नाम पर सत्ताधारियों को जिताकर नगर में रामराज्य की स्थापना कर दी है।

अब नगरवासियों को निकाय की अनियमितताएं की शिकायत करने से भी डर लगने लगा है। यही वजह है कि डोर-टू-डोर कचरा इकट्ठा करने वाली निकाय की 03 गाड़िया लगभग एक वर्ष से मेंटेनेंस के अभाव में परिषद की पार्किंग में खड़ी खड़ी कंडम हो रही थी तभी निकाय प्रशासन ने विगत दिनों रिपेयरिंग के लिए एक गाड़ी आनंद नगर रद्दी चौकी,अन्य एक वाहन को पुराना बस स्टेंड जबलपुर में खड़ी की गई है। गैरेज का भुगतान नहीं होने से मिस्त्री ने उक्त दोनों गाड़ियों का काम रोक दिया है। वही अन्य तीसरी गाड़ी गुरुपिपरिया कचरा प्लांट पर कबाड़ होने के लिए निकाय प्रशासन ने खड़ी करा दी है जिससे आने वाले समय में उक्त वाहन को कौड़ियों के भाव खुर्द बुदुर्ग किया जा सके। इस बीच खराब गाड़ियों के ड्राइवरों ने भी निकाय प्रबंधन से साफ साफ कह दिया है कि जब तक गाड़ियां पूरी तरह से ठीक नहीं हो जातीं तब तक वे इन गाड़ियों को नहीं चलाएंगे।

गौरतलब है कि पाटन निकाय ने वर्ष 2017-2019-2021 एवं 2023 में 04 कचरा गाड़िया लगभग 25 से 28 लाख रुपए में खरीदी थी। इन गाड़ियों से ही निकाय क्षेत्र के रहवासी एरिया से डोर टू डोर कचरा कलेक्शन कराया जाता था। वही निकाय प्रशासन के द्वारा कच्चे एवं सिंगल स्टोरी मकान से 240 रु एवं डबल स्टोरी मकान से 460 रु वार्षिक टैक्स वसूला जाता है वही निकाय क्षेत्र की दुकानों और ढेले पर व्यापार करने वाले दुकानदारों से नगद 20 रुपए प्रति दिन के हिसाब से सफाई दरोगा नरेश प्यासी कचरा टैक्स की वसूली कर रहा है। निकाय रिकॉर्ड के अनुसार 783 दुकानें एवं लगभग 100 से अधिक हाथ ठेलों से प्रति दिन लगभग 20000 रु एवं मंथली छ लाख रुपए वही यदि वार्षिक कचरा कलेक्शन टैक्स की बात करे तो लगभग 72 लाख रुपए नगद टैक्स वसूली करने वाली निकाय के पास आज की स्थिति में सफाई कामगारों का वेतन देने पैसा नहीं है। आखिर 6 लाख रुपए हर महीने मिलने वाली राशि नरेश प्यासी के अलावा कहा कहा बंदर बाट हो रही है यह तो जांच का विषय है। सूत्र बता रहे है कि निकाय की कंडम हालत में खड़ी 03 कचरा गाड़ी की डीजल पर्ची भी बनाई जा रही है। और इन गाड़ियों पर कचरा कलेक्शन सिर्फ कागजों पर दर्शाकर निकाय की राशि का इन कर्मियों के द्वारा हेर फेर किया जा रहा है। जिस पर जिम्मेदारों ने मौन धारण कर रखा है।

वार्डों से कचरा कलेक्शन गाड़ी नदारद,वार्डवासी परेशान...

बताया जा रहा है कि पाटन निकाय के 15 वार्डों से कचरा कलेक्शन निकाय प्रशासन के द्वारा एक गाड़ी से कराया जा रहा है। एक गाड़ी निकाय के 15 वार्डो के हजारों घरों तक नहीं पहुंच पा रही हैं। हालत यह है कि लोगों ने घरों से निकला कचरा आसपास ही डालना शुरू कर दिया है। कचरा गाड़ी नहीं आने से रहवासियों ने रोड एवं खाली जगहों को कचरा अड्डा बना दिया। जिससे आम लोग बहुत परेशान हैं।

इनका कहना

जब इस संबंध में निकाय सीएमओ से बात की गई तो उन्होंने बताया कि विगत दिवस यह मामला मेरे संज्ञान में आया है। एक गाड़ी रिपेयरिंग के लिए गैरेज में भेजी है संभवत आज कल में मिल जएगी। वही दो अन्य कचरा गाड़ियों के बारे में जानकारी नहीं है। उनकी स्थिति के बारे में जायजा ले रहा हूं।

विक्रम सिंह झरिया, सीएमओ अतिरिक्त प्रभार पाटन

सार-समाचार

चुनौतियों भरे माहौल में सेहत का ध्यान रखना जरूरीः डॉ. मीनल वर्मा

जबलपुर, देशबन्धु। डॉक्टर डे पर केंद्रीय रेल अस्पताल में सेवा देने वाली डाक्टर मीनल वर्मा ने कहा है कि आज के आधुनिक जीवन में सेहत के विभिन्न आयामों में से सबसे महत्वपूर्ण आयाम पर्सनल केयर ही है। यह अत्यंत आवश्यक है कि हर महिला घर, कार्यक्षेत्र, परिवार की चुनौतियों के बीच खुद के लिये समय निकाले, अपने आप को अनदेखा न करें।

सही समय पर खुद की खोज कर स्वयं की देखभाल करने भर से हम फिजिकल और मानसिक दोनों स्तरों पर रोगों से मुक्ति भी पा सकेंगे और जीवन में अपने हर स्वप्न को पूरा करने की दिशा में अग्रसर हो सकेंगे। डा. मीनल वर्मा इंदौर की मूल निवासी हैं, आपने इंदौर से एमबीबीएस, डीजीओ जबलपुर से, डीएनबी जयपुर से, यूपीएससी काम्बाइंड मेडीकल सर्विस 2018 में चयनित हुई, इसके बाद अब वर्तमान में आप जबलपुर के रेलवे अस्पताल में सेवा देकर मरीजों के उपचार में लगी हैं। चिकित्सा क्षेत्र में आपकी उत्कृष्ट सेवाओं से मरीजों का लाभ पहुंच रहा है।

सर्वोदय ब्राह्मण समाज सिहोरा की वार्षिक बैठक कल हरिओम कैफे में

सिहोरा, देशबन्धु। सर्वोदय ब्राह्मण समाज सिहोरा की आम जलसा/वार्षिक बैठक का आयोजन आज, 1 जुलाई 2025, मंगलवार को दोपहर 3ः00 बजे से किया जाएगा। यह बैठक हरिओम कैफे, पुराना एसडीओपी ऑफिस के पास, सिहोरा में आयोजित की जाएगी। समाज के महामंत्री जय प्रकाश तिवारी ने सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों से समय पर उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाने का आग्रह किया है।

मिथिलेश नामदेव (पुष्पा)

पनागर, देशबन्धु। पनागर वार्ड निवासी श्रीमती मिथिलेश नामदेव (पुष्पा) का बर्ष की आयु में निधन हो गया। आप गणेश नामदेव की पत्नी रही। अंतिम संस्कार बजरंग वार्ड देवरी स्थित शमशान घाट में किया गया।

अधिकारियों-सहकर्मियों ने सम्मान पूर्वक दी विदाई, ढोल-नगाड़ों के साथ लेने पहुंचे अपने

जगमोहन असाटी सेवानिवृत्त

मझौली/ पनागर, देशबन्धु। मझौली विकासखंड के संकुल केंद्र इंद्राना के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला मुडारी में पदस्थ वरिष्ठ शिक्षक श्री जगमोहन असाटी 30 जून को सेवा निवृत्त हो गए। उन्होंने शैक्षणिक क्षेत्र में लगभग 43 वर्षों तक अपनी निष्ठा और समर्पण से सेवा दी इस अवसर पर विद्यालय परिसर में एक गरिमामय सेवानिवृत्ति समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें संकुल प्राचार्य राकेश सोनी, क्षेत्र के शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे। समारोह में सभी ने श्री असाटी के लंबे सेवाकाल की सराहना की और उनके योगदान को अविस्मरणीय बताया। श्री असाटी ने अपने उद्बोधन में सभी सहयोगियों और विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया तथा शिक्षा के क्षेत्र में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि शिक्षक का जीवन केवल पढ़ाना नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने का कार्य है। कार्यक्रम में उन्हें स्मृति चिन्ह एवं शॉल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया।

शिक्षक नरेन्द्र सेन को दी विदाई

पनागर, देशबन्धु। शासकीय वरिष्ठ बुनियादी माध्यमिक विद्यालय, पनागर में सेवा दे रहे प्रभारी प्रधानाध्यापक श्री नरेन्द्र सेन 30 जून को सेवानिवृत्त हुए। नरेंद्र सेन ने शिक्षा क्षेत्र में 39 वर्षों की लम्बी और समर्पित सेवा दी है। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में दोपहर 2 बजे से विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में शिक्षकगण,

छात्र-छात्राएं, अभिभावक तथा स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित रहेंगे। श्री नरेन्द्र सेन ने अपने कार्यकाल में न केवल शिक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया, बल्कि विद्यालय के प्रशासनिक और नैतिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय परिवार ने उनके उज्ज्वल भविष्य और स्वस्थ जीवन की कामना की है।

कृषि विस्तार अधिकारी बीआर गोरखेड़े हुए सेवानिवृत्त

पाटन, देशबन्धु। अनुविभागीय कृषि कार्यालय पाटन में पदस्थ कृषि विस्तार अधिकारी बीआर गोरखेड़े के 37 साल 10 माह की शासकीय सेवा से आज सेवा निवृत कार्यक्रम आयोजित किया गया श्री गोरखेड़े के सेवानिवृति कार्यक्रम के दौरान उप संचालक कृषि डॉ एसके निगम ने उन्हें आगामी पारिवारिक दायित्वों के सुचारू निर्वहन हेतु शुभकामनाएं दी। अनुभाग पाटन की एसडीओ डॉ इंदिरा त्रिपाठी ने भी श्री गोरखेड़े के सेवानिवृति क्लैम के आदेश दिए एवं स्वस्थ शासकीय सेवाकाल के लिए बधाई दी।

पीएमश्री शाला बघराजी के प्राचार्य हुए सेवानिवृत दी गई विदाई

कुंडम, देशबन्धु। बघराजी पीएमश्री शासकीय शाला के प्रभारी प्राचार्य सुशील दहिया शिक्षा विभाग में अपनी 43 वर्ष की सेवाएं देने के साथ सेवानिवृत हुए। शाला में विदाई समारोह मनाया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला पंचायत जबलपुर की अध्यक्ष आशा मुकेश गोटिया, डॉ. आरके चनपुरिया, पूर्व प्राचार्य एम बागड़ी, खेल प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष राजेश सोनी, कन्या शाला प्राचार्य शिवकुमार झारिया, जनपद सदस्य ज्योति मुकेश बर्मन, संजय पाठक की गर्म में उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ। उनके सम्मान में खबरा निवासी सुशील शर्मा द्वारा रचित अभिनंदन पत्र शाला परिवार एवं अतिथियों ने उन्हें भेट कर भव्य स्वागत और सम्मान किया।

प्रमोशन नहीं, उपयंत्री, लिपिक और समयपाल मूल पद से ही सेवानिवृत्त

गांधीग्राम, देशबन्धु। लोक निर्माण विभाग संभाग क्रमांक एक में कार्यरत उपयंत्री आर.के. सोनी, लिपिक संतोष दुबे और समयपाल अरुण विश्वकर्मा आज अपने मूल पदों से ही सेवानिवृत्त हो गए. चौंकाने वाली बात यह है कि 38 से 39 साल की लंबी सेवा अवधि के बावजूद इन कर्मचारियों को एक भी पदोन्नति नहीं मिली। सेवानिवृत्ति कार्यक्रम के दौरान अधीक्षण यंत्री डीके कौरव, कार्यपालन यंत्री शिवेंद्र सिंह, अनुविभागीय अधिकारी हर्ष जी, मनीष ठाकुर, आशुतोष वर्मा, प्रीति यादव और डीए उपस्थित रहे। उन्होंने सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्वीकृत पेंशन, जीपीएफ, ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण के आदेश मौके पर ही सौंपे। इस अवसर पर मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ, जबलपुर के जिलाध्यक्ष अटल उपाध्याय, राजेंद्र त्रिपाठी, नितिन सेलट, श्रीमती मुक्ता ठोसर, रीता रानी, गुलाब कोस्टा, सुनील गुप्ता, एस. अमोलक, दीपक चड्ढा, अतुल खरे और बी.के. तिवारी भी मौजूद रहे। इस घटना ने सरकारी विभागों में पदोन्नति नीति और कर्मचारियों के कॅरियर विकास पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मध्यप्रदेश की राजनीति का सबसे दबंग चेहरा हैं पटवारी

पाटन, देशबन्धु। हाल ही में मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ अशोकनगर जिले के मुंगावली थाने में दर्ज हुई स्न्ह्रक्रने एक बार फिर उन्हें सुर्खियों में ला दिया है। यह एफआईआर उसी युवक ने दर्ज कराई है, जिसने दो दिन पहले पटवारी से मुलाकात कर सरपंच पति और बेटे पर गंदगी खिलाने का आरोप लगाया था। उस समय जीतू पटवारी ने तत्काल कलेक्टर को फोन कर कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन अब युवक अपने बयान से पलट गया है।

इस घटनाक्रम को मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राजनीति से प्रेरित और सत्ता के दुरुपयोग का जीवंत प्रमाण बताया है, जो कहीं न कहीं जीतू पटवारी की बढ़ती हुई राजनीतिक साख और दबंग छवि को रेखांकित करता है। यह पहला मौका नहीं है जब पटवारी को झूठे मामलों में फंसाने की कोशिश की गई है, जो इस बात का संकेत है कि भाजपा सरकार उनके बढ़ते राजनीतिक कद से चिंतित है।

वंचितों/पीड़ितों की सशक्त आवाज -जीतू पटवारी ने इस पूरे मामले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पीड़ित व्यक्ति पहले कलेक्टर के पास गया, मीडिया में गया और आत्महत्या का प्रयास भी किया। उनके पास आने पर उन्होंने पूरी बात सुनी, कलेक्टर को मौके से फोन किया और पीड़ित की सहमति से ही वीडियो अपलोड किया। पटवारी का यह बयान उनकी उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि वह पीड़ितों की आवाज उठाना अपना दायित्व समझते हैं। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा सरकार दलितों और वंचितों पर लगातार बढ़ते अत्याचारों के बीच इस वीभत्स घटना को दबाने का प्रयास कर रही है। यह आरोप इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि जीतू पटवारी ने लगातार दलितों, आदिवासियों, महिलाओं और वंचित वर्ग पर होने वाले अत्याचारों के खिलाफ मुखर आवाज उठाई है। उनकी यह भूमिका उन्हें मध्य प्रदेश की राजनीति में वंचितों और शोषितों के सबसे मजबूत पैरोकार के रूप में स्थापित करती है। वे केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं रहते, बल्कि मैदान में उतरकर सरकार से सीधी लड़ाई लड़ते हैं, जैसा कि इस मामले में कलेक्टर को मौके पर फोन करने से स्पष्ट होता है।

डरी भाजपा ने की दबाव की राजनीति -कांग्रेस ने इस बात पर गहरा आश्चर्य व्यक्त किया है कि जिस व्यक्ति ने पहले वीडियो में अपने साथ हुई क्रूरता का विस्तार से वर्णन किया था और उसे सोशल मीडिया पर साझा करने की सहमति भी दी थी, उसी के हाथ में अब शपथ पत्र थमा दिया गया है। कांग्रेस इसे न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा नहीं, बल्कि सत्ता के संरक्षण में चल रहा भय का तंत्र मानती है। यह घटना दर्शाती है कि जीतू पटवारी के नेतृत्व में कांग्रेस भाजपा सरकार के सामने एक मजबूत विपक्षी दल के रूप में खड़ी है, जो सत्ता के दुरुपयोग और दबाव की राजनीति के खिलाफ आवाज़ उठाने से नहीं डरती। कांग्रेस ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यह शपथ पत्र दबाव, डर और राजनीतिक प्रतिशोध की उपज है। एक दलित युवक को न्याय की मांग करने पर चुप क्यों करवाया जा रहा है और सत्ता में बैठे लोग इतनी हड़बड़ी में एफआईआर क्यों करवा रहे हैं। यह सवाल सीधे तौर पर मध्य प्रदेश की कानून व्यवस्था और संवैधानिक मूल्यों पर सवाल खड़े करता है, जिसकी कमान स्वयं मुख्यमंत्री बनाम गृहमंत्री के पास है। कांग्रेस का यह दृढ़ रुख भी जीतू पटवारी के नेतृत्व में पार्टी की आक्रामकता और दृढ़ता को दर्शाता है।

गुरु पूर्णिमा पर्व को लेकर बैठक आयोजित

गोसलपुर । नगर के समीपी रेलवे स्टेशन गोसलपुर के पीछे स्थित ब्रह्मलीन परमहंस स्वामी शिवदत्त जी महाराज के शिवदत्त धाम में नगर की सांई सेवा समिति के पदाधिकारी व सदस्यों की आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आगामी गुरु पूर्णिमा महोत्सव को भव्यता से मनाने व विशाल भंडारे के संदर्भ में चर्चा हुई। बैठक में प्रमुख रूप से पुरुषोत्तम चनपुरिया, जितेंद्र पालीवाल, विनोद पटेल, राम खत्री, बेडी साहू, अरुण पटेल, सुशील पटेल, अनूप सोनी, सुनील ठाकुर, संजय पटेल, मोंटी दुबे, मनीष साहू, मनीष पटेल, रोहित तिवारी, अर्पित चौबे, राज सोनी, सुरेंद्र श्रीवास, रवि सिंह ठाकुर, अजय बर्मन उपस्थित रहे।

आचार्यश्री विद्यासागर के 58वे दीक्षा दिवस पर हुआ आचार्य छत्तीसी विधान

पनागर, देशबन्धु। संत शिरोमणि आचार्यश्री 108 विद्यासागर के 58वें दीक्षा दिवस पर आज नगर के अतिशय क्षेत्र श्री शांतिनाथ जी बड़े मंदिर में आचार्य छत्तीसी विधान का आयोजन किया गया। समाज के प्रबंधकरनी के सदस्य रजनीश चौधरी, कल्याण जैन, हनी लग्जरी बड़े बाबा एवं आचार्यश्री के समक्ष दीप जलाकर विधान कार्य संपन्न हुआ। नगर के अन्य जैन मंदिर बजरिया जैन मंदिर बाजार स्थित श्री नेमिनाथ जिनालय जैन मंदिर श्री चंद्र प्रभु नायक मंदिर जी श्री चंदा प्रभु सिंघई मंदिर के मंदिर में भी आज आचार्य श्री के दीक्षा दिवस पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए।

J.B.F.A.

जबलपुर बॉयलर फार्मस् एसोसियेशन

मुर्गा छोटा - रु. 102

मुर्गा मीडियम - रु. 94

मुर्गा बड़ा - रु. 78

मुर्गा जम्बो - रु. 78

मो.-9039925000, 9425800409

सोनू पोल्ट्री

बड़ा ब्रॉयलर - रु. 74

मीडियम ब्रॉयलर - रु. 90

छोटा ब्रॉयलर - रु. 98

मोबाइल नं. 9300692405

ADMISSION OPEN

"THE MAIN AIM OF THE EDUCATION IS ALL ROUND DEVELOPMENT OF THE CHILD"

BULBUL KIDS KINGDOM High School

Uniform FREE

NURSERY, L.K.G., U.K.G. & 1st to 10th

न्यू राम नगर, अमखेरा रोड, अधारताल, जबलपुर

M: 9301408551, 9301408550, 6266655219

सीधे 10 वीं/12 वीं/कॉलेज के फार्म भरें

प्रवेश प्रारंभ

A Name of Quality Education

यश नर्सरी हा.से. स्कूल

ESTD- 2004

अधारताल/गोहलपुर, जबलपुर

➡ 9 वीं / 11 वीं फेल/पास सीधे 10 वीं/ 12 वीं करें।

➡ 12 वीं पास बी.ए./बी.कॉम./बी.एस.सी./बी.बी.ए./डी.एड./ आई.टी.आई./कॉलेज/एन.टी.टी. जैसे कोर्स करें।

➡ ग्रेजुएट छात्र-छात्रा बी.एड./बी.लिब./डी.फार्मा./बी.फार्मा./ जैसे रोजगारोन्मुखी कोर्स कम्प्यूटर कोर्स के रेग्यूलर/प्राइवेट फार्म भरें ।

स्टेट बैंक के पास, अधारताल तिराहा, जबलपुर

मो: 9303580611, 0761- 4111321

BHARAT VIDYA SHIROMANI AWARD, MEGA TIME 4 MEDIA & PRIME TIME अवार्ड से सम्मानित

महात्मा गांधी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन

केन्द्र व राज्य सरकार से मान्यता व म. प्र. मेडिकल एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर से सम्बद्धता प्राप्त

नर्सिंग	पैरामेडिकल	होम्योपैथी	एजूकेशन	लॉ
M.Sc. (N) PB. B.Sc. (N) B.Sc. (N) GNM (N) ANM (N)	B.M.L.T. D.M.L.T.	B.H.M.S.	D.Ed. B.Ed. M.Ed.	B.A.LL.B. LL.B. LL.M.

More Info : महात्मा गांधी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, मेन रेल्वे स्टेशन के पास, होटल कल्चुरी के सामने, साऊथ सिविल लाईन्स, जबलपुर (म.प्र.) Mob. 9300637079, 8103218415, 9893691462, 9200007079

डोनाल्ड ट्रंप के कराए सीजफायर पर ईरान को भरोसा नहीं, सऊदी अरब से बातचीत में इजरायल का जिक्र

इरना। मिडिल ईस्ट में फिलहाल संघर्ष थमा हुआ है, लेकिन खबरें हैं कि ईरान को इस सीजफायर पर भरोसा नहीं है। मुल्क का कहा है कि उसे संघर्ष विराम पर संदेह है और वह जवाबी हमले के लिए तैयार है। करीब दो सप्ताह तक इजरायल के साथ चले युद्ध के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 24 जून को दोनों मुल्कों में सीजफायर का ऐलान किया था। ईरान का कहना है कि उसे इस बात पर पूरा भरोसा नहीं है कि अमेरिका का कराया हुआ सीजफायर कब तक कायम रहेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ईरान के सशस्त्र बलों के प्रमुख अब्दुल रहीम मौसावी का कहना है, युद्धविराम समेत अन्य दायित्वों को लेकर हमें दुश्मन के प्रतिबद्धता पर गंभीर संदेह है। उन्होंने कहा, अगर आक्रमण फिर हुआ, तो हम कड़ा जवाब देने के लिए तैयार हैं। खबर है कि सऊदी अरब के रक्षा मंत्री खालिद बिन सलमान के साथ फोन पर बातचीत के दौरान मौसावी ने ये बातें कही हैं।

फिजी में गहराया एचआईवी संकट, संक्रमण से बच्चों की जा रही जान

सुवा, (आईएएनएस)। फिजी में एचआईवी की समस्या गंभीर होती जा रही है। पिछले साल एचआईवी की वजह से 126 लोगों की मौत हुई, जिनमें 8 बच्चे शामिल रहे। लाबासा में फिजी मेडिकल एसोसिएशन की एक बैठक में यूएनएड्स के प्रशांत सलाहकार रेनाटा राम ने ये चिंताजनक आंकड़े साझा किए। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे स्वास्थ्य सिस्टम की बेहद जरूरत है जो मजबूत, जिम्मेदार और नए तरीकों से काम करने वाले हों ताकि एचआईवी जैसी समस्याओं से बेहतर तरीके से निपटा जा सके। रेनाटा राम ने कहा कि फिजी में एचआईवी की स्थिति खराब हो रही है।

इसलिए इस साल की कांफ्रेंस का विषय फिजी में हेल्थकेयर के मानकों को मजबूत बनाना है। रेनाटा राम ने बताया कि फिजी में 2024 में सबसे ज्यादा एचआईवी के नए मामले सामने आए। 1,583 नए लोग एचआईवी पॉजिटिव पाए गए। यह 2023 की तुलना में 281 प्रतिशत की चौंका देने वाली वृद्धि को दर्शाता है, जिसमें 415 मामले देखे गए थे। 2018 के मुकाबले यह संख्या 500 प्रतिशत से भी ज्यादा बढ़ गई है, क्योंकि तब सिर्फ 131 मामले रिपोर्ट किए गए थे। 2024 में एचआईवी के 1,583 मामलों में से 1,542 वयस्क थे, लेकिन सबसे ज्यादा चिंता बच्चों के 41 मामलों की थी। इनमें से 32 बच्चे अपनी मां से एचआईवी संक्रमित हुए थे। यह संख्या 2023 के मुकाबले लगभग चार गुना ज्यादा है, जब सिर्फ 11 बच्चों में एचआईवी मिला था। रेनाटा राम ने जोर देकर कहा कि ये बढ़े हुए नंबर सिर्फ बेहतर टेस्टिंग की वजह से नहीं हैं। ये सच में एचआईवी के मामलों में असली तेजी से बढ़ोतरी को दिखाते हैं। उन्होंने बताया कि ज्यादातर लोगों को एचआईवी बहुत देर से पता चलता है, तब तक उनकी बीमारी पहले से काफी बढ़ चुकी होती है। इसका मतलब है कि रोकथाम, जांच और इलाज की सुविधाएं लोगों तक समय पर नहीं पहुंच पा रही हैं। रेनाटा राम ने कहा कि नए एचआईवी मामलों में से आधे से ज्यादा मामले युवा लोगों के बीच हो रहे हैं। इसके पीछे इंजेक्शन से नशा करने और खतरनाक यौन व्यवहार बढ़ रहा है। लेकिन ये बातें अक्सर लोगों को शर्म या डर के कारण छुपा लेनी पड़ती हैं।

उन्होंने कहा, यह समस्या सिर्फ स्वास्थ्य की नहीं है। यह समाज की बड़ी समस्याएं भी दिखाती है, जैसे गरीबी, महिलाओं के साथ हिंसा, और इलाज पाने में भेदभाव। रेनाटा राम ने फिजी सरकार की तारीफ की। उन्होंने कहा कि सरकार ने हाल ही में एचआईवी से लड़ने के लिए 10 मिलियन फिजी डॉलर का बजट रखा है। यह एक जरूरी कदम है, जो दिखाता है कि सरकार लोगों की सेहत और सम्मान की रक्षा करने के लिए गंभीर है।

सूडान में ढही सोने की खदान, 11 की मौत, 7 घायल

खार्तूम, (आईएएनएस)। उत्तर-पूर्वी सूडान में एक सोने की खदान ढहने से 11 लोगों की मौत हो गई और 7 लोग घायल हो गए। सरकारी खनिज संसाधन कंपनी ने यह जानकारी दी। रेड सी स्टेट में अत्बारा और हाया शहरों के बीच हौएद इलाके में स्थित केर्श अल-फील खदान में यह हादसा हुआ। कंपनी ने अपने बयान में बताया कि खदान ढहने से यह घटना हुई, लेकिन हादसे की तारीख का जिक्र नहीं किया गया। कंपनी ने कहा कि सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण खदान को पहले ही बंद करने का आदेश दिया गया था। लेकिन, इसने खनन गतिविधियों की निगरानी जारी रखने और सुरक्षा मानकों को बेहतर करने का वादा किया, साथ ही खनिकों से सुरक्षा और पर्यावरण नियमों का पालन करने की अपील की। सूडान में पारंपरिक खनन से सोने का एक बड़ा हिस्सा निकलता है, लेकिन खराब सुरक्षा मानकों और पुराने ढांचे के कारण क्षेत्र में अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं। कंपनी ने कहा कि उसने पहले ही खदान में काम रोक दिया था और इसके जोखिम के बारे में चेतावनी दी थी, क्योंकि यह जानलेवा खतरा पैदा कर सकता है। आधिकारिक और एनजीओ के अनुसार, सोने का लगभग सारा व्यापार संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के माध्यम से होता है। यूएई पर रैपिड सपोर्ट

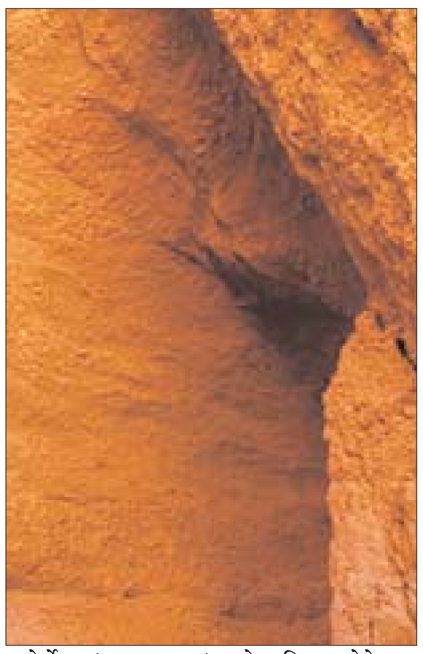

फोर्सेज (आरएसएफ) को हथियार देने का आरोप है, लेकिन यूएई इससे इनकार करता है। सूडान में युद्ध ने पहले ही कमजोर अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से तोड़ दिया है। करीब 15 लाख छोटे-मोटे खनिक (आर्टिसनल माइनर्स) सूडान के लगभग 80 प्रतिशत सोने का उत्पादन करते हैं।

आज का इतिहास

1820- मीयूज की मेल अखबार का पहला संस्करण प्रकाशित हुआ।

1822- दैनिक समाचार पत्र %मुंबई समचार% प्रकाशित हुआ। बॉम्बे समचार भारत का सबसे पुराना लगातार प्रकाशित होने वाला समाचार पत्र

1831- डमिरल जेम्स सी रॉस चुंबकीय उत्तरी ध्रुव पर पहुंच गया

1839- अब्दुल-मेद्जाद ने तुर्की के सुल्तान के रूप में महमूद द्वितीय का स्थान लिया।

1847- अमेरिका ने अपनी पहली डाक टिकटों (चित्रित) का प्रकाशन किया।

1866- रोमानिया का पहला संविधान शुरू किया गया।

1867- कनाडा के प्रांत, न्यू ब्रंसविक और नोवा स्कोटिया को कनाडाई परिसंघ में एकजुट करके ब्रिटिश उत्तरी अमेरिका अधिनियम लागू हुआ।

1874- रेमिंगटन नंबर 1 बिक्री पर चला गया, यह पहला व्यावसायिक रूप से सफल टाइपराइटर बन गया।

सुडोकू 6960

			5				6	
	1	5						7
8			9			5		
			7		6	3	8	
4								2
	8	3	2		9			
		9			2			1
5						4	2	
	6				3			

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

सीजफायर की उम्मीदों के बीच गाजा में इजरायली सैनिक की मौत

यरूशलम, (आईएएनएस)। उत्तरी गाजा पट्टी में एक इजरायली सैनिक की मौत की सूचना सामने आई है, जिसकी जानकारी इजरायली सेना ने दी है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार सेना ने बताया है कि 401वीं ब्रिगेड की 601वीं कॉम्बैट इंजीनियरिंग बटालियन के सार्जेंट यिसरायल नतन रोसेनफेल्ड (20) लड़ाई के दौरान मारे गए।

इजरायल के सरकारी स्वामित्व वाले कान टीवी ने बताया कि रोसेनफेल्ड की मौत जबालिया में एक विस्फोटक उपकरण की वजह से हुई। यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां सेना ने उत्तरी गाजा में एक नियोजित बफर जोन के हिस्से के रूप में चौकियों के निर्माण की तैयारी में इमारतों को ध्वस्त करना शुरू कर दिया था। जून की शुरुआत से गाजा पट्टी में 21 इजरायली सैनिक मारे गए हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर 2023 तक सैनिकों की मौत का आंकड़ा 880 तक पहुंच चुका था। इससे पहले रविवार को, फिलिस्तीनी सूत्रों ने उत्तरी गाजा में भारी बमबारी की सूचना दी। गाजा स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजरायली हमलों में करीब 88 लोग मारे गए और 365 घायल हो गए। इजरायली डिफेंस फोर्सेज ने गाजा के भीड़भाड़ वाले रिहायशी इलाकों के अलावा स्कूल, स्टेडियम और शरणार्थी टेंट को निशाना बनाया। यह हमला तब हुआ जब इजरायली सेना ने नई इवैक्युएशन वॉर्निंग जारी की। इस चेतावनी में गाजा शहर और जबालिया के निवासियों से तुरंत अल-मवासी क्षेत्र की ओर जाने को कहा गया। यह हमले ऐसे समय पर हुए, जब एक दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अगले हफ्ते तक सीजफायर का संकेत दिया था, लेकिन इजरायल की इस कार्रवाई ने इन उम्मीदों को धूमिल कर दिया है।

अमेरिका-इजरायल को हमले के सूत्रधार के रूप में चिन्हित करे एनएससी

ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराग्ची ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इजरायल और अमेरिका को ईरान के खिलाफ आक्रमण के सूत्रधार के तौर पर चिन्हित करने का आह्वान किया है। आधिकारिक समाचार एजेंसी के अनुसार,संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद अध्यक्ष कैरोलिन रोड्रिग्स-बिर्केट को लिखे एक पत्र में अराग्ची ने परिषद से अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने में जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया। ईरानी विदेश मंत्री ने इजरायल पर जानबूझकर ईरानी आवासीय भवनों,नागरिकों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का आरोप लगाया और हमलों को संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन और अंतरराष्ट्रीय कानून का खुल्लमखुल्ला उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि इजरायल और अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों को भी निशाना बनाया है - जो - संयुक्त राष्ट्र चार्टर, परमाणु अप्रसार संधि, और आईएईए के प्रस्तावों का गंभीर उल्लंघन है। ईरानी विदेश मंत्री ने जोर देकर कहा कि सुरक्षा परिषद को आक्रामकों को इसके प्रति जवाबदेह ठहराना चाहिए और ऐसे अपराधों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए कार्रवाई करनी चाहिए।

भूकंप के झटकों से हिला नेपाल, 3.9 रही तीव्रता

काठमांडू, (आईएएनएस)। नेपाल में सोमवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.9 थी। अचानक आए भूकंप के कारण लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, अभी तक जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, 30 जून 2025 को सुबह 8:24 बजे (भारतीय समयानुसार) नेपाल में भूकंप के झटके महसूस किए गए। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.9 थी। इसका केंद्र 29.24 उत्तरी अक्षांश और 81.77 पूर्वी देशांतर पर जमीन से 14 किलोमीटर की गहराई पर था। इससे पहले, 29 जून को दोपहर 2:19 बजे (भारतीय समयानुसार) नेपाल में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.2 थी। इसका केंद्र 29.35 उत्तरी अक्षांश और 81.94 पूर्वी देशांतर पर जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था। हालांकि, भूकंप के कारण जानमाल का नुकसान नहीं हुआ।

नेपाल के पड़ोसी देश तिब्बत में 23 मई की सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। भारतीय समयानुसार भूकंप 9 बजकर 27 मिनट और 27 सेकंड पर आया था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.2 मापी गई। इसकी गहराई 20 किलोमीटर थी। हालांकि, इससे किसी भी तरह के नुकसान की कोई खबर नहीं थी। नेपाल भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के बीच स्थित है, जिसके कारण यह भूकंप के लिए अत्यधिक संवेदनशील है। 2015 में गोरखा में आए 7.8 तीव्रता के भूकंप ने 8 हजार से अधिक लोगों की जान ले ली और लाखों लोग बेघर हो गए थे। नेपाल में हर साल औसतन छोटे-मध्यम के कई भूकंप आते हैं। हिमालय क्षेत्र में प्लेटों की टक्कर से लगातार तनाव जमा होता है, जो भूकंप का कारण बनता है। यहां अधिकांश इमारतें भूकंप-रोधी नहीं हैं, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और काठमांडू जैसे घनी आबादी वाले शहरों में। भूकंप अक्सर भूस्खलन को ट्रिगर करते हैं, जो पहाड़ी क्षेत्रों में नुकसान को बढ़ाते हैं।

दुश्मन ट्रंप और नेतन्याहू के खिलाफ फतवा जारी, मुसलमानों से क्या बोले ईरान के धर्मगुरु

ईरान के शीर्ष शिया धर्मगुरु ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ फतवा जारी किया है। उन्होंने उसमें दुनिया भर के मुसलमानों से एकजुट होने की अपील की है। 12 दिनों तक चलते ईरान और इजरायल के बीच जंग के बाद ट्रंप ने 24 जून को संघर्ष विराम का ऐलान किया था।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अयातुल्लाह नसीर मकरम शिराजी ने फतवा जारी किया है, जिसमें ट्रंप और नेतन्याहू को दुश्मनबताया है। उन्होंने लिखा, यह साफ है कि इस्लामिक व्यवस्था के किसी व्यक्ति और खासतौर से सुप्रीम लीडर को जान से मारने की धमकी देना मना है और धार्मिक रूप से निषेध है। उन्होंने कहा, उनका बचाव करना और ऐसी धमकियां देने वाले आरोपियों को जवाब देना जरूरी है। साथ ही पवित्रता का उल्लंघन करना सबसे बड़े पापों में से एक है।

उन्होंने इस्लामिक गणतंत्र के नेतृत्व को धमकी देने वाले अमेरिकी और इजरायली नेताओं के खिलाफ कार्रवाई का आह्वान किया है। फतवा में यह भी कहा गया है, उस दुश्मन के लिए मुसलमानों या इस्लामिक मुल्कों की तरफ से किसी भी तरह का सहयोग देना हराम है। यह जरूरी है कि दुनिया भर के मुसलमान इन दुश्मनों को उनके शब्दों और गलतियों के लिए पछतावा कराएं।

ईरानी सैन्य कमांडरों को लाखों लोगों ने दी अंतिम विदाई

इजरायल के साथ 12 दिनों के युद्ध के दौरान मारे गए रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख और अन्य वरिष्ठ सैन्य कमांडरों तथा

परमाणु वैज्ञानिकों की अंत्येष्टि में शामिल होने के लिए शनिवार को तेहरान की सड़कों पर लाखों लोग उमड़ पड़े।

रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख जनरल हुसैन सलामी, इसके बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के प्रमुख जनरल आमिर अली हाजीजादेह और अन्य के ताबूतों को ट्रकों पर रखकर राजधानी की आजादी स्ट्रीट से ले जाया गया। इस दौरान सड़क किनारे खड़े लोगों ने ''अमेरिका मुर्दाबाद' और 'इजरायल मुर्दाबाद' के नारे लगाए।

जनरल सलामी और हाजीजादेह दोनों 13 जून, यानी युद्ध के पहले दिन ही मारे गए थे, जब इजरायल ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को नष्ट करने के उद्देश्य से व्यापक सैन्य अभियान शुरू किया था। इस अभियान में सैन्य कमांडरों, वैज्ञानिकों और परमाणु प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया।

वर्ग पहेली 6960

१		२		■	■	३		४	
	■		■	५			■		■
६					■	७			८
	■	■	■	९			■	■	
■	१०		११		■	■	१२		
■		■		■	१३			■	
१४		१५		■		■	१६	१७	
	■		■	१८		१९	■		■
२०			■		■	२१			२२
	■	२३					■	■	

बायें से दायें:-

१. विवरण, ब्यौरा (उर्दू)
३. बदनामी. अपयश (उर्दू)
५. सुरबाला, देवकन्या
६. प्रतीक्षा करना (मुहावरा)
७. बड़ा हाथी, हाथियों का राजा
८. घटना, समाचार, अवसर
१०. शामिल
१२. डर, भय
१३. ज्यों का त्यों
१४. उलझन दूर होना
१६. युवा, जवान
१८. श्रीमान (उर्दू)
२०. किसी पत्र-पत्रिका का पिछला अंक
२१. असह्य, अप्रिय (उर्दू)
२३. ख्याति प्राप्त करना (मुहावरा)

ऊपर से नीचे:-

१. विवाद, बहस (उर्दू)
२. स्वभाव, गुण, शील, चरित्र(उर्दू)
३. निवृत्त होना, छुटकारा(उर्दू)
४. वधिक, कातिल
५. जो ढंका हुआ न हो, खुला
८. लोगों का हित. जनहित
१०. कामयाब
११. लिपिबद्ध करना
१२. बुलाया गया, निमंत्रित
१३. पीड़ा होना, टीसना
१४. सौभाग्यवती, सधवा
१५. आभास होना, दीप्तिवान होना
१७. अपमानित, निंदित (उर्दू)
१८. जन्मदाता,
१९. निर्माण करना, सुधारना
२२. इच्छा, खुशी, मर्जी(उर्दू)

वर्ग पहेली-6959

१ अ	प	२ न	य	३ न	■	४ अ	प	५ रा	न्ह
ना	■	य	■	६ र	क्त	प	■	ह	■
७ व	स	न	■	सं	■	८ का	लां	त	९ र
र्ती	■	ज	■	१० हा	जि	र	■	■	क्ष
■	११ गु	ल	१२ जा	र	■	■	१३ बा	ध	क
■	ना	■	हि	■	१४ ब	ह	रा	■	द
१५ बे	ह	१६ त	र	■	हु	■	१७ त	१८ र	ल
गु	■	र	■	१९ दौ	ल	२० त	■	ह	■
२१ ना	स्ति	क	■	रा	■	२२ रि	स	म	२३ य
ह	■	२४ श	ब	न	म	■	■	■	दि

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

चिंता कश्मीर की ओर मुढ़े पर्यटक पर लद्दाख को अभी भी इंतजार

अपर्याप्त प्रचार ने पर्यटन निर्भर अर्थव्यवस्था को किया प्रभावित

जम्मू, (देशबन्धु)। पहलगाम नरसंहार और उसके बाद आपरेशन सिंदूर के कारण कश्मीर से लापता हुए पर्यटक फिर से लौटने तो लगे हैं पर बर्फीले रेगिस्तान लद्दाख को अभी भी उस भीड़ का इंतजार है जो कभी हुआ करती थी। हालांकि लद्दाखियों को टूरिज्म सेक्टर से जुड़े उन लोगों से नाराजगी तो जरूर है जिन्होंने चलो कश्मीर की तो मुहिम छेड़ी। पर लद्दाख को याद नहीं किया।

लद्दाख में अप्रैल में पर्यटकों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जबकि मई में यह संख्या स्थिर रही और जून में पर्यटकों के आगमन में लगभग 60 फीसदी की नाटकीय गिरावट देखी गई।

इस पूरी तस्वीर से पता चलता है कि सुरक्षा चिंताओं, अंतरराष्ट्रीय विकास और अपर्याप्त प्रचार सहित कई कारकों ने क्षेत्र की पर्यटन-निर्भर अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। पिछले साल के मुकाबले इस साल लेह में

- **जून माह में पर्यटकों के आगमन में 60 फीसदी की आई गिरावट**
- **पिछले साल के मुकाबले इस साल पर्यटकों की संख्या में मिला-जुला रुझान दिखा**

पर्यटकों की संख्या में मिला-जुला रुझान देखने को मिला है। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2025 में पर्यटकों की संख्या अप्रैल 2024 के 14,235 से बढ़कर 25,686 हो गई। यह 80 फीसदी की बढ़ोतरी है। हालांकि, मई में यह संख्या लगभग वैसी ही रही, पिछले साल के 29,497 से मामूली गिरावट के साथ इस साल 29,353 हो गई। सबसे उल्लेखनीय गिरावट जून में देखी गई, जहां पर्यटकों की संख्या 2024 में 1,53,711 से घटकर 2025 (25 जून तक) में सिर्फ 61,927 रह गई। यह लगभग 60 फीसदी की कमी को दर्शाता है। इसके अलावा, पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से दिसंबर 2024 तक कुल 376,386 पर्यटक लद्दाख आए, जबकि जनवरी से 25 जून 2025 के बीच 127,437 पर्यटक आए। हालांकि, अधिकतर अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों ने अप्रैल और मई की अपनी यात्राएं रद्द कर दी थीं। दूसरी ओर, घरेलू पर्यटक आमतौर पर पहले से बुकिंग नहीं कराते हैं। कई लोग गर्मी से बचने के लिए लद्दाख आ रहे हैं। हालांकि कुछ को यहां का मौसम अभी भी गर्म लग रहा है। टूर आपरेटर त्सेरिंग दादुल के बकौल पर्यटन विभाग को अपने प्रचार प्रयासों में सुधार करने की जरूरत है। चूंकि कई पर्यटक अपना खुद का वाहन चलाकर आ रहे हैं, इसलिए इससे स्थानीय परिवहन क्षेत्र को कोई फायदा नहीं हो रहा है। फिर भी, पिछले दो महीनों की तुलना में अब स्थिति बेहतर है। उन्हें सकारात्मक प्रतिक्रिया की उम्मीद है।

खेल जगत

चोट से कितना उबर चुके स्टीव स्मिथ, खुद दिया फिटनेस अपडेट

बारबाडोस, 30 जून (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को ग्रेनेडा में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले फिट होने की उम्मीद है। स्मिथ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में चोटिल हुए थे, जिससे उबरते हुए उन्होंने न्यूयॉर्क में फिर से बल्लेबाजी शुरू की। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान कैच लेने की कोशिश में स्मिथ अपने दाहिने हाथ की छोटी उंगली को चोटिल करवा बैठे थे। उन्हें 'कम्पाउंड डिस्लोकेशन' का सामना करना पड़ा। हालांकि, 36 वर्षीय खिलाड़ी भाग्यशाली रहा कि उन्हें सर्जरी नहीं करवानी पड़ी। यह अनुभवी बल्लेबाज चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी तीन मैचों की सीरीज के शुरुआती टेस्ट में नहीं खेल सका था। स्टीव स्मिथ ने हाल ही में हाथ पर लगे टांके हटवाए हैं। वह रविवार को अपने साथियों के साथ जुड़ गए।

दूसरे टेस्ट में भारत का तुरुप का इक्का साबित हो सकते हैं कुलदीप यादव

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 30 जून (देशबन्धु)। भारत हेडिंग्ले, लीड्स में इंग्लैंड से पांच टेस्ट मैच की क्रिकेट सीरीज का पहला लगभग पहला टेस्ट पांच विकेट से हारने और जसप्रीत बुमराह के लोड मैनेजमेंट के चलते खेलने को ले संदेह के चलते भारत खासतौर पर अपने गेंदबाजी संयोजन को लेकर खासे असमंजस में नजर आ रहा है। भारत को अब एजबेस्टन में सीरीज के दूसरे मैच इंग्लैंड की बाज बॉल यानी शुरू से दे दनादन की रणनीति की काट के लिए ऐसा गेंदबाजी संयोजन चाहिए जो कि उसके दोनों पारियों में 20 विकेट चटका सके। बाएं हाथ के लेग स्पिनर कुलदीप यादव अपनी अलग शैली की गेंदबाजी के चलते एजबेस्टन में इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारत की तुरुप के इक्के साबित हो सकते हैं। बड़ा सवाल यह है कि क्या भारत कुलदीप यादव पर दांव लगा उन्हें एजबेस्टन में सीरीज के दूसरे टेस्ट में अपनी एकादश में शामिल करेगा। भारत में बाएं हाथ के लेग स्पिनर कुलदीप यादव का अपने घर में तो इंग्लैंड के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार है लेकिन वह अब तक मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में कोई खास कमाल नहीं कर पाए है। भारत के लिए बुमराह ने पहले टेस्ट की पहली पारी में और प्रसिद्ध कृष्णा ने पहले टस्ट की दोनों पारियों को मिलाकर कुल पांच विकेट लिए लेकर वह बेहद महंगे साबित हुए। बुमराह को छोड़ कर भारत के मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध और शार्दुल ठाकुर सहित बाकी तीनों गेंदबाज बेदम साबित हुए और इसी के चलते इंग्लैंड ने आयोजित बाज बॉल के बूते दूसरी पारी में जीत के लिए 371 रन का लक्ष्य बेन डकेट के बड़े शतक के बूते मात्र विकेट खोकर हासिल कर जीत के साथ टेस्ट सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली।

भारत के लिए बड़ी दिक्कत है यह रही कि उसने पहले टेस्ट में आधा दर्जन कैच टपकाने और शीर्ष क्रम में पांच शतकों के बावजूद निचले क्रम के ताश के पत्तों की तरह ढहने से उसे पहले टस्ट में दबदबे के बावजूद हार का वरण करना पड़ा। कुलदीप के एकादश में शामिल करने के लिए भारतीय टीम प्रबंधन के जेहन में यह बात भी रहेगी कि भारत के बाहर खासतौर पर इग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों में खेलने का उन्हें कोई खास अनुभव नहीं है। कुलदीप हालांकि 2018 में सिडनी में चौथे टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच विकेट चटका चुके हैं। वहीं 2018 में कुलदीप यादव ने इंग्लैंड में उसके खिलाफ लॉडर्स में जो इकलौता टेस्ट खेला था उसमें वह एक भी विकेट नहीं ले पाए थे। कुलदीप यादव ने मेहमान इंग्लैंड के खिलाफ 2024मे अपने घर में टेस्ट सीरीज में 19 विकेट चटकाए थे और उसकी बाज बॉल की शैली पर अंकुश लगाया था। कुलदीप भी अपने आदर्श ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न की तरह कलाई के लेग स्पिनर हैं। वॉर्न इंग्लैंड के खिलाफ खासे कामयाब रहे और उनसे प्रेरणा ले भारत को एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में जीत दिला कर सीरीज में एक एक की बराबरी दिला सकते हैं।

ऑफ स्पिन ऑलराउंडर रविचंद्रन के टेस्ट को अलविदा कहने के बाद रवींद्र जडेजा के बाद कुलदीप यादव भारत के दूसरे सबसे अनुभवी स्पिनर हैं। इंग्लैंड की बाज बॉल शैली का अपनी अलग शैली की लेग स्पिन के कारण कुलदीप यादव भारत के तुरुप के इक्के साबित हो सकते है। दिक्कत यह है कि भारत यदि कुलदीप यादव को एकादश में शामिल करता तो उसका निचला क्रम और कमजोर हो जाएगा। भारत कम से कम बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा को बाहर उनकी जगह तो कुलदीप यादव को एकादश में शामिल नहीं करेगा? एजबेस्टन में मंगलवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट की पिच को इंग्लैंड में स्पिनरों की सबसे मुफीद बताया जा रहा है।

भारत के गेंदबाजी आक्रमण में विविधता की कमी चिंताजनक : ग्रेग चैपल

नई दिल्ली, 30 जून (एजेंसियां)। भारत के पूर्व मुख्य कोच ग्रेग चैपल का मानना है कि हेडिंग्ले में पहले टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ पांच विकेट से मिली हार में निराशाजनक क्षेत्ररक्षण प्रदर्शन से कहीं अधिक, गेंदबाजी आक्रमण में विविधता की कमी उनके लिए चिंता का विषय रही। हेडिंग्ले में, बुमराह ने 43.4 ओवर में 5-140 के मैच आंकड़े दर्ज किए - जिसमें उनके सभी पांच विकेट पहली पारी में आए। यह बुमराह का मामला था जो किसी और से कहीं बेहतर था, क्योंकि अन्य तेज गेंदबाजों - शार्दुल ठाकुर, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा - ने 92 ओवर में 9-482 के आंकड़े संयुक्त रूप से हासिल किए थे। स्पिन-गेंदबाजी के लिए एकमात्र विकल्प रवींद्र जडेजा ने दोनों पारियों में 0-68 और 1-104 के आंकड़े दर्ज किए। 'हेडिंग्ले में क्षेत्ररक्षण जितना निराशाजनक था, यह भारत के टेस्ट हारने का मुख्य कारण नहीं था। भारत की अधिकांश समस्याएं खुद से ही उत्पन्न हुई थीं। शायद सबसे महंगी गलती नो-बॉल थी जिसने हैरी ब्रूक को दूसरी पारी में शुरुआती जीवनदान दिया।

चैपल ने सोमवार को अपने ईएसपीएनक्रिकइन्फो कॉलम में लिखा, 'हालांकि, मेरे लिए सबसे अधिक चिंता की बात गेंदबाजी आक्रमण में विविधता की कमी है। जसप्रीत बुमराह के अलावा, भारत के तेज गेंदबाज बहुत हद तक एक जैसे हैं - सभी दाएं हाथ के, मध्यम गति के, समान कोण पर गेंदबाजी करते हुए। गेंदबाजी में बदलाव के बाद अक्सर विकेट गिरने का एक कारण है। य

ह बल्लेबाज को फिर से तालमेल बिठाने के लिए मजबूर करता है। शुभमन गिल के पास मौजूदा दौर में वह विविधता नहीं है।' उन्हें यह भी लगता है कि अगर भारत को 2 जुलाई से एजबस्टन में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट में वापसी करनी है, तो उन्हें बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को शामिल करना चाहिए और अपनी प्लेइंग इलेवन में बेहतर संतुलन बनाना चाहिए।

भारत बनाम इंग्लैंडः वो दो मौके, जब एक ही टेस्ट पारी में बने 700 प्लस रन

नई दिल्ली। भारत इंग्लैंड के बीच साल 1932 से अब तक कुल 137 टेस्ट मैच खेले गए हैं, जिसमें दो बार पारी में 700 से ज्यादा रन बने। इनमें एक बार भारत ने यह कारनामा किया, तो एक बार इंग्लैंड ने पारी में 700 से ज्यादा रन बनाए। आइए, इन मुकाबलों के बारे में जानते हैं... 1) भारत (759/7 पारी घोषित): यह मुकाबला 16-20 दिसंबर 2016 के बीच चेन्नई में खेला गया था, जिसमें भारत ने अपनी पहली पारी 759/7 के स्कोर पर घोषित कर दी। टीम इंडिया को यहां तक पहुंचाने में करुण नायर की अहम भूमिका रही, जिन्होंने 381 गेंदों में 303 रन की नाबाद पारी खेली। इस दौरान करुण नायर के बल्ले से चार छक्के और 32 चौके देखने को मिले। करुण नायर के अलावा केएल राहुल ने पारी में 199 रन बनाए। रविचंद्रन अश्विन (67) और रविंद्र जडेजा (51) ने टीम को विशाल स्कोर तक पहुंचाने में मदद की। इंग्लैंड की पहली पारी 477 रन पर सिमटी थी। अगली पारी में उसे भारतीय गेंदबाजों ने महज 207 रन पर ढेर कर दिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने मुकाबला पारी और 75 रन से अपने नाम कर लिया। 2) इंग्लैंड (710/7 पारी घोषित): यह मैच 10-13 अगस्त 2011 के बीच बर्मिंघम में खेला गया था, जिसे इंग्लैंड ने पारी और 242 रन से अपने नाम किया।

असाधारण प्रदर्शन करने के लिए सचिन तेंदुलकर से प्रेरणा लेता हूं : नीरज चोपड़ा

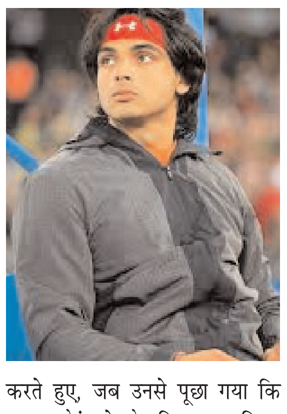

बेंगलुरु, 30 जून (एजेंसियां)। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने कहा कि वह चुनौतियों का सामना करने के बावजूद असाधारण प्रदर्शन करने की भारतीय क्रिकेट के महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर की महाशक्ति को पाना चाहेंगे। हाल ही में पेरिस डायमंड लीग और ओस्ट्रावा गोल्डन स्पाइक मीट जीतने वाले नीरज, नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता के उद्घाटन संस्करण के साथ इतिहास रच रहे हैं, जो विश्व एथलेटिक्स 'ए' श्रेणी की प्रतियोगिता है, जो भारत में होने वाली अपनी तरह की पहली प्रतियोगिता है, जिसका आयोजन 5 जुलाई को बेंगलुरु के श्री कांतीरवा स्टेडियम में किया जाएगा। स्टार्ट स्पोर्ट्स से बात करते हुए, जब उनसे पूछा गया कि भाला फेंकने के लिए वह किस क्रिकेटर की महाशक्ति को पाना चाहेंगे, तो मौजूदा विश्व चैंपियन ने तेंदुलकर का नाम लिया।

चोपड़ा ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, 'सचिन तेंदुलकर। उन्होंने इतने सालों तक हमारे देश का बहुत अच्छा प्रतिनिधित्व किया और हमारे लिए कई रिकॉर्ड बनाए। जिस तरह से उन्होंने कई महान गेंदबाजों की चुनौतियों का सामना किया और फिर भी असाधारण प्रदर्शन किया - मैं भी वैसा ही करना चाहूंगा। इससे मुझे शांत मानसिकता के साथ आने वाली चुनौतियों का सामना करने में मदद मिलेगी।'

27 वर्षीय भाला फेंक स्टार ने आगे कहा कि उन्हें लगता है कि ऑस्ट्रेलिया के महान तेज गेंदबाज ब्रेट ली, जो क्रिकेट में अपना नाम बनाने से पहले भाला फेंकते थे, और भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भाला फेंकने में सक्षम होंगे। 'मैंने सुना है कि ब्रेट ली एक भाला फेंकने वाले थे। मुझे लगता है कि वह भाला अच्छी तरह से फेंक सकते थे, खासकर जब वह अपने चरम वर्षों में थे। मैं जसप्रीत बुमराह के साथ भी भाला फेंकना चाहूंगा और उम्मीद करता हूं कि वह मुझे कुछ गेंदबाजी कौशल सिखाएंगे। हालांकि गेंदबाजी और भाला फेंकना दोनों ही अलग-अलग हैं।

मैं बुमराह से सीखना चाहूंगा।' चोपड़ा ने कहा कि भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी का मशहूर 'हेलीकॉप्टर शॉट' शक्ति और तकनीक के मामले में भाला फेंकने जैसा है। खेल के दौरान अंधविश्वासी होने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं अपने इवेंट के दिन शांत रहने की कोशिश करता हूं। मैं इसके बारे में बहुत ज्यादा नहीं सोचता। मैं सिर्फ अपना 100 प्रतिशत देने पर ध्यान केंद्रित करता हूं।

क्लब विश्व कपः पीएसजी ने मेसी की मियामी को हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

अटलांटा, 30 जून (एजेंसियां)। शुरू से अंत तक पूरी तरह से नियंत्रित मैच के बाद, पेरिस सेंट-जर्मेन ने इंटर मियामी सीएफ पर 4-0 की जबरदस्तजीत दर्ज की और फीफा क्लब विश्व कप 2025 के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। क्वारत्सखेलिया के पास के बाद बारकोला ने चौथे मिनट में पहला चेतावनी शॉट मारा, लेकिन उस्तारी ने उसे नकार दिया।

सिर्फ दो मिनट बाद, बॉक्स के बाएं किनारे पर डूए द्वारा जीती गयी फ्री किक के बाद, विटिना ने एक क्रॉस मारा और जोआओ नेवेस ने अपना सिग्नेचर मूव निष्पादित किया, स्कोरिंग खोलने के लिए दूर पोस्ट पर एक बिल्कुल सही हेडर लगाया।

बारकोला के साथ एक शानदार वन-टू के बाद, हकीमी ने अपने शॉट को ब्लॉक होते देखा (21'), 20 मीटर से विटिना की स्ट्राइक को उस्तारी (21') ने रोका और बॉक्स के किनारे से क्वारात्शेलिया का रॉकेट शॉट सिर्फ कुछ इंच दूर (24') गया, जैसा कि रुइज के प्रयास (31') ने किया। इस बीच, जॉर्जियाई विंगर को भी गोलकीपर (28') ने नजदीकी रेंज से नकार दिया। आखिरकार रुइज-बारकोला की जोड़ी ने ही अंतर पैदा किया। इंटर के बॉक्स के पास गेंद जीतने के बाद, फ्रांसीसी खिलाड़ी ने स्पैनियार्ड को गेंद दी, जिसने क्षेत्र के किनारे पर नेवेस को पाया। पुर्तगाली मिडफील्डर ने शांति से गेंद को नेट में डाला और दो गोल (2-0, 39') हासिल किए।

सार संक्षेप

भारत के नेतृत्व में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय खो-खो दिवस

नई दिल्ली। भारत ने अंतरराष्ट्रीय खो-खो दिवस के वैश्विक उत्सवों की अगुवाई की, जहां इस पारंपरिक खेल की विरासत और इसके बढ़ते अंतरराष्ट्रीय विस्तार को प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया। दिन की शुरुआत नई दिल्ली के ऐतिहासिक जंतर मंतर से हुई, जहां सैकड़ों खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और छात्रों ने खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) के अधिकारियों के नेतृत्व में एक ऊर्जावान रैली निकाली। यह आयोजन उस दिन की शुरुआत का संकेत था, जिसे पारंपरिक भारतीय खेल खो-खो की एक वैश्विक आंदोलन में बदलती छवि को उजागर करने के लिए समर्पित किया गया था। खो-खो फेडरेशन ऑफ इंडिया (केकेएफआई) द्वारा आयोजित इस उत्सव में एक मनोरंजक जादू शो और खेल के इतिहास, नियमों और विकास पर केंद्रित एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी शामिल थी। इन आयोजनों ने समुदाय को एक उत्सवपूर्ण वातावरण में जोड़ा और साथ ही खो-खो की अंतरराष्ट्रीय प्रगति के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई। समारोहों के तहत राष्ट्रीय खो-खो दिवस भी मनाया गया, जिसमें राज्य संघों ने अपने-अपने राज्यों में विविध गतिविधियों का आयोजन किया। इस अवसर पर केकेएफआई और अंतरराष्ट्रीय खो-खो महासंघ (आईकेकेएफ) के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा, 'मैं पूरी खो-खो बिरादरी को हार्दिक बधाई देता हूं। पिछले कुछ वर्षों में खो-खो हमारे देश की पहचान और गौरव का प्रतीक बनकर उभरा है। आज यह खेल 56 देशों में खेला जा रहा है, जो हम सभी के लिए अत्यंत गर्व की बात है।

अजहर महमूद को पाकिस्तान का कार्यवाहक रेड-बॉल हेड कोच नियुक्त किया गया

लाहौर। पाकिस्तान द्वारा 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र शुरू करने से पहले, पूर्व ऑलराउंडर अजहर महमूद को टीम का कार्यवाहक रेड-बॉल हेड कोच नियुक्त किया गया है और वह अपने मौजूदा अनुबंध के समापन तक इस पद पर काम करेंगे। पिछले साल के अंत में जेसन गिलेस्पी के पाकिस्तान के रेड-बॉल हेड कोच के पद से हटने के बाद, आकिब जावेद ने यह भूमिका संभाली थी। लेकिन 50 वर्षीय महमूद अब पाकिस्तान के गेंदबाजी कोच और बाद में सहायक मुख्य कोच के रूप में लंबे समय तक काम करने के बाद इस पद पर आसीन हुए हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने सोमवार को एक बयान में कहा, 'खेल के बारे में उनका गहरा ज्ञान, अंतरराष्ट्रीय अनुभव और इंग्लिश काउंटी सर्किट में सिद्ध सफलता के साथ, उन्हें इस पद के लिए असाधारण रूप से उपयुक्त बनाता है। उनकी लाल गेंद की विरासत दो काउंटी चैंपियनशिप खिताबों से रेखांकित होती है - एक उपलब्धि जो उनके नेतृत्व, सामरिक कौशल और उत्कृष्टता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के बारे में बहुत कुछ कहती है। पीसीबी को विश्वास है कि अजहर के मार्गदर्शन में, लाल गेंद की टीम वैश्विक मंच पर ताकत, अनुशासन और प्रदर्शन में आगे बढ़ती रहेगी।'

बीडब्ल्यूएफ यूएस ओपन : आयुष ने जीता मेंस सिंगल्स खिताब, तन्वी उपविजेता

काउंसिल ब्लफ्स, 30 जून (एजेंसियां)। आयुष शेट्टी ने सोमवार को 'बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट' के फाइनल में कनाडा के ब्रायन यांग को हराया। इसी के साथ आयुष ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर अपना पहला खिताब जीत लिया है। यह मुकाबला मिड-अमेरिका सेंटर में खेला गया। वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप- 2023 के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट आयुष ने 47 मिनट तक चले इस मुकाबले में विश्व के 33वें नंबर के खिलाड़ी यांग को 21-18, 21-13 से शिकस्त दी।

बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (बीएआई) ने अपने 'एक्स' अकाउंट पर लिखा, 'आयुष शेट्टी ने यूएस ओपन-2025 जीतकर अपना पहला 'बीडब्ल्यूएफ सुपर 300' खिताब जीता। उन्होंने ब्रायन यांग को सीधे गेमों में 21-13, 21-18 से हराया। इस दौरान उन्होंने शुरू से लेकर आखिर तक शानदार खेल दिखाया। यह एक शानदार जीत है, जिसने बैडमिंटन के शीर्ष खिलाड़ियों में उनकी जगह पक्की कर दी है। यह एक नए 'इंडियन पावरहाउस' के उदय का प्रतीक है।'

चौथी वरीयता प्राप्त आयुष ने टूर्नामेंट की शुरुआत डेनमार्क के वर्ल्ड नंबर 85 मैग्नस जोहानसन पर 21-17, 21-19 से जीत के साथ की। इससे पहले उन्होंने राउंड ऑफ-16 में हमवतन थारुन मन्नेपल्ली को 21-12, 13-21, 21-15 से हराया था। क्वार्टर फाइनल में आयुष ने वर्ल्ड नंबर 70 कुओ कुआन

डब्ल्यूसीएल 2025: ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस की टीम में ब्रेट ली, क्रिस लिन और शॉन मार्श

लंदन, 30 जून (एजेंसियां)। ब्रेट ली, क्रिस लिन और शॉन मार्श जैसे दिग्गज 'वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025' में ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस का हिस्सा होंगे। यह टूर्नामेंट 18 जुलाई से 2 अगस्त के बीच यूके में खेला जाएगा। इस टीम में बेन कटिंग, मोइजेस हेनरिक्स, पीटर सिडल, नाथन कुल्टर-नाइल और डी 'आर्सी शॉर्ट शामिल हैं।

इन खिलाड़ियों की मौजूदगी टीम में अनुभव, एथलेटिकिज्म और हौसले का एक आदर्श मिश्रण पेश करती है। ब्रेट ली ऑस्ट्रेलिया के चौथे सबसे सफल गेंदबाज हैं, जिन्होंने 76 टेस्ट मैचों में 310 विकेट लिए हैं। उन्होंने सीमित ओवरों के क्रिकेट में अपने करियर को आगे बढ़ाने के लिए साल 2010 की शुरुआत में टेस्ट से संन्यास ले लिया था। ब्रेट ली ने 221 वनडे में 380 विकेट चटकाए। इसके अलावा उन्हें 25 टी20 मैचों में 28 विकेट हाथ लगे। उन्होंने अंततः जुलाई 2012 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया। ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस से जुड़ने पर ब्रेट ली ने कहा, 'डब्ल्यूसीएल का हिस्सा बनना शीर्ष स्तर के क्रिकेट के रोमांच को फिर से जीने का एक शानदार मौका है। अपने कुछ बेहतरीन साथियों के साथ फिर से ऑस्ट्रेलिया का प्रतिनिधित्व करना मेरे दिल के बहुत करीब है। हम मनोरंजन करने और विपक्षी टीम पर हावी होने के इरादे से आ रहे हैं।' ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस के मालिक पुनीत सिंह ने कहा, 'यह सिर्फ एक टीम नहीं है। यह एक स्टेटमेंट है। ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस को उन दिग्गजों के साथ बनाया गया है, जिन्होंने पीढ़ियों को परिभाषित किया है। ब्रेट, लिनी और कटिंग के नेतृत्व में हम डब्ल्यूसीएल में ऑस्ट्रेलियाई भावना को वापस ला रहे हैं। आतिशबाजी और जुनून की उम्मीद करें।' 'इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड' से स्वीकृत, वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स एक प्रमुख वैश्विक टी20 लीग है, जो क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित नामों को एक साथ लाती है। 'वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स' के संस्थापक और सीईओ हर्षित तोमर ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया हमेशा से विश्व क्रिकेट में एक ताकत रहा है।

हमारा जू. पुरुष हॉकी विश्व कप का पूल-बी खासा चुनौतीपूर्ण : श्रीजेश

नई दिल्ली, 30 जून (देशबन्धु)। भारत की जूनियर पुरुष हॉकी टीम के चीफ कोच पूर्व ओलंपियन पी आर श्रीजेश ने शनिवार को चेन्नई और मदुरै मे होने वाले एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 2025 के लुसाने में निकाले गए ड्रॉ में घोषित पूल की बाबत कहा, 'हमारा पूल बी पाकिस्तान, चिली और स्विट्जरलैंड की मौजूदगी में खासा चुनौतीपूर्ण दिखाई देता है। मैं चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपना पूल बी मैच खासा रोचक रहने की उम्मीद करता हूं। सच तो यह असल जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप तो क्वार्टर फाइनल से ही शुरू होगा। हम मैच दर मैच आगे बढ़ेंगे और एक समय मैच की बाबत सोच कर इसमें पूरे अंक हासिल कर क्वार्टर में सबसे बढ़िया स्थिति में हो सकते हैं। अब मौजूदा जूनियर विश्व कप नए विस्तृत प्रारूप के मुताबिक खेला जाएगा और इसमें पहले बार सबसे ज्यादा 24 टीमें शिरकत करेंगी। हम इसी को जेहन में रख कर अपनी योजना बनाने के साथ तैयारी कर रहे हैं।' दो बार 2001 और 2016 के संस्करण का विजेता भारत पिछले जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप में पदक से चूक कर चौथे स्थान पर रहा था। मौजूदा चैंपियन जर्मनी ने अब तक सबसे ज्यादा सात बार एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप खिताब जीता है।

पिछले संस्करण में 16 टीमों ने शिरकत की थी और इस बार जूनियर विश्व कप में 24 टीमें खिताब के लिए टक्कर देंगी। शुरू में जूनियर विश्व कप में 12 टीमें होती थी और बाद में इसे बढ़ाकर 16 टीमों का कर दिया गया। अब जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप 2025 नए प्रारूप के मुताबिक होगा और इसमें शिरकत करने वाली 24 टीमों को चार चार टीमों के छह पूल ए,बी,सी, डी, ई एफ में बांटा गया है। हर पूल की शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में स्थान पाएंगी। क्वार्टर फाइनल नॉकआउट आधार पर खेले जाएंगे। क्वार्टर फाइनल की विजेता सेमीफाइनल में पहुंचेगी। दोनों सेमीफाइनल की विजेता फाइनल में खेलेंगी। टीमों को उनके पूल में अर्जित अंकों के आधार पर स्थान दिया जाएगा और वे क्रॉसओवर मैचों में आगे बढ़ेगी हैं, जहां प्रत्येक पूल में तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें अपनी अंतिम रैंकिंग निर्धारित करने के लिए क्रॉसओवर मैच खेलेंगी। क्वार्टर फाइनल में हारकर बाहर होनी वाली टीमें पांचवें से आठवें स्थान के लिए भिड़ेगी और क्रॉसओवर में हारने वाली टीमें नौवें से 16 स्थान के लिए भिड़ेंगी। अपने पूल में एकदम नीचे रहने वाली टीमें 17 से 24 वें स्थान के लिए भिड़ेंगी।

एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी अनिश्चित

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत में होने वाले हॉकी पुरुष एशिया कप में पाकिस्तान की भागीदारी अनिश्चित है, क्योंकि उन्हें बाहर करने की मांग बढ़ रही है। हॉकी इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि इस मामले में सरकार के साथ बातचीत जारी है और उसके बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा। बिहार का ऐतिहासिक शहर राजगीर, राजगीर हॉकी स्टेडियम में 29 अगस्त से 9 सितंबर तक पुरुष एशिया कप 2025 की मेजबानी करेगा। पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के बाद, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी, महाद्वीपीय टूर्नामेंट में पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीम की भागीदारी खतरे में है। टूर्नामेंट के लिए दो महीने से भी कम समय बचा है, हॉकी इंडिया अभी भी पाकिस्तान की पुरुष हॉकी टीम के देश में आने के लिए सरकारी मंजूरी का इंतजार कर रहा है।

अर्थ जगत

रुपये में भी गिरावट

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में कमजोरी और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के चलते सोमवार को रुपया शुरुआती बढ़त खोकर 23 पैसे की गिरावट के साथ 85. 73 (अनंतिम) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85. 48 पर खुला और कारोबार के दौरान 85. 44 के उच्चतम स्तर और 85. 77 के निम्नतम स्तर को देखने के बाद अंत में 85. 73 (अनंतिम) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से 23 पैसे कम है।

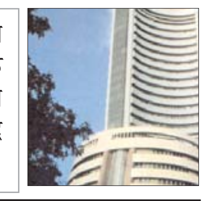

जीएसटी ने पूरे किए 8 साल संग्रह के तोड़े सभी रिकॉर्ड

__नई दिल्ली।__ देश की सबसे बड़ी कर सुधार व्यवस्था माने जाने वाले वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी ने अपने आठ साल पूरे करने के करीब है। 1 जुलाई 2017 को लागू हुए जीएसटी ने देश की कर प्रणाली को पूरी तरह बदल दिया है। वहीं वित्त वर्ष 2024-25 में जीएसटी कलेक्शन रिकॉर्ड 22.08 लाख करोड़ तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 9.4 फीसदी ज्यादा है। इस दौरान हर महीने औसतन 1.84 लाख करोड़ की वसूली हुई, जो अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन भी है।

करदाताओं की राय- 85 प्रतिशत ने दी सकारात्मक रेटिंग- एक हालिया डेलॉइट सर्वे के अनुसार, 85 प्रतिशत करदाताओं ने जीएसटी को सरल और पारदर्शी व्यवस्था बताया है। पिछले चार वर्षों से टैक्सदाताओं की राय लगातार बेहतर होती जा रही है। बता दें कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीएसटी को नए भारत के लिए एक ऐतिहासिक कानून बताया था। अब आठ साल बाद इसके परिणाम खुद बयां कर रहे हैं।

छोटे कारोबारियों को मिली राहत

पहले वैट जैसे टैक्स का दायरा बहुत कम था, जिससे छोटे कारोबारियों को भी टैक्स देना पड़ता था। जीएसटी ने छूट सीमा को 20 लाख से बढ़ाकर 40 लाख कर दिया, जिससे लाखों छोटे व्यापारियों को फायदा मिला है।

लॉजिस्टिक्स में क्रांतिकारी सुधार

पहले राज्यों की सीमाओं पर ट्रकों की लंबी लाइनें लगती थीं, और भ्रष्टाचार की शिकायतें आम थीं। वहीं जीएसटी लागू होने के बाद यह बाधाएं हटीं है और ट्रांसपोर्ट समय में 33 प्रतिशत तक की कमी आई है, ईंधन खर्च घटा और हाइवे भी कम भीड़भाड़ वाले हो गए हैं।

जीएसटी से क्या-क्या बदला?

एक राष्ट्र, एक कर- अब पूरे देश में एक जैसी कर व्यवस्था है। पहले राज्यों में अलग-अलग टैक्स लगते थे।

पुराने टैक्स खत्म- एक्साइज ड्यूटी, सर्विस टैक्स, वैट जैसे कई पुराने टैक्स को हटाकर जीएसटी लागू किया गया।

उपभोक्ताओं को फायदा- रोजमर्रा की वस्तुएं जैसे कि अनाज, तेल, चीनी, स्नैक्स और मिठाइयों पर टैक्स दरें घटीं। वित्त मंत्रालय के अनुसार, परिवारों की मासिक खर्चों में लगभग चार फीसदी की बचत हुई है।

करदाताओं की संख्या में जबरदस्त उछाल- जीएसटी लागू होने के समय करदाताओं की संख्या करीब 60 लाख थी, जो अब बढ़कर 1.51 करोड़ हो गई है। इस आंकड़े से पता चलता है कि लोग अब ज्यादा संख्या में टैक्स सिस्टम से जुड़ रहे हैं।

यूपीआई से तत्काल टिकट बुकिंग से लेकर जीएसटी रिटर्न तक, 1 जुलाई 2025 से बदल जाएंगे कई नियम

__नई दिल्ली।__ जून का महीना आज खत्म हो रहा है और कल से जुलाई शुरू हो जाएगा। नए महीने की शुरुआत के साथ ही कई अहम नियम बदल जाएंगे, जिनका सीधा असर आप पर पड़ सकता है। नए महीने की शुरुआत से होने वाले अहम बदलावों में तत्काल ट्रेन टिकट बुकिंग के नियम और पैन कार्ड बनवाने के लिए आधार नंबर की अनिवार्यता शामिल है। आइए एक नजर डालते हैं अगले महीने बदलने वाले प्रमुख नियमों पर।

पैन के लिए आधार अनिवार्य

1 जुलाई, 2025 से नए पैन कार्ड के लिए आवेदन करने के लिए आधार कार्ड अनिवार्य हो जाएगा। इससे पहले, पैन कार्ड के लिए आवेदन करने के लिए किसी भी वैध पहचान पत्र और जन्म प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती थी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अनुसार, 1 जुलाई, 2025 से आधार सत्यापन अनिवार्य होगा।

तत्काल टिकट बुकिंग

1 जुलाई, 2025 से आईआरसीटीसी की वेबसाइट या इसके मोबाइल ऐप के ज़रिए खरीदे गए तत्काल ट्रेन टिकटों के लिए आधार सत्यापन अनिवार्य होगा। 15 जुलाई से तत्काल ट्रेन टिकट बुकिंग के लिए वन-टाइम पासवर्ड की आवश्यकता होगी, जिसका मतलब है कि टिकट बुक करते समय ग्राहकों को उनके डिवाइस पर एक कोड प्राप्त होगा। कम्प्यूटरीकृत यात्री आरक्षण प्रणाली काउंटरों पर बुक किए गए तत्काल टिकटों के लिए भी ओटीपी प्रमाणीकरण की आवश्यकता होगी।

जीएसटी रिटर्न दाखिल करने के नियम

गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स नेटवर्क (जीएसटीएन) ने 7 जून, 2025 को घोषणा की कि मासिक जीएसटी भुगतान फॉर्म जीएसटीआर-3बी जुलाई 2025 से संपादन योग्य नहीं होगा। इसके अतिरिक्त, करदाताओं को देय तिथि से तीन वर्ष की अवधि समाप्त होने के बाद अपना जीएसटी रिटर्न दाखिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

यूपीआई चार्जबैक नियम

हाल ही में, भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम ने प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए यूपीआई चार्जबैक नियमों में संशोधन किया है। मौजूदा सिस्टम के तहत, अगर चार्जबैक अनुरोध को अस्वीकार कर दिया जाता है - अक्सर कई पूर्व दावों के कारण

- तो वैध मामलों को भी अस्वीकार कर दिया जाता है। ऐसी स्थितियों में, बैंकों को मामले को श्वेतसूची में शामिल करने के लिए यूपीआई संदर्भ शिकायत प्रणाली के माध्यम से एनपीसीआई से संपर्क करना आवश्यक है। 20 जून, 2025 को की गई घोषणा के अनुसार, ऐसे मामलों में एनपीसीआई के हस्तक्षेप की अब आवश्यकता नहीं होगी।

एचडीएफसी बैंक क्रेडिट कार्ड शुल्क

एचडीएफसी बैंक ने 1 जुलाई से प्रभावी अपने रिवॉर्ड प्रोग्राम में नए क्रेडिट कार्ड शुल्क और अपडेट की घोषणा की है। इन परिवर्तनों में 10,000 रुपये से अधिक के मासिक खर्च, 50,000 रुपये से अधिक के उपयोगिता बिल भुगतान, 10,000 रुपये से अधिक के ऑनलाइन गेमिंग लेनदेन, किराए के भुगतान, 15,000 रुपये से अधिक के ईंधन भुगतान और तीसरे पक्ष के ऐप के माध्यम से किए गए शिक्षा-संबंधी भुगतान पर 1 प्रतिशत शुल्क शामिल है।

सोने-चांदी की कीमतों में तेजी

__नई दिल्ली।__ सोने-चांदी के वायदा में सोमवार (30 जून) को मामूली तेजी देखने को मिल रही है। खबर लिखे जाने के समय घरेलू बाजार में सोने के भाव 95,600 रुपए, जबकि चांदी के भाव 0.10 फीसदी की बढ़त के साथ 1,05,330 रुपए के करीब कारोबार कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के भाव तेजी, जबकि चांदी के वायदा भाव नरमी के साथ कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोमवार को सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरमी के साथ हुई। हालांकि सोने के भाव बाद में सुधर गए। कॉमैक्स पर सोना 3,284.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 3,287.60

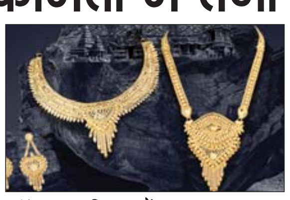

डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 2.60 डॉलर की तेजी के साथ 3,290.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

सोने के वायदा भाव ने इस साल 3,509.90 डॉलर के भाव पर ऑल टाइम हाई छू लिया है। कॉमैक्स पर चांदी के वायदा भाव 35.89 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला क्लोजिंग प्राइस 36.03 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 0.13 डॉलर की गिरावट के साथ 35.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

जून के आखिरी सत्र में सहमकर बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 452 अंक लुढ़का

__मुंबई।__ घरेलू शेयर बाजार सोमवार को आखिर में बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। जून के आखिरी सत्र में बीएसई सेंसेक्स 30 जून को आखिर में 452.44 अंक लुढ़ककर 83606.46 के लेवल पर बंद हुआ। इसी तरह, एनएसई का निफ्टी 120.75 अंक फिसलकर 25,517.05 के लेवल पर टिका। सोमवार के सत्र के दौरान निफ्टी पर टाटा कंज्यूमर, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, हीरो मोटोकॉर्प, मारुति सुजुकी प्रमुख रूप से नुकसान में रहे, जबकि ट्रेंट, एसबीआई, इंडसइंड बैंक, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और जियो फाइनेंशियल लाभ में रहे।

इन स्टॉक्स में दिखी हलचल- खबर के मुताबिक, सेक्टोरल मोर्चे पर पीएसयू बैंक इंडेक्स में 2.5 प्रतिशत की तेजी देखी गई, जबकि रियल्टी, एफएमसीजी, ऑटो, मेटल लाल निशान पर बंद हुए। बीएसई मिडकैप इंडेक्स में 0.6 फीसदी और स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.8 फीसदी की तेजी आई। सेंसेक्स की कंपनियों में एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, मारुति, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील, भारती एयरटेल और एचडीएफसी बैंक प्रमुख रूप से पिछड़ गए। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 1,397.02 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। मुख्य रूप से बैंक शेयरों में मुनाफावसूली के बीच चार दिन की तेजी के बाद सोमवार को बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट आई।

ग्लोबल मार्केट में कैसा रहा रुझान-

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक सकारात्मक दायरे में बंद हुआ, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग नीचे बंद हुआ। एक खबर के मुताबिक, यूरोपीय बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0. 15 प्रतिशत गिरकर 67. 67 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

मुद्रा बाजार

रुपया के मुकाबले अन्य मुद्राएं

मुद्रा	रुपया
एक अमेरिकी डॉलर	85. 75
एक यूरो	100. 88
एक ब्रिटिश पाउंड	117. 46
एक आस्ट्रेलियन डॉलर	55. 73
एक जापानी येन	0. 59

परफेक्ट हैचरीज एंड पोल्ट्री प्रोडेक्ट इंडिया प्रा. लि.

864 मारुति शोरूम के सामने
फोन- 2412223,9329428085

जिंदा बायलर्स बड़ा- फार्म रेट 78 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स मीडियम- फार्म रेट 94 प्रति कि.
जिंदा बायलर्स छोटा- फार्म रेट-102 नेट प्रति किलो
जिंदा मुर्गी लेयर कल्स -74 नेट प्रति किलो
जिंदा काकरेल-मुर्गा- 160 रु. प्रति किलो
(जिंदा थोक फार्म रेट)

सराफा बाजार

दुल्हन श्री आभूषण
कमानिया गेट, सराफा बाजार-
मो. 9425860998,9826307100
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 97000 चांदी -106800

सोहन लाल एण्ड संस
रसल चौक फोन- 9425156095
सोना बुलियन (प्रति 10 ग्राम) फाइन भाव- 97000 चांदी -106800

दाल- चावल भाव

महावर ट्रेडिंग कंपनी, गांधीगंज
फोन- 4067270, 9826035338

प्रति क्विंटल- राहर दाल एवरेज 8000-9000, मीडियम बोल्ड 10000-11500, फाइन 115000-12000, एक्स्ट्रा बोल्ड 13000-13500, चना दाल एवरेज 7200-7300 चना दाल मार्का 7500-7700, मसूर दाल एवरेज 7500-7600, मसूर दाल फाइन 8000-8200, उड़द छिलका9000-9200, फाइन 9200-9500, उड़द धुली 10500-11000, फाइन 11000-12000, मूंग दाल छिलका 9000-9500, मूंग दाल फाइन 9500-10000, मूंगदाल धुली 9800- 10500, फाइन 10500-11000। चावल - पुराना चावल सरना चालू 3400-3600, बेस्ट 3600-3800, बीपीटी चालू 4200-4500,फाइन 4500-4800,एचएमटी-5200-5500 फाइन-5800-6000 दुबराज भाटापारा 5200-5300, जेजेएल चालू 5600-5800, फाइन 6000-6300, बासमती कनकी चालू 3200-3600, बासमती कनकी मीडियम 4000-4200, बेस्ट 4400-4500, मोगरा- 4300-5200, दुबार- 5200-5800, तिबार- 6500-6800, बासमती 8500-1000, बेस्ट 10000-11000 पोहा- 4500-4600, फाइन 4600-4800, मुरमुरा- 5800-6000, फाइन- 7000-8000 रु.।

लोहा भाव

अग्रवाल आयरन ट्रेडर्स
शास्त्री-ब्रिज 4004070, 2402070
भाव प्रति क्विं.- 6 एम एम 6400, 8 एम एम 5980, 10 एम एम 5860,12 एम एम, 5800 एवं 16 एम एम 5800 रु.। तार- 75 रु. किलो।

डोनाल्ड ट्रंप की धमकी से घबराया कनाडा

__नई दिल्ली।__ अमेरिकी कंपनियों पर डिजिटल टैक्स लगाने का फैसला रद्दअमेरिकी राष्ट्रपति अपनी ताकत का पूरा इस्तेमाल करते हुए दुनिया के अलग-अलग देशों को अपने हिसाब से हैंडल कर रहे हैं। इसी कड़ी में ट्रंप ने कनाडा को धमकी देकर एक बार फिर अपना काम निकालने में सफलता हासिल कर ली है। दरअसल, कनाडा अमेरिकी टेक कंपनियों पर डिजिटल सर्विस टैक्स लगाने जा रहा था, जो सोमवार से ही लागू होने वाले थे। लेकिन, ट्रंप ने शुक्रवार को कनाडा के इस फैसले को अमेरिका पर सीधा और स्पष्ट हमला करार देते हुए कनाडा के साथ व्यापार वार्ता को बंद करने की घोषणा की थी।

अमेरिका के साथ फिर शुरू हुई व्यापार वार्ता- कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि उनके अमेरिकी टेक कंपनियों पर टैक्स लगाने की योजना को रद्द करने के बाद अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता बहाल हो गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा था कि वे

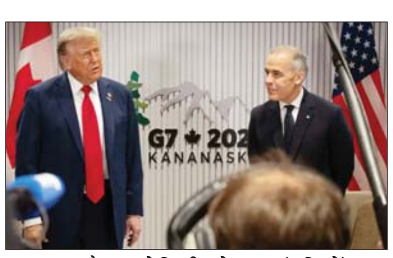

कनाडा के अमेरिकी टेक कंपनियों पर टैक्स जारी रखने तक उसके साथ व्यापार वार्ता को निलंबित कर रहे हैं। कनाडा सरकार ने कहा कि व्यापार समझौते की उम्मीद के साथ कनाडा डिजिटल सेवा कर को रद्द कर रहा है।

कार्नी और ट्रंप ने दोबारा बातचीत के लिए जताई सहमति- प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, कार्नी और ट्रंप ने वार्ता फिर से शुरू करने पर सहमति व्यक्त की है। कार्नी ने एक बयान में कहा, '' ये घोषणा निर्धारित 21 जुलाई, 2025 की समयसीमा के तहत इस वार्ता का शुरू करने में मदद करेगी। ये समयसीमा इस महीने जी- 7 नेताओं के शिखर सम्मेलन में तय की गई थी।'' कार्नी ने मई में अमेरिका में राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास और कार्यालय वाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात की थी। इसके बाद ट्रंप जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए कनाडा आए थे। इस दौरान कार्नी ने कहा था कि कनाडा और अमेरिका ने व्यापार वार्ता के लिए 30 दिन की समय सीमा तय की है।

भारी टैरिफ में ढील देने पर चर्चा- कनाडा और अमेरिका, अमेरिका के पड़ोसी देश से आने वाले सामानों पर ट्रंप द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ में ढील देने पर चर्चा कर रहे हैं। ट्रंप ने स्टील और एल्युमीनियम पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। साथ ही उन्होंने मोटर व्हीकल और उसके पार्ट्स पर 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की है। ज्यादातर देशों से इंपोर्ट पर 10 प्रतिशत का मूल शुल्क भी लगाया गया है। हालांकि, नई टैक्स बढ़ोतरी को अमेरिका ने 90 दिन के लिए टाल दिया था। ये अवधि 9 जुलाई को खत्म हो रही है जिसके बाद अमेरिका टैरिफ में बढ़ोतरी कर सकता है।

विदेशी वित्तीय संपत्तियों में रिकॉर्ड वृद्धि

आरक्षित परिसंपत्तियों और प्रत्यक्ष निवेश का अहम योगदान

__नई दिल्ली।__ भारत ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान अपनी विदेशी वित्तीय संपत्तियों में मजबूत वृद्धि देखी। यह मुख्य रूप से अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, मुद्रा जमा और आरक्षित परिसंपत्तियों के कारण हुई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी है। आरक्षित परिसंपत्तियों की हिस्सेदारी 54 प्रतिशत से अधिक आंकड़ों के विदेशी वित्तीय परिसंपत्तियों में कुल वृद्धि का 72 प्रतिशत से अधिक हिस्सा तीन घटकों से आया है। इसमें अकेले आरक्षित परिसंपत्तियों की हिस्सेदारी 54 प्रतिशत से अधिक है। आरक्षित परिसंपत्तियां वे संपत्ति हैं जिन्हें किसी व्यक्ति, कंपनी, या देश द्वारा भविष्य में उपयोग के लिए अलग रखा जाता है।

प्रत्यक्ष निवेश और जमाराशियों की अहम भूमिका

इसके अलावा प्रत्यक्ष निवेश के साथ-साथ मुद्रा और जमाराशियों ने भी विदेशों में रखी गई संपत्तियों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। प्रत्यक्ष निवेश का मतलब है किसी व्यक्ति या संस्था द्वारा किसी दूसरे देश की कंपनी या परियोजना में लंबी अवधि के लिए सीधा निवेश करना, ताकि वह उस कंपनी में स्वामित्व या नियंत्रण प्राप्त कर सके।

वित्तीय देनदारियों में 74.2 अरब अमेरिकी डॉलर की वृद्धि

वर्ष 2024-25 के दौरान भारत की कुल बाह्य वित्तीय संपत्ति में 105.4 अरब डॉलर की वृद्धि देखी गई। इसकी तुलना में इसकी बाह्य वित्तीय देनदारियों में 74.2 अरब अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई। इस वर्ष के दौरान भारत पर गैर निवासियों के शुद्ध दावों में 31.2 अरब डॉलर की कमी आई है।

राज्य और केंद्र शासित प्रदेश लेंगे बाजार से कर्ज, 2.86 लाख करोड़ जुटाने की योजना

__नई दिल्ली।__ राज्य और केंद्र शासित प्रदेश संयुक्त रूप से जुलाई-सितंबर 2025 की तिमाही में बाजारों से लगभग 2.86 लाख करोड़ रुपये जुटाने वाले हैं। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह संकेत दिया है। आरबीआई ने राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ परामर्श के बाद अपेक्षित बाजार उधार योजना तय कर ली है।

1 जुलाई को बाजार से जुटाए जाएंगे 18,100 करोड़ रुपए- 1 जुलाई को बाजार से 18,100 करोड़ रुपए उधार लेने का प्रस्ताव है। इसमें आंध्र प्रदेश (2,000 करोड़ रुपए), असम (900 करोड़ रुपए), गुजरात (1,000 करोड़ रुपए), हिमाचल प्रदेश (1,200 करोड़ रुपए), केरल (2,000 करोड़ रुपए), महाराष्ट्र (6,000 करोड़ रुपए), राजस्थान (500 करोड़ रुपए), तमिलनाडु (2,000 करोड़ रुपए), तेलंगाना (1,500 करोड़ रुपए) और पश्चिम बंगाल (1,000 करोड़ रुपए) शामिल है।

आठ लाख करोड़ पहले छह महीनों में लिए जाएंगे- वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट में निर्धारित 14.82 लाख करोड़ रुपये के सकल बाजार उधार में से सरकार 8 लाख करोड़ यानी 54न्न सरकार पहले छह महीनों में लेगी। यह कर्ज डेटेड सिक्योरिटीज यानी तय समय के लिए जारी किए गए सरकारी बॉन्ड के जरिए लिया जाएगा। सरकार यह 8 लाख करोड़ का कर्ज 26 हफ्तों में हर हफ्ते की नीलामी के जरिए जुटाएगी। ये बॉन्ड अलग-अलग समय अवधि के होंगे जैसे 3 साल, 5 साल, 7 साल, 10 साल, 15 साल, 30 साल, 40 साल और 50 साल के लिए।

अलग-अलग अवधि के जारी होंगे बॉन्ड

वित्त मंत्रालय ने मार्च में बताया कि सरकार 2025-26 में अलग-अलग अवधि की सरकारी प्रतिभूतियों (जिसमें एसजीआरबीएस भी शामिल हैं) के जरिए उधारी लेगी।

इसमें उधारी का बंटवारा इस तरह होगा

3 साल की अवधि के 5.3 प्रतिशत
5 साल के लिए 11.3 प्रतिशत
7 साल के लिए 8.2 प्रतिशत
10 साल के लिए 26.2 प्रतिशत
15 साल के लिए 14.0 प्रतिशत
30 साल के लिए 10.5 प्रतिशत
40 साल के लिए 14.0 प्रतिशत
50 साल के लिए 10.5 प्रतिशत

राजकोषीय घाटा जीडीप का 4.5 प्रतिशत नीचे रखने का लक्ष्य - वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट पेश करते हुए बताया कि 2025-26 के लिए सरकार का राजकोषीय घाटा लक्ष्य जीडीपी का 4.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो 2024-25 में संशोधित अनुमान 4.8 प्रतिशत से कम है। सरकार का लक्ष्य है कि 2025-26 के अंत तक राजकोषीय घाटा 4.5 प्रतिशत से नीचे लाया जाए।

वित्त वर्ष 2025-26 में बाजार से 15.4 लाख करोड़ रुपये उधार लेने की योजना - सरकार के कुल राजस्व और कुल खर्च के बीच के अंतर को राजकोषीय घाटा कहा जाता है।यह बताता है कि सरकार को कितनी रकम उधार लेनी पड़ सकती है। 1 फरवरी को केंद्रीय बजट में घोषणा की गई थी, सरकार की वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान बाजार से 15.4 लाख करोड़ रुपये उधार लेने की योजना है। सरकार का लक्ष्य पूंजीगत व्यय के लिए बाजार उधार का उपयोग करना है, क्योंकि सरकार इस उधार का इस्तेमाल मुख्य रूप से पूंजीगत खर्च के लिए करेगी, क्योंकि यह खर्च अर्थव्यवस्था में महंगाई नहीं बढ़ाता।

देशबन्धु
ग्राहक सेवा

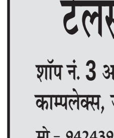

रेमण्ड से ट्रेनिंग प्राप्त फ्यूजिंग सूट, ट्राउजर शर्ट स्पेशलिस्ट
टेलर्स वारिस
शॉप नं. 3 आनंद टॉकीज शॉपिंग काम्पलेक्स, जबलपुर फोन: 2405596
मो.- 9424392281, 9425152707
देग्रासे सी 30/7/2022

100 प्रतिशत गारन्टेड इलाज
क्या आपको गुप्त रोग है। अंडकोष, बवासीर, सेक्स से संबंधित रोगों के स्थायी इलाज के लिए मिलें
बिना ऑपरेशन
डॉ. विश्वास
राइट टाउन, प्रेम मंदिर, होटल पंकज पेलेश के पीछे
मो: 9827042596

प्लॉट उपलब्ध हैं
न्यू भेड़ाघाट के निकट प्रस्तावित रिंग रोड के पास फार्म हाउस हेतु लगभग 6000, 12000, 18000+ वर्गफुट के प्लॉट @ रु. 350 प्रति वर्गफुट उपलब्ध हैं. संपर्क करें - अनिल यादव, ग्राम सकरी
संपर्क: 6264760614
देवेन्द्र : 9993737969

नोट- पाठकों को सूचना दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्यवाही जैसे पैसा भेजना, कोई खर्च करना या प्रकाशित विज्ञापन के विश्वास पर किसी प्रकार संबंध बनाना आदि करने से पूर्व आवश्यक/संपूर्ण जानकारी कर लेवें।
देशबन्धु यह भी घोषित करता है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले किसी भी राजनैतिक, सामाजिक अथवा अन्य प्रकार के विज्ञापनों से देशबन्धु का कोई सरोकार नहीं है। अतः विज्ञापनदाता द्वारा जारी किये गये किसी भी प्रकार के दावे/ प्रस्तुतिकरण के लिये जिम्मेदार नहीं हैं।

प्रकाशक-गिरिराज चाचा, मुद्रक-मोहन सुरजन द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लिमि. के लिये देशबन्धु काम्पलेक्स नौदराब्रिज जबलपुर से प्रकाशित एवं श्रीजी प्रिंटर्स से मुद्रित, सम्पादक-अशोक मिश्रा, * (* पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार)
फोन संपादकीय-4006577 व्यवस्था - 4085031, 4085679, 2626244 आर.एन.आई. पंजी. क्रमांक 38276/71 डाक पंजीयन क्रमांक-एसएसपी जबलपुर /04/2020-2022 E mail- Jabdesh1@yahoo.com

Happy Doctor's Day
कपिल मेडिकल स्टोर
कपिल ड्रग हाउस बरही
पता- खितौली

अतिथि शिक्षक ऑनलाइन हाजिरी से नाराज, नई प्रणाली को बताया अमानवीय

जबलपुर, देशबन्धु। शहर के साथ प्रदेश के अतिथि शिक्षकों के लिए अब ऑनलाइन उपस्थिति जरूरी कर दी गई हैं। इस संबंध में प्रदेश शासन के शिक्षा विभाग द्वारा आदेश जारी होने के बाद अतिथि शिक्षक न सिर्फ स्तब्ध हैं बल्कि उन्होंने ई अटेंडेंस प्रणाली को अमानवीय और अव्यवहारिक भी बताया।

शहर में जहां संगठनों के द्वारा विरोध दर्ज कराए जाने की तैयारी चल रही हैं वहीं प्रदेश के कुछ जिलों में इसे अतिथि शिक्षकों की छवि पर नकारात्मक असर डालने वाले और और मनोबल गिराने वाला बताते हुए प्रदर्शन भी शुरु हो गए हैं। वर्तमान में शहर के साथ प्रदेश भर में स्थाई शिक्षकों में ई अटेंडेंस को लेकर नाराजगी बनी हुई है। अब प्रदेश के अतिथि शिक्षकों को भी ई अटेंडेंस करना होगा। लोक शिक्षण संचालनालय ने इसका आदेश जारी किया है। अतिथि शिक्षकों का आरोप है कि पुराने वादे पूरे नहीं किए गए और नए नियम थोप दिए गए हैं।

अतिथि शिक्षकों ने की स्थगित करने की मांग- अतिथि शिक्षकों ने इस प्रणाली पर सवाल उठाया कि अन्य विभागों के कर्मचारियों पर यह नियम क्यों लागू नहीं हुआ। शिक्षकों ने मांग की कि यह आदेश सभी सरकारी कर्मचारियों पर लागू होने तक स्थगित किया जाए। शिक्षकों ने कहा कि इससे उनकी छवि पर नकारात्मक असर पड़ेगा और मनोबल गिर जाएगा। उनका मानना है कि यह आदेश समाज में यह संदेश देगा कि शिक्षक अपने काम में लापरवाह हैं। शिक्षक संघ ने कहा कि इस प्रणाली से मोबाइल का दुरुपयोग बढ़ेगा, क्योंकि यह पूरी तरह मोबाइल पर आधारित है। वर्तमान में संयुक्त मोर्चा शिक्षक संघ ने मांग की कि यह आदेश सभी सरकारी कर्मचारियों पर लागू किया जाए। उनका कहना है कि यह व्यवस्था सभी सरकारी विभागों में लागू होनी चाहिए, न कि सिर्फ शिक्षा विभाग पर। उनका मानना है कि सभी विभागों में यह नियम लागू होने से व्यवस्था अधिक प्रभावी होगी।

शिक्षा विभाग के खिलाफ तीखा विरोध

शिक्षकों का कहना है कि यह आदेश उनके प्रति अविश्वास को दर्शाता है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसे अमानवीय बताते हुए बंद कर दिया था।

Happy Doctors Day!
आप स्वस्थ रहें, सुरक्षित रहें
प्रभु से प्रार्थना है कि आपको
हमारी आवश्यकता ना पड़े
लेकिन हर संकट की घड़ी
में हम आपके साथ रहें
डॉक्टर्स दिवस की मंगल कामनायें
डॉक्टर संगीत जैन
चरक पाली क्लीनिक
पलोटगंज, गाडरवारा, फोन-07791-254729
सभी सुविधाओं के साथ सेवा में तत्पर

चिकित्सा दिवस विशेष

जबलपुर आई केयर
डॉ. पूजा मिश्रा
(एम.बी.बी.एस., एम.एस., नेत्र सर्जन)
प्रत्येक शुक्रवार
निःशुल्क नेत्र परीक्षण
समय-सुबह 11 से 2 बजे तक
पता- खुशी प्लाजा कॉम्पलेक्स, भंवरताल गार्डन, जबलपुर
रजिस्ट्रेशन हेतु संपर्क करें- 9009101571, 0761-4003010, 8103157419

नेशनल हॉस्पिटल
स्थान- 703, गोलबाजार, जबलपुर
फोन नं.: 0761- 2412612, 2414612
C.G.H.S., C.S.M.A., E.S.I.C. एवं आयुष्मान द्वारा मान्यता प्राप्त
सुपर स्पेशिलिटी विभाग
● हृदय रोग (एंजियोग्रॉफी, एंजियोप्लॉस्टी, पेसमेकर) ● न्यूरोलॉजी एवं न्यूरोसर्जरी (लकवा, मिर्गी, मूवमेन्ट डिसआर्डर, स्पाईन सर्जरी, हेड इन्जरी, ब्रेन ट्यूमर) ● यूरोलॉजी (मूत्र के सभी रोगों का इलाज एवं ऑपरेशन, प्रोस्टेड के ऑपरेशन लेजर द्वारा किडनी की पथरी के ऑपरेशन) ● शल्य चिकित्सा (हर्निया, अपेन्डिक्स, पाईल्स, फिस्टुला व आंतों में छेद एवं पेट के सभी ऑपरेशन) ● हड्डी रोग (हिप एवं नी रिप्लेशमेन्ट) ● छाती रोग ● नेफ्रोलॉजी (डायलिसिस) ● स्त्री रोग (हाई रिस्क प्रेगनेन्सी) ● नेत्र रोग ● शिशु रोग
28 वर्षो से जहर, सर्पदंश, डेंगू, एक्सीडेंट, ट्रामा एवं अन्य एम.एल.सी. के मरीजों में सर्वाधिक जीवन रक्षा का कीर्तिमान

Happy Doctor's Day
डॉ. संदीप श्रीवास्तव
सी. एम.आर. टी. बी. ए. एम. एस. ए. एम.
संचालक - आदित्य डिजिटल एक्स-रे
पता- डोली रोड बरही
मो. 9981754188

Happy Doctor's Day
नवजीवन क्लीनिक
डॉ .पी .के. कुशवाहा
पता- सराफा बाजार बरही
मो. 9575377322

Happy Doctor's Day
डॉ राजीव चावला
खण्ड चिकित्सा अधिकारी
नैनपुर

Happy Doctor's Day
डॉ. सुरेन्द्र बरकड़े,
शिशु रोग विशेषज्ञ
नैनपुर

Happy Doctor's Day
एक शुभचिंतक

Happy Doctor's Day!
डॉ. ए.के. तिवारी
एमडी मेडिसिन
मेडिकल स्पेशलिस्ट
हृदय रोग विशेषज्ञ
थायराइड एवं डायबिटीज
बारापत्थर सिवनी म.प्र.

जबलपुर हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर
आपके दिल की सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी
हार्ट अटैक एवं हृदय रोग सम्बंधित उपचार
एंजियोग्राफी (हृदय की नसों की जाँच)
एंजियोप्लास्टी एवं स्टेंटिंग,
वाल्वोप्लास्टिक ईको,
कॉर्डियोग्राफी टी.एम.टी. पेसमेकर
IAS IAF NABH NABL द्वारा मान्यता प्राप्त चिकित्सालय
24 HOURS SERVICE EVERYDAY
महाकौशल क्षेत्र की सबसे बड़ी व आधुनिकतम कैथलैब
थेरापियूटिक्स - ■ IVUS, FFR स्टडी ■ कोरोनरी एंजियोग्राफी ■ कोरोनरी एंजियोप्लास्टी ■ प्रायमरी कोरोनरी एंजियोप्लास्टी ■ पेसमेकर इम्पलांटेशन ■ ए.आई.सी.डी. इम्पलांटेशन ■ सी.आर.टी. इम्पलांटेशन ■ पेरीफेरेल एंजियोग्राफी ■ पेरीफेरेल एंजियोप्लास्टी ■ पेरीकार्डियोसेंटेसिस ■ रीनल एंजियोग्राफी ■ रीनल एंजियोप्लास्टी
डायग्नोसिस - ■ ई.सी.जी. ■ 2 डी ईको ■ होल्टर टेस्ट
Stress Echo (Pharmacological), Stress Echo (Treadmill), Stress Test
अन्य सुविधाएँ- ■ सम्पूर्ण हार्ट चेकअप ■ उच्च रक्तचाप ■ मधुमेह संबंधी हृदय रोगों का उपचार ■ बायपास सर्जरी ■ हृदय के वाल्वों का उपचार/सर्जरी ■ अनियमित धड़कन का उपचार ■ 24 घण्टे आकस्मिक चिकित्सा सुविधा
● गेस्ट्रोइंट्रोलॉजी ● ऑन्कोलॉजी ● यूरो सर्जरी ● नेफ्रोलॉजी हीमोडायलिसिस ● पीडियोट्रिक नियोनेटोलॉजी ● गॉयनिक लेप्रोस्कोपी ● बायपास सर्जरी
● कार्डियोलॉजी - एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी ● इंटरनल मेडीसिन ● पलमोनरी मेडीसिन ● कॉस्मेटिक गॉयनिक सेंटर ● क्रिटिकल केयर ● ओरल एण्ड मेक्सिलोफेशियल सर्जरी ● हाई रिस्क प्रसूति
● लेप्रोस्कोपिक गेस्ट्रो सर्जरी ● ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी ● ट्रॉमा केयर ● दुर्घटना एवं अपघात निदान ● आई.वी.एफ. सेंटर ● इंडोक्रॉयनोलॉजी ● न्यूरोलॉजी ○ न्यूरो सर्जरी
रसल क्रॉसिंग, नेपियर टाउन, जबलपुर - 482002, म.प्र.
फोन : 0761-4026000, 2450761-62, फैक्स : 0761-4036343, टोल फ्री नं. : 18002332450
Email : jhrc_hrd@yahoo.co.in, Website : www.jabalpurhospital.com
कॉलेज ऑफ नर्सिंग
जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंस
Courses Available : GNM, B.Sc. (N), P.B.Sc. (N) & Ph.D. (N)
M.Sc. (Nursing) in MSN, OBG, CHN, PSY, PEDIA
अग्रसेन मण्डपम् के पास, कचनार सिटी रोड, अहिंसा चौक, विजय नगर, जबलपुर
Mob. : 8269045001, 8269065001, 7869135658 Web. : www.nursingcollegejihs.com, E-mail : jihs25jabalpur@gmail.com

SMJ TRUST HOSPITAL
सेठ मन्नूलाल जगन्नाथदास ट्रस्ट हॉस्पिटल
Happy DOCTOR'S DAY
अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ
एंजियोग्राफी - मात्र 5,000 रु. में
स्वस्थ हृदय, खुशहाल जीवन...
विश्वसनीय हृदय देखभाल, अब आपके करीब
संपर्क करें +91 9303330282
दीक्षितपुरा, जबलपुर
हमारे पेज को फॉलो करे @smjt_hospital3
SHRIRANG

Happy Doctor's Day!
शौर मेडिकोज
(सोनी दवाखाना)
पता- आधार सेंटर के पास
नया बस स्टैंड
बरही
मो. 9893880892